हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

9 मार्च 1983

खण्ड 1, अंक 3

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 9 मार्च 1983

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(3)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(3)19
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(3)38
विभिन्न विशयों पर उठाया जाना 1. बिजली के बिलों को बढा चढा कर चार्ज करने सम्बंधी 2. गांव मुण्सर के समीप ट्रैक्टर के जलने से अन्तर्ग्रस्त घटना संबंधी 3. महिला आश्रम करनाल में रह रहे बंगला दे ा के भारणार्थियों की मांगों संबंधी 4. नहरों पर लगे मोघों के साईज संबंधी	 (3)51 (3)52 (3)52 (3)53
ध्यानाकर्शण सूचना– सूखा तथा ओलावृश्टि के कारण हुई हानि के लिए	 (3)53

मुआवजा देने संबंधी	
प्वायंट आफ आर्डर 1. सीटिंग अरैंजमैंट को बदलने संबंधी 2. ऐंटी डिफैक ान (हरियाणा) बिल को अस्वीकार करने संबंधी	 (3)55 (3)55
मेज पर रखे गये पुनः रखे गये कागज पत्र	(3)56
सरकारी संकल्प– नई दिल्ली में हो रहे सातवें गुट निरपेक्ष सम्मेलन संबंधी	(3)57
स्पश्टीकरण– मुख्य मंत्री द्वारा एस0एस0एस0 बोर्ड आदि के फार्मों संबंधी	(3)69
प्वायंट आफ आर्डर– श्री किताब सिंह एम0एल0ए0 की कथित अवैध गिरफ्तारी के मामले को प्रिविलेज कमेटी को रैफर न करने संबंधी	(3)70
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)70

हरियाणा विधानसभा

बुधवार, 9 मार्च 1983

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधानसभा हाल, विधान भवन, सैक्टर –1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

स्थगित तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

10+2+3 Education System

***140. Sh. Hira Nand Arya, Sh. Nirmal Singh:** Will the Minister of State for Education be pleased to state-

(a) whether any committee has been appointed for making changes in the syllabus of School Education in the State; if so the classes for which the said committees have been appointed together with progress of work, if any, made so far by the said committee; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to introduce 10+2+3 system of Education in the State; if so, the steps, if any, taken in this respect, together with the time by which it is likely to be implemented ?

Minister of State for Education (Sh. Jagdish Nehra):

(a) Yes.A committee has been constituted by the Haryana Board of School Education for formulatation and revision of syllabi for classes I To X. Courses of study for classes I to VIII have been revised and updated. Syllabi for classes IX and X are under revision.

(b) (1) Yes.

(2) Steps Taken

(i) Vocational Survey completed.

(ii) Science Laboratories strengthened.

(iii) Teacher preparation Programme initiated.

(iv) necessary Curricular changes initiated.

(v) Libraries equipped

(3) Likely to be introduced form 1983-84 academic session.

श्री हीरा नन्द आर्य: क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि हरियाणा बोर्ड आफ स्कूल एजुके ान ने जो समिति नियुक्त की है, इसकी रिपोर्ट आपके पास आ बई है; अगर आ गई है तो इसको लागू करने में क्या दिक्कत है ? दूसरा सवाल मेरा यह कि 10+2+3 का सिस्टम कब से लागू कर रहे हैं ? क्या यह सिस्टम स्कूलों में लागू करेंगके या कालेजों में करेंगे ?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पूछा है कि कमेटियों की रिपोर्ट आ गई है या नहीं, मैं इनके सवाल को समझ नहीं सका लेकिन इनकी बात से अंदाजा लगाया है कि ये पाठयक्रम के बारे में जानना चाहते हैं। मैं इन्हें बताना चाहता हूं कि क्लास 1 से आठवीं तक का सिलेबस रिवाईज कर दिया गया है। इन्होंने दो सवाल मिक्स कर दिये हैं– एक पाठयक्रम का और दूसरा 10+2+3 का। क्लास 1 से 8वीं तक का पाठयक्रम अपटूडेट रिवाईज कर लिया गया है। क्लास 1 से पांचवीं तक कम्पलीट हो गया है और क्लास 6 से 8 तक सरकार के विचाराधीन हैं 10+2+3 के बारे में जो इन्होंने पूछा है, इसको लागू करने के लिये दो पग उठाये गये हैं उनकी डिटेल रिटन रिप्लाई में आइटम नं0 1 से 5 तक दे दी है। इसके बारे में सैंट्रल सरकार की अप्रेूवल अभी फरवरी महीने में आई हैं इसको जल्दी ही लागू करने की कोि ा ा करेंगे।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, 10+2+3 की योजना अन्य प्रदे ाों में भी लागू थी लेकिन नाकामयाब हुई है। क्या ि ाक्षा मंत्री महोदय को इनकी जानकारी है, अगर है तो क्या इस जानकारी की रो ानी में भी इस योजना को लागू करना चाहेंगे ?

श्री जगदी ा नेहराः 10+2+3 की प्रणाली केन्द्रीय सरकार की नीति के मुताबिक चलाई जा रही हैं उत्तरी भारत के पांच सूबों में इस प्रणाली को लागू करने का विचार है। यह स्कीम सबसे पहले तमिलनाडु में लागू हुई है और इसके बाद केरला में

हुई है। दूसरे सूबों में कामयाबी या नाकामयाबी के बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता क्योंकि यह उन सूबों पर निभ्रर करता है लेकिन केन्द्रीय सरकार की नीति है कि इस सिस्टम को लागू किया जायें

श्री निहाल सिंहः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि यह सिस्टम किस किस डिस्ट्रिक्टस के किस किस स्कूल में लागू किया जा रहा है ?

श्री जगदी ा नेहराः यह वर्क आउट किया जा रहा है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि 10+2+3 का सिस्टम स्कूलों में ही लागू कर रहे हैं या कालेजों में भी लागू करेंगे ? दूसरा सवाल यह है कि सिलेबस सिलैक्ट करने के लिये जो कमेटियां नियुक्त की गई थी, क्या उन समितियों की रिपोर्टस आ चुकी है; अगर आ चुकी है तो कब तक सरकार लागू करने जा रही है ?

श्री जगदी ा नेहराः मैंने श्री हीरा नन्द आर्य जी के सवाल का जवाब दे दिया है लेकिन इन्होंने जवाब सुना नहीं। कुछ कमेटियों की रिपोर्ट आ गई हैं और कुछ की आनी बाकी है। 10+2+3 के बारे में जो कमेटी कांस्टीच्युट की गई है उसमें सारे ही समझदार लोग हैं। जिन कमेटियों की रिपोर्ट आ चुकी हैं वह प्रोसैस में हैं, अभी फाइनल नहीं हुई है।

चौधरी साहब सिंह सैनीः क्या मंत्री महोदय बतायेंगें कि 10+2+3 की प्रणाली को कब से भाुरू करने जा रहे हैं ?

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, बार बार एक ही सवाल पूछा जा रहा है। मैंने कहा है कि it is likely to be introducted from 1983-84 academic session. मैंने स्पैसिफिकली, कैटेगोरिकली कहा है 'लाईकली'।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, 10+2+3 की ि ाक्षा प्रणाली लागू करने से पहले क्या मंत्री जी यह समझते हैं कि जो सिस्टम अब चल रहा है, इसमैं दोश है और उन दोशों की वजह से ही इस नई प्रणाली को लागू कर रहे हैं ?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, सैंट्रल गवर्नमैंट की डायरैक ान है कि 10+2+3 का सिस्टम लागू किया जाये और यह प्रणाली वेके ानलाइजे ान के हिसाब से लागू की जा रही है ताकि दसवीं क्लास पास करने के बाद जो दो साल लगाने हैं उनमें वोके ानलाइजे ान ज्यादा हो सके।

डा0 भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, आर्य साहब ने सवाल किया था कि इस प्रणाली को स्कूलों में लागू करेंगे या कालेजों में। इस सवाल का जवाब मेरे ख्याल में अभी तक नहीं आया है। दूसरी बात यह है जहां तक वोके ानल एजेंसीज की बात है इसके लिए हमारे आई0टी0आई0 पास हजारों लडके बेकार फिर रहे हैं। जिन लोगों ने सब कुछ सीख रखा है, वे भी बेकार फिर रहे हैं। जहां ऐसी स्थिति हो, वहां स्कूलों में इस प्रणाली को लागू करने का क्या फायदा है ?

श्री जगदी ा नेहराः मैं माननीय सदस्य डा0 दहिया जी को बताना चाहता हूं कि यह प्रणाली कुछ हाई स्कूलों, कुछ हायर सैकेंडरी स्कूलों और कुछ कालेजों में लागू करने का चिार है। इसके बारे में मैं फाईनल बात नहीं कह सकता क्योंकि जब तक सारा मामला फाइनल न हो जाये, कहना मु कल है।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने एक बात बडी वेग सी कही है। इन्होंने कहा है "It is likely to be introduced from 1983-84 academic session." मैं मंत्री जी से कैटेगरीकली जानना चाहता हूं कि इस प्रणाली को 1983–84 के सै ान में लागू करने जा रहे हैं या नहीं ?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा है लाइकली। भाायद ये लाइकली का मतलब नहीं समझते। लाइकली का मतलब आप डिक ानरी से समझ लीजिये कि इसका क्या अर्थ है। (व्यवधान)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं इसका अर्थ समझता हूं। इसका अर्थ है कि सम्भावना है और नि चत तौर पर नहीं कहा जा सकता। मैं मंत्री जी से यही जानना चाहता हूं कि सम्भावना क्या है और क्या आपने इस प्रणाली को एक्सैप्ट किया है ?

Mr. Speaker: Hon'ble Minister is very particular fort the word likely ?

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मैंने पूछा था कि इस प्रणाली को स्कूलों में लागू करना चाहते हैं या कालेजों में यानी स्कूलों में लाइकली है या कालेजों में लाइकली है।

श्री अध्यक्षः इन्होंने इसका जवाब दे दिया है।

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, विरोधी पक्ष वाले लाइकली का अर्थ समझ ही नही रहे हैं। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप आर्य साहब के सवाल का जवाब दीजिये कि स्कूलों में लागू कर रहे हैं या कालेजों में ?

श्री जगदी ा नेहराः यह प्रणाली स्कूलों हायर सैकण्डरी और कालेजों में लागू करने का मामला विचाराधीन है। मैंने इनके सवाल का जवाब पहले भी दे दिया था। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इन्होंने कहा है तीनों में विचाराधीन है। इसका मतलब तो आप समझते हैं। (व्यवधान)

श्री निहाल सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने कहा था लाइकली। हम इनकी लाइकली का मतलब नहीं समझते लेकिन इनकी ..... का मतलब जरूर समझते हैं। (हंसी)

श्री जगदी ा नेहराः राव साहब मेरे बुजुर्ग हैं मैं क्या कहूं। ये भी ..... की वजह से मेरे ख्याल में लाइकली का अर्थ नहीं समझ रहे हैं। (हंसी)

तारांकित प्र न सं0 166

यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री भागी राम, सदन में उपस्थित नहीं थे।

Damage to Crops by Need Gaye

***155. Sh. Ram Bilas Sharma:** Will the Minister for Revenue be pleased to state-whether it has come to the notice of the Government that crops in various parts of the State particularaly in District Mohindergarh and Tehsil Kosli are being damaged by the wild animal called "Rose" (Neel gaye) if so, the steps, if any, taken to save the farmers from this menave ?

Agriculture Minister (Ch. Surinder Singh):

(1) Yes.

(2) The matter is under the active consideration of the Government.

श्री राम विलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यस से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि नील गाय की रोकथाम के लिए क्या स्पैसिफिक कदम उठाये जाने सरकार के विचाराधीन हैं ?

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, नील गाय को किसी भी तरह नहीं पकडा जा सकता। सन 1979 की सैंसिस के मुताबिक नील गायों की संख्या पांच हजार थी और अब यह छः या सात हजार के बीच होगी। यह कहना बिल्कुल नामुकिन है कि हम उनका पकड सकते हैं। जहां तक भाूटिंग का संबंध है उसके लिए पहली अक्तूबर से 28 मार्च तक पीरियड है उसके बाद नान भाूटिंग पीरियड है।

श्री मंगल सैनः मंत्री महोदय ने इस बात को स्वीकार किया है कि नील गाय फसलों की तबाही कर रही है। रोहतक जिले के आसपास हजारों नील गायें फिर रही हैं लेकिन सरकार उनकी रोकथाम का कोई प्रबंध नहीं कर पा रही है जबकि वे किसानों की फसल की तबाही कर रही है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या वहां के किसानों की ओर से मंत्री महोदय या मुख्य मंत्री जी को कोई रीप्रैजेन्टे ान आयी है ?

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह बात बिल्कुल ठीक है कि हमारे पास रीप्रैजेन्टे ान आयी है लेकिन मैं डाक्टर साहब की इतलाह के लिए बता दूं कि नील गाय भाब्द से हमारें प्रान्त में ही नहीं बल्कि तमाम मुल्क में रिलीजियस अटैचमैंट हो जाती है। अगर किसी एक वि ोश व्यक्ति को या किसी किसान को कहें कि उस पर हाथ उठाओ तो उसका पहले ही हाथ कांपने लग जाता है। मैं मानता हूं कि इस किस्म की ि ाकायतें है कि फसलों को नुकसान हौता है लेकिन अपनी फसलों के बचाव के

लिए वे खेत में डराव खडा करते हैं पटाखे या बंदूक चलाते हैं लेकिन वे यह भरसक कोि ा ाच करते हैं कि नील गाय को पटाखों और बंदूक से किसी प्रकार का नुकसान न हो। जहां तक भाूटिंग का सवाल है उसकी इजाजत हम इस प्रांत में कदापि नहीं दे सकते।

श्री वीरेन्द्र सिहः मंत्री महोदय की यह बात दुरूस्त है कि नील गाय की भाूटिंग नहीं हो सकती क्योंकि हमारे मुल्क के लोगों के सैंटीमैंटस इन्वाल्ड हैं। लेकिन यह कहता कि नील गाय को किसी प्रकार भी नहीं पकडा जा सकता। यह बात नहीं जंची क्योंकि जू में रखने के लिए भी किसी प्रकार से नील गाय को पकडा जाता होगा। वे किस प्रकार से पकड कर लाते हैं ? इस बारे में कोई तरीका सरकार को पूछना चाहिए कि वहां पर किस प्रकार पकडा जाता है ताकि इन्हें कहीं एक जगह पर रोक दिया जाए ?

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः नील गाय को पकडना भी भाूटिंग वर्ड में भाामिल है। Snaring and trapping is also included in shooting. सदन यह महसूस करता है कि वास्तव में नील गाय से किसानों को बहुत नुकसान होता है इसलिए हम सदन के सरकारी पक्ष और अपोजि ान पक्ष के सदस्यों की एक कमेटी बना सकते हैं। अगर वे कोई स्कीम बता देंगे तो हमें उसे मानने में कोई एतराज नहीं होगा। इन गायों की नेचर ऐसी है कि ये दस फुट तक कूद जाती हैं। अगर कोई आदमी इसके पास जाए तो इसका

दिल इतना कमजोर होता है कि वह उसी वक्त बिदक कर भाग जाती है।

श्री मनफूल सिंहः स्पीकर साहब, जब भोर और हाथी को पकडा जा सकता है तो क्या नील गाय को नहीं पकडा जा सकता ? अगर नील गाय को पकडने का तरीका पूछना है तो मैं बता सकता हूं।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः भोर और हाथी पकडने के लिए लाईसैंस जरूरी है। वे भी कायदे कानून के तरीके से ही पकडे जा सकते हैं।

डा0 भीम सिंह दहियाः अभी मंत्री महोदय ने नील गायों की तादाद बतायी है कि पांच छः हजार की करीब है। उन्होंने यह भी बताया कि इन गायों से फसल का भी नुकसान होता है। क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि इन गायों से फसल और चारे का कितना नुकसान होता है ? दूसरी बात मंत्री जी इनके मारने के विशय में कही कि मारने के विशया में कही कि मारना पाप है। क्या कोई ऐसा तरीका निकाला जा सकता है जिससे इस नुकससान को बचाया जा सके ? जैसे फारैस्ट डिपार्टमैंट है, उसको यह काम सौंप दिया जाए ताकि किसानों की फसलों का नुकसान होने से बचाया जा सके ?

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः नील गाय तकरीबन एक दिन में चालीस पचास किलो ग्राम फीडर खाती है। छः हजार गायों को

इस से गुणा कर लें तो पता चल जाएगा कि कितना नुकसान होता है।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः क्या मंत्री महोदय कि जीन्द में कितनी नील गाय हैं और कितने परसैंट फसल का नुकसान करती है ? मंत्री जी ने अभी बताया कि यह गाय दस फुट तक कूद सकती है लेकिन हमारे सदन के सदस्य श्री भले राम और श्री बृज मोहन सिंगला ऐसे हैं जो तीन मंजिल से कूद जाते हैं तब भी इन्हें नुकसान नहीं होता (हंसी)

श्री कंवल सिहः मंत्री महोदय ने बडी महत्त्वपूर्ण बात फरमायी है कि नील गाय को पकडा नहीं जा सकता। मंत्री जी बडे सयाने हैं जिस तरह से अनिस्थिजिया डोज दे कर वाइलड एनिमल्ज का पकडा जाता है। उसी तरीके से इन नील गायों को भी पकडा जा सकता है। मंत्री जी जानकार सूत्रों से पता करें कि अगर वह ड्रग यूज करके पकडा जा सकता है तो उन्हें पकड कर कहीं सैंक्च्यूरी में छोडा जा सकता है।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः इस किस्म के इंजेक ान आते हैं जो एक खास बंदूक के जरिए से लगाये जाते हैं। मेरे पास फैक्टस तो नहीं है लेकिन मेरा ख्याल है कि एक बंदूक एक लाख रूपये की आती है। हम सै ान के बाद इस बात पर अच्छी तरह से विचार करेंगे और एनिमल की प्रजर्वे ान के लिए जो बोर्ड है

उसकी मीटिंग भी बुलायेंगे। जो भी फैसला बोर्ड करेगा उसके मुताबिक कार्यवाही करेंगे।

श्री देवी दासः स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी बताया है कि 6000 के लगभग नील गाय हरियाणा में है। सोनीपत जिले में बडवासनी और उसके असपास रहने वाले कुछ लोगों ने नील गायें पाल रखी हैं। वे लोग जमींदारों से यह कहते हैं कि अगर तुमने इतना मुआवजा न दिया तो तुम्हारा खेत उजाड देंगे। क्या यह बात सरकार के नोटिस में है और अगर है तो इसके लिये क्या उपाये किये गये हैं और अगर नहीं तो क्या इस तरफ सरकार ध्यान देंगी ?

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः इसका जवाब तो आ चुका है। सोनीपत जिले में जंगली जानवर कौन कौन से हैं, इसकी लिस्ट मेरे पास नहीं हैं। यह पता लगाया जा सकता है लेकिन जहां तक नील गाय का सवाल है वह एक डिस्ट्रिक्ट से दूसरे डिस्ट्रिक्ट में बडी फ्रीकुएंटली आती जाती रहती है।

श्री प्यारा सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि जो एक 15–20 आदमियों की घोडियों की पार्टी हमारे पेहोवा हल्के में नील गाय पकडने के लिये आयी हुई है वह पार्टी आपके विभाग की है या चौधरी हरपाल सिंह के महकमा की है ?

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः घोडे का काम तो सरदार हरपाल सिंह का है। (हंसी) इनको ज्यादा पता होगा। मेरे महकमे से किसी भी किस्म की पार्टी वहां पर नहीं गई हुई है और न ही ऐसी कोई बात हमारे नोटिस में है।

चौधरी नर सिंहः स्पीकर साहब, जहां तक नील गाय के पकडने का संबंध है इस बारे में मेरा एक सुझाव है। मंत्री जी ने बताया कि धर्म के विचार से हम उसको न तो पकड ही सकते हैं और न ही भाूट वर्गरह कर सकते हैं। रस्सों और जाल की सहायता से उसको बडी आसानी से पकडा जा सकता है। पकडने के बाद किसानों पर जिनका वह नुक ाान करती है, खर्चा डालने की बजाये सारी स्टेट पर डाला जाये और उनको किसी एक जगह पर इकटठे ही रखा जाये जहां चारा वगैरा दिया जा सके।

श्रीमती चन्द्रावतीः मंत्री जी ने बताया है कि उनका कुछ नहीं किया जा सकता। क्या उनकों पकड कर पाकिस्तान या किसी दूसरे कंट्री में जो हमारे नजदीक पडते हों, एक्सपोर्ट करने की प्रपोजल पर विचार किया जा सकता है ?

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जिस किसी भी किसान के खेत में नुकसान हो रहा हो और उसकी फसल को खराब करने के लिये नील गाय खेत में आती हो उस किसान को इस बात का पूरा अख्तियार है कि वह अपनी फसल को बचाने के लिय नील गाय को किसी भी तरह से हटाये। अगर विरोधी दल के

भाई यह महसूस करते हैं कि गायों को पाकिस्तान भेजा जाये तो मैं यह महसूस करता हूं कि वे अपने खेतों से निकाल कर कहीं पर भी भेज दी जायें चाहे राजस्थान में भेजें चाहें यू0पी0 में भेजें चाहें पंजाब में भेंजे।

श्रीमती चन्द्रावतीः गवर्नमैंट पकड कर इनको बाहर भेजे।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः गवर्नमैंट का तो इनको भेजने का सवाल ही रही है।

चौधरी नेकी रामः स्पीकर साहब, मेरे साथी हीरा नन्द अी आर्य समझे नहीं। मेरे जिला हिसार में ऐसी भी जगहें हैं जहां पर लोग नील गाय को मारना पसंद नहीं करते। वे इसको मारना पाप समझते हैं। उनके खेतों में सैंकडों की तादाद में नील गायें घूमती रहती हैं। अगर वे जगहेां को नाम पूछना चाहें तो तो नाम भी बता देता हूं। वे हैं झांझली और बडोपल। उसी जिले से मैं आता हूं। और उसी जिले से मुख्य मंत्री जी भी आते हैं। ऐसा करने से लोगों की भावना भडकेंगी। जैसो अपोजि ान वाले सूझा रहे हैं ठीक नहीं है।

श्री अमीर चन्द मक्कड़ः स्पीकर साहब, नील गाय का मसलाच बहुत पुरान नहीं हैं 1977–78 में जो सरकार थी, क्या उसके सामने भी हांसी हल्के के लोगों ने जिनमें मैं भी भाामिल था दरखास्त दी थी और कोई प्रपोजल दी थी अगर हां तो क्या

उस वक्त की सरकार ने इस मसले को हल किया था या नहीं किया था ?

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, सरकार के सामने बहुत सी ि ाकायतें हैं। 1977–78 की भी कोई न कोई अव य होगी।

श्री राम विलास भार्माः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने यह स्वीकार किया है कि हरियाणा में 6000 के लगभग नील गाय हैं जो किसान के खेत को बरबाद कर रही हैं। यह एक बहुत चिन्ता का विशय है। यह बात स्वयं उन्होंने स्वीकार की है। इस बारे में सरकार जो कदम उठाने जा रही है क्या इसके बारे में कोई समय की सीमा निर्धारित करेंगे कि इतने समय में हम इस काम को कर लेंगे ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि नील गाय के बारे में कोई भी इंसान यह नहीं चाहता कि इसको मारा जाये। चाहे ऊपर के मन से कोई कुछ भी कह दें। आप जानते हैं कि लाखों की तादाद में पहले हरियाणा में हिरण हुआ करते थे अब घटते घटते कम हो गये हैं यह एक अलग बात है लेकिन उनको भी मारने की चेश्टा नहीं की गयी। जितना नुकससान हिरण करते हैं उतना भाायद नील गाय भी नहीं करती होगी। फिर किसान खेत में बीज डालते वक्त यह भी तो कहता है कि इसमें पाली, हाली, जानवर वगैरह सब का हिस्सा है।

जब थोडढा बहुत उसमें से अपना हिस्सा खा जाता है तो वह यह भी तो सोचता है कि उसको परमात्मा दुगुना करके देगा। अगर किसी गाय को मारने की बात कही जाये तो यह कोई अच्छी बात नहीं है। फिर भी हम इस बात की कोि ा ा करेंगे कि इसका कोई न कोई इंतजाम किया जाये। फौरेस्ट्रस वगैरह में हम उनको किसी एक जगह इकट्ठा करके उनके लिये चारा वगैरह का बंदोबस्त अगर हो सका हो तो करने की कोि ा ाच करेंगे। लेकिन मैं यह बात पूरे वि वास के साथ नहीं हो कह सकता कि हम उनको इकटठा कर सकेंगे। हम उनको इकटठा रखने और चारा देने की बात तो कर सकते हैं लेकिन मारने की बात हम नहीं कर सकते। अगर अपोजि ान वाले चाहते हैं तो हम एक कमेटी बना देते हैं। अगर कमेटी कहेगी कि उनको मार दिया जाये तो मार भी दिया जायेगा लेकिन फिर सारी जिम्मेवारी इनकी होगी। (व्यवधान व भाोर)

श्री अध्यक्षः अगला प्र न।

Water Supply Schemes in the State

***161. Smt. Basanti Devi:** Will the Minister of State for Public Health be pleased to state-

(a) the District wise details of water supply schemes at present functioning in the State;

(b) the number of water works in the Hasangarh Constituency which are at present ini working order; and

(c) the criteria/basis on which drinking water supply schemes are prepared and implemented ?

जन स्वास्थ्य राज्य मंत्री (चौधरी लाल सिंह):

(क) उत्तर सदन के पटल पर साथ लगे अनुबंध "क" में दिया गया है।

(ख) 5

(ग) पेयजल की सुविधा देने में उन गांवों की प्राथमिकता दी जाती है जहां या तो पानी 1.6 किलोमीटर दूर या 15 मीटर तक की गहराई तक उपलब्ध नहीं है या जहां पानी खारा है या उसमें स्वास्थ्य के लिये हानिकारक तत्व मिले हैं या पानी से हैजा जैसी भयानक बिमारियां होने का जोखिम होता है।

अनुबंध 'क'

क्रमांक	जिला	28.2.83 तक जल वितरण सुविधा प्रदान की गई योजनाओं की संख्या
1	अम्बाला	111

2	भिवानी	69
3	फरीदाबाद	22
4	गुड़गांव	46
5	हिसार	184
6	जींद	44
7	करनाल	19
8	कुरूक्षेत्र	26
9	महेन्द्रगढ़	71
10	रोहतक	70
11	सिरसा	70
12	सोनीपत	13
	कुल	745

श्रीमती बसन्ती देवीः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बताया है कि हसनगढ कांस्टीच्युऐंसी में पाचं वाटर वर्क्स काम कर रहे हैं। क्या मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि क्या रोहतक जिलेा

का कभी सर्वे किया गया है और अगर किया गया है तो कब किया गया है ?

10.00 बजे।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, रोहतक जिले में तकरीबन 435 गांवों में पीने का पानी की प्रोबलम हे। इनमें से 160 गांवों को पानी दे चुके हैं और 107 गांवों में काम जारी है। बहन जी के हल्के के 33 गांवों में पीने के पानी की समस्या है। इनके हल्के में सात स्कीमों पर काम जारी है जिनमें दस गांव में आते हैं सात स्कीमों पर एक करोड या सवा करोड रूपया खर्च आएगा। 35 लाख रूपया खर्च कर चुके हैं। अध्यक्ष महोदय, ये सातों स्कीमें 31 मार्च 1985 तक कम्पलीट हो जाएंगी।

डा0 भीम सिंह दहिया: अध्यक्ष महोदय, यह तो अच्छी बात है कि ज्यादा से ज्यादा गांवों में पीने के पानी का इंतजाम किया जा रहा है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि पानी की सप्लाई दे देने के बाद क्या कभी कोई सर्वे किया गया है कि जहां पर पानी सप्लाई किया गया है वह स्कीम ठीक तरह से काम कर रही है या नहीं ? अध्यक्ष महोदय, मैंने कर्ह जगह देखा है कि जहां तीन साल पहले नलके लगाए गए थे वहां गलियों में नलके नजर नहीं आते। दूसरी बात यह है कि गलियों में नलके लग जाने से वहां पर पानी खडा रहता है गंदगी होती है कीचड

होती है और मच्छर पैदा होते हैं। क्या सरकार ने इस चीज को दूर करने के लिए कोई कदम उठाए हैं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, स्टेट में 983 गांवों में पीने के पानी का सप्लाई का काम चल रहा है। सारी स्टेट में 6731 गांव हैं जिनमें से 4690 प्रोबलम विलिजिज हैं। इनमें से तकरीबन 2041 प्रोबलम विलिजिज को हम पीने का पानी दे चुके हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर सारे गांवों को पीने का पानी दें तो कम से कम 165 करोड रूपया चाहिए अैर इसकि लिये समय भी चाहिएं जहां तक पानी खडे होने और कीचड होने का सवाल है। स्पीकर साहब, हमने गांवों में सिवरेज सिस्टम चालू नहीं किया है अगर सिवरेज सिस्टम गांवों में चालू कर दें तो आधे गांवों को भी पानी हम नहीं दे पाएंगे क्योंकि सिवरेज में पैसा ज्यादा लगता है। ऐसा करने से आधे गांव रह जाएंगे। पैसे की भी कमी है। आप जानते हैं कि सारा काम पैसे से होता है। इसलिए हम चाहते हैं कि जहां पानी खारा है जहां पानी नीचे है और जहां बहुत दूर से पानी लाना पडता है वहां पर हम पहले पानी दें जहां तक गलियों में कीचड होने का संबंध है हमने फैसला किया है कि हम गलियों में टूटी नहीं देंगे। गांव के बाहर टूटी देंगे जिससे कि गांव के अंदर कीचड न हों और मच्छर वगैरह पैदा न हों।

श्री मनफूल सिंहः अध्यक्ष महोदय, असंध और मतलौडा में पीने के पानी की कोई स्कीम अभी तक नहीं दी गई है। वहां पर इतना खारा पानी है कि अगर वह पी लिया जाये तो

पे ााब में तकलीफ हो सकती है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि वहां पर कब तक पीने के पानी की स्कीम दे दी जाएगी ?

चौधरी लाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कभी मुझे कहा ही नहीं कि वहां पर पीने की पानी की समस्या है। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि वहां पर पीने की पानी का इंतजाम हो जाएगा।

श्रीमती बसन्ती देवीः अध्यक्ष महोदय, मैंने मंत्री महोदय को सांपल वाटर वर्क्स के बारे मैं बताया था लेकिन उस पर काम नहीं हुआ। सांपला में जो वाटर वर्क्स है वह वहां के लिए ही काफी नहीं है और उसके साथ दो तीन गांव और जोड दिए गए इसका नतीजा यह हुआ कि वहां पर दिन रात औरतों की लडाई होती है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि वाटर वर्क्स बनाते समय पापूले ान का भी कोई ध्यान रखा जाता है ?

चौधरी लाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, बहन जी ने सांपला वाटर वर्क्स के बारे में बात की थी और मैंने उसी वक्त नोट लिखकर प्रमुख इंजीनियर को चैंकिंग के लिए भेजा था और उसने रिपोर्ट दे दी थी। बहिन जी को पता है कि मैंने वहों पर कितना काम किया है।

श्री भाग रामः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह सत्य है कि सिरसा में सत्तर पीने के पानी की स्कीम

चल रही हें और इन सत्तर स्कीम्ज में ऐलनाबाद भी भाामिल है ? क्या यह सत्य हैं कि ऐलनाबाद वाटर वर्क्स बन रहा था और वहां पर सामान पडा हुआ था लेकिन उस सामान को वहां से उठवा कर किसी दूसरी जगह भिजवा दिया गया है ?

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, मैं वहां गया था। वहां पर जमीन का झगडा है। ये लोग वहां पर जमीन नहीं देना चाहते हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मंगल सैनः क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इन्होंने रोहतक में दरबार लगाया था और वहां के लोगों ने इनके सामने पीने के पानी की समस्या रखी थी क्या उस समस्या को मुख्य मंत्री महोदय हल करने के लिए तैयार हैं क्या वहां पर वाटर वर्क्स बनाने के लिए सरकार तैयार है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि मैं रोहतक गया था और वहां पर डाक्टर साहब ने और वहां के के लोगों ने पानी के बारे में चर्चा की थी। श्री0एस0एस0चौधरी जो हमारे लोकल सैल्फ गवर्नमैंट मिनिस्टर साहब हैं कई बार वहां पर गये हैं और मौके पर जाकर देखा है। वहां पर कुछ काम स्टार्ट किया है जो कि जारी है। कुछ पैसा भी दिया है। अध्यक्ष महोदय, मैंने वहां पर एक बात कही थी कि जब अगली बरसात भाुरू होगी तो रोहतक में पानी खडा नहीं होने देंगे। दूसरा यहां पर पीने के पानी के बारे में चर्चा की गयी हे। पीने का पाली

लोंगो की आव यकता के अनुसार ठीक ही दिया जा रहा है। वाटर टैंक तो बहुत बडे बनाये गये थे लेकिन आबादी के लिहाज से वे अब छोटे पडते हैं। जो पाइप लाईन बिछाई गई थी। वह भाायद कुछ छोटी है उसको बदलने के बारे में कुछ सोच विचार कर रहे हैं अगर सारी पाइप लाइैंन को बदला जाएगा तो लोगों को एक दम बडी दिक्कत का सामना करना पडेंगा। इसके लिये बाकायदा दो मीटिंगे की गई हैं। वैसे मैं इनको बताना चाहता हूं कि रोहतक जिले में 107 गांवों में पीने के पानी की योजनाओं पर काम चल रहा है।

श्री सागर राम गुप्ताः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या सरकार के पास भिवानी वाटर सप्लाई की ऐक्सटैं ान के लिए लगभग सवा करोड रूपये की कोई स्कीम आयी हुई है यदि हां तो सरकार कब तक स्कीम को कार्यान्वित करवाने की कोि ा ा करेगी ? उस पर कब काम चालू हो जाएगा ?

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, भिवानी के मुताल्लिक मैं बता देता हूं कि वहां पर पहले ही काफी काम हो चुका है और अब जब से चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी आये हैं, वह जहां पर मुझे कुछ काम वगैरह के लिये कहते हैं, मैं करवा देता हूं लेकिन गुप्ता जी आज तक कभी मुझे नहीं बताया कि फलां काम होना है।

श्री सागर राम गुप्ताः स्पीकर साहब, मेरा सवाल था कि भिवानी में सवा करोड की जो वाटर सप्लाई की स्कीम थी उसका क्या फेट है ?

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, स्कीमें तो हमारे बहुत हैं। गुप्ता जी मेरे कमरी में आ जाएं मैं उन्हें बता दूंगा। भिवानी के लिये अलग से नोटिस देंगे तो हम बता देंगे।

श्री अध्यक्षः यह प्र न सारे हरियाणा से ताल्लुक रखता है। आप यह बताएं कि आपके पास इस तरह की कोई स्कीम विचाराधीन है ?

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, यह सवा चौधरी साहब से संबंधित है। वे ही इस प्र न का उत्तर दे देंगे।

स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (श्री ए0सी0 चौधरी): स्पीकर साहब, अर्बन एरियाज वाटर सप्लाई और सीवरेज का मामला मेरे विभाग से संबंधित है। सरकार के पास ऐसी कुछ स्कीमें रूकी पडी थीं और इसमें हमारी भी मजबूरी थी क्योंकि एल0आई0सी0 की तरफ से सरकार को लोन देने के लिये कुछ भार्तें लगा रखी थीं। बम्बई जाने के बाद अब यह दिक्कत दूर हुई है। भारत सरकार की तरफ से हरियाणा प्रदे ा को इन स्कीमेां के लिए कुल 86 लाख रूपये स्वीकृत किये गये थे लेकिन हमने हिम्मत से इसके अगेन्सट 2 करोड 33 लाख 75 हजार रूपये लिये हैं। इसकी सेन्क ान भी आ चुकी हैं। पुरानी स्कीमें क्लीयर हो गई है। जहां तक भिवानी

की स्कीमज का प्र न है अगले वित्त वर्श में एल0वाई0सी0 वगैरह से लोन लेने के बाद भिवानी की इस स्कीम को कार्यान्वित कर दिया जायेगा।

श्री भले रामः अध्यक्ष महोदय, जब वाटर सप्लाई की स्कीमें बनाई गई थी उस समय आबादी को ध्यान में रखकर बनाई गई थी और अब आबादी दुगनी होने की वजह से उस समय बनाये वाटर टै।क्स लोगों की आव यकता को पूरा नहीं कर पाते। क्या यह सरकार के विचार में ऐसी कोई स्कीमें हैं कि जो छोटे टैक्स हैं उनको बडा कर दिया जाए ताकि पीने के पानी की आव यकताओं को पूरा किया जा सके।

चौधरी लाल सिंहः जैसे जैसे हमारे नोटिस में बातें आती जाएंगी वैसे वैसे सरकार लोगों को सहूलियतें प्रदान करती जाएगी और कर भी रही है।

चौधरी धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मिनिस्टर साहब ने बताया कि लोगों को पांच फैक्टर को ध्यान में रखते हुये पीने के पानी की सप्लाई दी जा रही है। लेकिन भाडसा, मूंडाखेडा, लोट, केखाना, नगरपुर में लोगों को पानी की बडी दिक्कत हो रही है। चौधरी देवी लाल जी के वक्त में यहां टयूबवैल्ज लगाये गये थे लेकन अब दुर्भाग्यव ा पिछले तीन सालों से इन गांवों के कुंओं वगैरह का पानी खारा हा गया है और औरतों को दूर दूर से पानी लेने के लिये जाना पडता है। क्या सरकार इन गांवों को भी अपने

पांच फैक्टर्ज के अुनसार पीने के पानी की सुविधा प्रदान करैंगी क्योंकि ये सभी गांव सरकार की नीति के अधीन आते हैं। फिर सरकार इस्माईलपुर के साथ जहां का पानी मेाटा है इन गांवों को कनैक ान जोड दे ताकि लोगों को वहां से आसानी से पानी मिल सके।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, बहन बसन्ती जी ने सारे हरियाणा से संबंतिधत यह सवाल पूछा है और हसनगढ के बारे में भी पूछा है। इस वक्त हमारे पास अलग अलग ब्यौरा नहीं है। मैंने पहले बता दिया है कि रोहतक में 107 गांवों में काम चल रहा है। जहां तक भिवानी का संबंध है, वहां पर टोटल 468 विलेजिज हैं, उनमें से 304 विलेजिज को पीने के पानी की सुविधाएं दी जा चुकी हैं। कुल 39 स्कीमों पर काम चल रहा है। गांव और भाहरों को कोई अलग बात नहीं है।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः मैं मुख्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जैसे गांव के अंदर पीने के पानी की काफी समस्याएं हैं, गांव और भाहरों के अंदर किस रे ाो से, किस क्रायटेरिया के तहत पानी सप्लाई किया जाता है ? कई जगहों पर डिसक्रिमिने ान है ऐसा क्यों है ?

चौधरी भजन लालः हर जग पर पानी आव यकता के अनुसार दिया जाता है लेकिन भाहरों में चूंकि लोगों की आबादी ज्यादा है लोग काफी आते जाते हैं किसान मंडियों में अपनी

जिन्स बेचने के लिए आते हैं इन बातों को मद्देनजर रखते हुए भाहर में कुछ ज्यादा और गांवों में आव यकता को पूरा करने के लिये पानी की सप्लाई की जाती है। दूसरी बात यह भी है कि जब यह वाटर सप्लाई की स्कीमें बनायी गयी थी उस समय गांव की आबादी को देखते हुए छोटे टैंक बनाये गये थे कि लेकिन अब गांवों की आबादी दु गुनी हो गयी है। जिन गांवों की आबादी दुगुनी हो गयी है, वहां पर सरकार भरसक प्रयत्न कर रही है कि डबल टैंकस बना दिये जायें ताकि लोगों की आव यकता को मीट किया जा सके।

श्री रो ान लाल आर्यः स्पीकर साहब,मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि बिजली न आने की स्थिति में लोगों को वाटर सप्लाई में जो कमी और दिक्कत आती है, उसको मीट करने के लिये सरकार ने क्या उपाय किये हैं ?

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, मैं इस बात की चैंकिंग करवा लूंगा। वैसे इन्होंने आज से पहले कभी मुझे बताया तक नहीं। अगर ये हमारे नोटिस में लाते तो अव य कोई न कोई कार्यवाही करते। ये मुझे मिलते लेकिन इसके बारे में कभी जिक्र नहीं किया।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, आप जरा मिनिस्टर साहब को रोकियो ये हरेक मैम्बर के साथ किस तरह से बात करते हैं। सभी को कहते हैं कि यह मुझे मिला नहीं, मुझे से मिल

ले। इनको जरा बोलने का ढंग सिलखलाईये। He should not become a laughing stock of the House.

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, अगर ये चुनकर आये हैं तो मैं भी चुनकर आया हूं। अगर इनको यहां पर बोलने का हक है तो मुझे भी हर बात कहने का पूरा पूरा अधिकार हैं ये मुझे कैसे रोक सकते हैं ?

श्री अध्यक्षः श्री लाल सिंह, मैं आपसे रिकवेस्ट करूंगा कि इस हाउस के सारे के सारे मैम्बर साहेबान, अपनी अपनी जगह पर रिवपैक्टेबल हैं आप बाइज्जत ढंग से जवाब दें।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, अभी मुख्य मंत्री महोदय ने यह बताया कि भिवानी में कुल 468 गांवों में से 304 गांवों में पीने के पानी की व्यवस्था कर दी गई है। और कुल 39 स्कीमें इन्होंने बताई हैं। जिन पर काम चालू हैं। स्पीकर साहब, 1960–62 में प्रति व्यकित 5 गैलन पानी हिस्से आता था और आज सन 1983 आ गया है। आज जनसंख्या बढने के कारण एक गैलन एक व्यक्ति के हिस्से नहीं आता। क्या सरकार अपनी इस नीति काच रिवाइज करेगी ताकि लोगों को पीने का स्वच्छ व पूरा पानी दिया जा सके।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 10 से 15 गैलन की स्कीम हमने बना रखी है। जहां तक भिवानी का ताल्लुक है मैं आर्य साहब को बताना चाहता हूं कि अगर बाकी स्टेट के मुकाबले

में आप एवरेज लें तो भिवानी के 73 गांवों को पानी दिया गया है क्योंकि हम समझते थे कि वहां पर पानी अच्छा नहीं है। इसी तरह से महेन्द्रगढ़ जिले में भी 80 प्रति ात गांवों को पानी दिया जा चुका है जो कि एक रिकार्ड हैं।

Ration between tht Provincialised and State Government School Tehachers/Clerks for promotion

***178. Sh. Virender Singh:** Will the Minister of State for Education be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the ratio between the State and provincialised cadre Masters for promotion as Headmasters was changed to 1:1 w.e.f. 12-10-79; and

(b) whether the ratio as mentioned in part (a) above is applicable in the case of State and Provincialised cadre clerks for promotion to higher posts, if not, the reasons therefore, ?

Minister of State for Eduation (Sh. Jagdish Nehra):

(a) Yes.

(b) Decision has now been taken to promote Provincialised/State personnel to the post of Head Clerk/Superintendents in the ratio of 1:1 vide orders dated 1-3-83.

Compensation to the Canal Breach Affected Farmers of District Rohtak

***208. Ch. Om Parkash:** Will the Minister for Irrigation & Power Minister:

(a) whether any wide breaches occurred in Jhajjar Sub Branch near village Gochhi and in Jawahar Lal Nehru Canal near village Bishan of District Rohtak on 23-11-82 and in October 1982;

(b) if so, whether the said breaches occurred due to the negligence of the officials of the Irrigation Department.

(c) if the reply to part (a) above be in the affirmative, whether any enquiry has been conducted into the said breaches, if so the details of the findings given in the enquiry report together with the action taken against the officials found responsible for the said breaches; and

(d) whether there is any proposal to pay compensation to the affected farmers/villagers for the loss/damage suffered/caused to their crops, foder, cattle and residential houses due to the breaches referred to in part (a) above ?

Irrigation & Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala):

(a) Yes. A breach occured in Jhajjar Sub Branch at RD 59780-L near village Gochhi on the night of 23-11-82 and in J.L.N. Feeder at RD 2223585-R on 24-10-82 morning.

(b) No.

(c) Yes. In order to ascertain the facts and causes of occurance branch at RD 59.780-L Jhajjar Sub Branch the enquiry was got conducted. The enquiry Committee reported that the breach had occured due to the pilferage of regulating valve aftter test running of the pipe laid buy Public Health Department for providing drinking water supply from village Seria water works to village Bhishan via Gochhi. As a result the water gushed out causing scouring of the bank which ultimately developed into brach. Som damage was caused to an area of 30 to 35 acresa irrigated by Canawls. No action was taken against the oficial as none was found responsible in the occurrance of this breach.

As regards occurrance of breach in J.L.N, Feeder, enquiry has buee conducted and the report is being examined alongwith the suggetions made therein.

(d) In the case of breach in Jhajjarh Sub Branch, there was no loss to the cattle and residential houses due to the occurrance of the breach and thus no compensation is payable to them. As reagards payment of compensation payable in respect of cultivated area damaged by breach, the remission will be given to the irrigators as per Rules and would be depicted in the demand statements of Rabi 1982-83. No. standing crop was damaged as there was none existing.

The proposal for making payment of compensation in respect of breach occured in J.L.N. Feeder the assessment on account of damage to crops and property has been received

from the Civil Authorities and the same is being verified and compensation shall be paid after verification.

चौधरी ओप प्रका ाः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जो झज्जर डिस्ट्रीब्यूटरी के बारे में इंक्वायरी की गई क्या वह कैनाल डिपार्टमैंट के अफसरों ने की थी या बाहर के अफसरों ने की थी ? इस ब्रीच के होने के बाद मैं उस गांव में गया था और मैंने देखा कि 150–200 घरों में पानी आ गया था। मैं यह समझता हूं कि यह रिपोर्ट बिल्कुल वायस्ड हैं यह रिपोर्ट अफसरों को बचाने के लिए दी गई है।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, यह इंक्वायरी दो अफसरों ने की है। एक का नाम एम0एस0 भार्मा है और दूसरे का नाम महेन्द्र प्रताप है। इन्होंने इन्क्वायरी करके बताया कि वाटर सप्लाई का जो पाईप था उसका वाल्व किसी ने निकाल दिया था और उसकी जगह लकडी का गुटका फंसा दिया। पानी का प्रै ार आने की वजह से लडकी का गुटका निकल गया और ब्रीच हो गयां

चौधरी ओम प्रका ाः एम0एस0 भार्मा क्योंकि डब्ल्यू जे0सी0 का एक्सीयन है और उसी नहर से ताल्लुक रखता है। इसलिए अपने आपको बचाने के लिए वह खुद इन्क्वायरी अफसर बन गया। इससे जाहिर होता है कि यह रिपोर्ट बिल्कुल वायस्ड है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, ये इन्क्वायरी अफसर एस0ई0 ने मुकर्रर किये थे वे खुद अप्वायटिड नहीं थे। फिर भी अगर मेरे दोस्त कोई फैक्ट बताएंगे तो सरकार उस पर अब भी विचार करने के लिये तैयार है।

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि यह जो इस नहर में दरार पडी। यह कर्मचारियों की क्रिमिनल नैगलीजैंस की वजह से हुई या घटिया माल लगाने की वजह से हुई है ? क्या इस मामले की दोबारा इन्क्वायरी करवा कर दोशियों के खिलाफ एक ान लेंगे ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले ही बता दिया है कि वाटर सप्लाई के पाइप का वाल्व टूटा हुआ था और मिटटी बहने की वजह से कैनाल ब्रीच हो गई थी। उस दिन इस चैनल का लास्ट डे था और उसी वक्त पानी बंद कर दिया था। केवल 35 एकड फसल में पानी गया और किसी प्रकार को नुकसान नहीं हुआ। जो जमीन को नुकसान हुआ उसको मुआवजा वगैरह देने के बारे में फाइनल फिग्गर इकट्ठी की जा रही है।

श्री अध्यक्षः एक बात मैं आपको कह सकता हूं कि जहां तक उस एस0ई0 का ताल्लुक है वह अफसरों को इग्नोर करके इलाके का ज्यादा हितैशी है। वह थारोली आनैस्ट मैन है।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः क्या मंत्री महोदय बतायेंगें कि जो फसलें इस वजह से खराब हुई हैं उनका कम्पनसै ान किता देंगे ?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, जो 35 एकड फसल खराब हुई सिर्फ उसी में पानी गया था बाकी पानी गांव के तालाब में गया जिसको किसानों ने इस्तेमाल भी किया। उस 35 एकड फसल के लिए आबियाना और लैंड रेवेन्यू वगैरह माफ कर दिया जाएगा। जहां तक उसका कम्पनसै ान देने की बात है वह फाइनल फिग्गर्ज आने पर बतायेंगे।

चौधरी ओम प्रका ाः मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या यह सही है कि जे0एल0एन0 कैनाल को बनाते समय उसमें सब स्टैंडर्ड मैटिरियल यूज किया गया था जिसकी वजह से वहां सीपेज है और किसानों की भूमि उससे खराब हो चुकी है ? जो ब्रीच हुई है उसका कारण सीपेज ही हैं गांव के लोगों ने अथोरिटीज को पहले ही बता दिया था कि यह वीक प्वायंट है। उसके बाद भी कैनाल अथोरिटीज ने कोई ध्यान क्यों नहीं दिया ?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः जो जे0एल0एन0 कैनाल और दूसरी नहर की सीपेज है, वह मैंने तीन चार महीने पहले देखी। उसके बारे मैंने डिपार्टमैंट कै अफसरों से बात की। इसके बारे में पग उठाने के लिए एक नोट तैयार किया गया है।

इसी महीने की 17 तारीख को मैंने अपने कमरे में मीटिंग बुलाई है। हम पूरा पूरा प्रयत्न करेंगे कि किसी तरह से यह सीपेज बंद हो जाए।

चौधरी ओम प्रका ाः मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि सीपेज को परमानैंट तौर पर रोकने के लिए कब तक काम मुकम्मल हो जाएगा और कब तक यह काम भाुरू किया जायेगा।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः जब इस बारे में कोई फैसला हो जाएगा तभी मुकम्मल करेंगे। हमने मीटिंग बुलाई है। भाायद एक मीटिंग की बजाये कई मीटिगें बुलानी पडे। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि जिन के इलाकों में यह नहर गुजरती है हम उनके प्रतिनिधियों को भी बुलाएंगे और तब फैसला करेंगे।

Mr. Speaker: Quetion Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये

तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Declaration of Hissar as 'A' Class City

***191. Sh. Inder Singh Nain:** Will the Minister for Finance be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Government to declare the city of Hissar as 'A' class ?

Finance Minister (Ch. Katar Singh Chhokar): Yes. The proposal to decalare Hissar as an 'A' class city is under the active consideration of Government. I expect to make an announcement in this regard during the current session itself. City Compensatory Allowance at the rate of 5% of pay subject to the maximum of rs. 50/- per month is already being given to employees stateioned at Hissar. Dearness allowance is given to all Government employees, irrespective of their station of posint and is uniformly applicable all over Haryana Rates of Daily Allowance is uniform applicable all over Haryana Rates of Daily allowance is uniforma throughout the State bujt higher rates are available for certain places outside the State.

Realisation of Passengers Tax on Hissar-Bhadra route

***183 Prof. Sampat Singh:** Will the Minister for Transport be pleased to state-

(a) the number of Kilometeres allotted to the private buses on Hissar- Bhadra route and the month wise amount of passengers tax realised form them during the period from April 1982 to December 31, 1982; and

(b) the amount of passengers tax paid by the Haryana Roadways buses on tehe same number of Kilometres on the same route and during the same period as referred to in part (a) above ?

Transport Minister (Col. Rao Ram Singh):

(a) A statement at Annexrue I is laid on the Table of the House.

(b) A statement at Annexure II is laid on the Table of the House.

ANNEXURE – I

Haryana has not allotted any kilometerage for private buses on Hissar-Bhadra route. However, kilometearage allotted to privated buses on the route by Rajasthan authorities is as under :-

(i)	Hissar-Bhadra via Adampur	640 Kms. per day
(ii)	Hissar-Bhadra via Balsamand	448 Kms. per day
	Total	1088 Kms. per day

Tax realised from private buses monthwise is as under :-		
Sr. No.	Name of Month	Passenger tax realised Rs.
1	April 1982	5820.00
2	May 1982	9540.00
3	Jun 1982	13230.00
4	July 1982	6410.00
5	August 1982	16640.00
6	September 1982	9400.00
7	October 1982	11980.00
8	November 1982	18940.00
9	December 1982	1060.00
	Total	93020.00

ANNEXUER –II

As against 1088 Kilometres per day alloted to priave buses of Rajasthan in Haryan, Haryana Roadways buses operated 896 kilometers per day. The total Kilometeres operated during the period from Arpil 1982 to December 1982 by Haryana Roadways was 290.908 kilometres and a sum of Rs. 465015.65 was deposited by Haryana Roadways on account of passenger tax as per datails below :-

Sr. No.	Month	Kms. Operated on Hissar Bhadra via Adampur	Kms. Operated on Hissar Bhadra via Balsamand	Total Kms. Operated	Passenger tax deposited
1	April 1982	24395	10064	34459	48279.90
2	May 1982	19932	9588	29520	49610.40
3	Jun 1982	24144	7888	32032	71485.00
4	July 1982	25526	8500	34026	57517.20
5	August 1982	26736	7548	34284	56858.90
6	September 1982	16966	7718	24684	33426.10

7	October 1982	25349	7888	33237	44448.00
8	November 1982	26882	7072	33954	51159.60
9	December 1982	27640	7072	34712	52230.55
	Total	217570	73338	290908	465015.65

Panchayat Land in the Jurisdication of Municipal Committee, Sonepat

***230. Sh. Deve Dass:** Will the Minister for Local Government be pleased to state-

(a) the year in which Panchayat shamlat deh land of Garhi Bhrahna and Jamalpura Khurd came into the Jurisdication of Municiapl Committ's Sonepat together with the acreage of the said land'

(b) the datail of the names of perosns who are in possession of said land in the records of Municiap Commitees, Sonepat together with the acreage thereof and the exact location thereof;

(c) whether the land referred to part (a) above has been sold on the cost price to the persons having possession therof together with the name of the said persons alongwith the area of land sold to them;

(d) whether the said land has been duly registered in favour of those persons who have paid the price thereof to the Municiapl Committee; if so, the names of such persons together with the names of those persons in whose favour the land has not so far been registered; and

(e) the nams of persons to whom the land of the said Panchayats who sold in an open acution together with the area thereof aand the rates at which it was sold alongwith the area of Panchayat land left with the Municiapl Committee, Sonepat at present ?

स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (श्री ए0सी0 चौधरी):

(क) 1977.213 एकड 3 कनाल 10 मरला।

(ख) सूची जो अनुबंध पर है, सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

(ग) नहीं अनुबंध पर सूची क्रम संख्या 579 से 583 तक 5 केसों के सिवाए।

(ड.) भूमि अनुबंध पर सूची के क्रम संख्या 584 से 621 तक द ार्ाए गए व्यक्तियों को भूमि खुली बोली में बेची गई है। इस समय नगरपालिका के पास 156 एकड 13 मरला क्षेत्र रह गया है। क्षेत्र गांव कामन भूमि है।

अनुबन्ध

भाग 1

नगरपालिका, सोनीपत की कथित भूमि पर जो व्यक्ति काब्ज हैं, उनके नाम तथा क्षेत्र का ब्यौरा द ार्ाते हुए स्टेटमैंट

क्रमांक	लैसी का नाम	एरिया
1	बालकि ान	55
2	कवलां राम	170
3	हेम राज	86
4	रेगु राम	72
5	गेलु राम	90
6	भाान्ति देवी	105
7	नन्दी बाई	142
8	झांवर दास	131
9	मनु लाल	28
10	बि ाना राम	28
11	खु ाी राम	74

12	दयाल चंद	22
13	मोहन लाल	177
14	साहब राम	75
15	सुरेन्द्र कुमार	308
16	रवी कानत	147
17	सतनारायण	199
18	मूली देवी	73
19	कृश्ण कुमार	182
20	कंवर सिंह	446
21	धर्म सिंह	147
22	सुरता राम	146
23	सूरत	147
24	ई वर सिंह	303
25	हरी सिंह	125
26	हरी सिंह	100

27	अमीर सिंह	64
28	प्यारा राम	45
29	भीम सिंह	59
30	लखमी चंद	300
31	जय नारायण	794
32	उदय सिंह	312
33	बास देव	221
34	कि ान लाल	465
35	कि ान अग्रवाल	327
36	अनूप सिंह	311
37	रेमल दास	76
38	बिहारी राम	29
39	ज्ञान चंद	76
40	टिकाया राम	25
41	मनोहर लाल	48

42	धर्मपाल	86
43	हरी चंद	13
44	राम लाल	90
45	तारो बाई	90
46	भलो राम	105
47	औम प्रका ा	43
48	आसू राम	71
49	देवराज	131
50	टिकन दास	67
51	ई वर दास	24
52	लक्ष्मण दास	45
53	नयामता राम	32
54	चेला राम	35
55	थाऊ राम	216
56	घन याम दास	65

57	जैसा राम	74
58	ई वर चंद	65
59	देवराज	24
60	लूधा राम	8
61	खेम चंद	1
62	राम कि ान	16
63	राम चंद	3
64	श्री राम चंद	32
65	राम दिवाया	57
66	हुक्म चंद	61
67	भयाम सुन्दर	91
68	घुमन राम	55
69	आत्मा राम	47
70	हेम राज	58
71	चानन दास	40

72	पृथ्वी	89
73	सरधानंद	146
74	भगवानी बाई	123
75	कृश्णा देवी	47
76	प्रेम राम	74
77	गंगाधर	13
78	झांवर दास	35
79	मनभरी	69
80	जबंदी	7
81	कि ान चंद	35
82	उधा राम	14
83	सिरी चंद	90
84	चन्द्र सिंह	87
85	टिलो बाई	41
86	रेमल दास	68

87	जगदी ा चंद्र	202
88	भोज दत्त	122
89	टेका राम	91
90	हरी सिंह	118
91	दिवान सिंह	127
92	राम कि ान	127
93	राम कि ान	114
94	भगवान दास	45
95	केवल राम	156
96	बिहारी लाल	301
97	चौथू राम	216
98	घन याम दास	73
99	तोता राम	87
100	ठाकुर दास	124
101	छतर सिंह	200

102	रतन सिंह	200
103	नेत राम	85
104	मनोहर लाल	185
105	धर्म सिंह	81
106	प्रेम सिंह	201
107	लक्षमन दास	219
108	फकीरचंद	200
109	सुखबीर	400
110	मुं ी राम	200
111	ि ावधान	230
112	कैला ा चन्द	230
113	जगदीस	267
114	ओम	400
115	सरला देवी	147
116	सजन पाल	467

117	ओमप्रका ा	200
118	सीमा देवी	100
119	टिका राम	100
120	सरवती देवी	253
121	दीवान सिंह	253
122	चेत राम	229
123	कि ान लाल	200
124	रे ामी	200
125	धर्मपाल	200
126	जयनारायण	200
127	लखमी चंद	200
128	सतनारायण	200
129	ि ाखर चंद	200
130	राम भज	200
131	प्रेम चंद	200

132	राम कुमार	200
133	जैन देवी	200
134	सुंदर दास	100
135	राम चंद	170
136	सुबे सिंह	200
137	छतर सिंह	400
138	बरफी देवी	155
139	रो ान लाल	155
140	खु ाहाल सिंह	169
141	राजेन्द्र सिंह	194
142	अ ाोक कुमार	165
143	राम कि ान	393
144	ठाकुर दास	108
145	भगवान दास	116
146	परमो देवी	120

147	गंगा देवी	200
148	जसवंत राम	400
149	जनक राम	200
150	मांगे राम	200
151	चन्द्र	200
152	नंद कि ाोर	200
153	भागीरथ लाल	200
154	नंद लाल	200
155	महासुख	200
156	नंद राम	474
157	साहब सिंह	200
158	ई वर सिंह	200
159	प्रीतम लाल	200
160	कृश्ण सिंह	200
161	जोगे ा मोहन	1454

162	ज्ञानी राम	200
163	मेघ राम	550
164	जगदी ा राय	200
165	सतनारायण	200
166	हरिकि ान	147
167	ज्ञानी देवी	408
168	जगदी ा राज	187
169	सत्या रानी	95
170	भरत सिंह	95
171	ज्ञान देवी	225
172	कैला ावती	150
173	भाांति देवी	96
174	हंस राज	200
175	भाांति देवी	45
176	चंदगी राम	750

177	रसालो	74
178	गंगा राम	318
179	फूल सिंह	560
180	ि ावारिद्र सिंह	162
181	लखपत	1164
182	राम नारायण	390
183	सुखजीत सिंह	1063
184	नारायण दास	164
185	लखपत	188
186	जय सिंह	116
187	बोधू राम	116
188	भूलन	188
189	खेम चन्द	42
190	बेला सिंह	112
191	राममूर्ति	200

192	चन्द्र	196
193	मान सिंह	196
194	पृथी सिंह	196
195	गोकल चंद	196
196	बलवीर	196
197	महिन्द्र सिंह	510
198	भगवान दास	474
199	सुमन सिंह	500
200	कृश्ण कुमार	250
201	चांद राम	522
202	घनना देवी	392
203	बलवीर सिंह	888
204	मांगे राम	200
205	छत्तर सिंह	583
206	सावित्री देवी	174

207	ई वर सिंह	631
208	केदार सिंह	352
209	इन्द्र सिंह	250
210	ओम प्रका ा	299
211	जय सिंह	196
212	जय नारायण	196
213	तारा चंद	196
214	भाोजी लाल	226
215	रामानंद	273
216	परमानंद	308
217	पृथी	200
218	रामनारायण	187
219	होि ायारा	145
220	भरतू	227
221	नंद कि ाोर	404

222	सत्यनारायण	550
223	रामनारायण	872
224	रामे वर दास	862
225	राम रत्न	420
226	नेकी राम	217
227	रमे ा चन्द्र	374
228	सूरज भान	1273
229	हरी ा बल	47
230	हरनाथ	47
231	अतर सिंह	76
232	भाोभा राम	32
233	राम कंवार	30
234	बंसी	30
235	ि ाव कुमार	24
236	भगवान दास	25

237	सूरत	22
238	फतेह सिंह	19
239	जवारा	235
240	बिहारी	195
241	आसा राम	145
242	चंदगी राम	145
243	रत्न	105
244	हरि राम	105
245	भोर सिंह	106
246	धन सिंह	396
247	राम स्वरूप	309
248	नाम कौर	84
249	लाल चंद	84
250	सुजान सिंह	80
251	राम दीन	81

252	कृश्णा देवी	92
253	प्रका ावंती	83
254	दुनी चंद	83
255	रघबीर सिंह	162
256	भाावित्री देवी	200
257	भगतस्वरूप	170
258	महोहर लाल	177
259	हरभगवान	200
260	हरि चंद	207
261	करम सिंह	400
262	हरि चंद	100
263	मुकंद लाल	150
264	रामचंद	163
265	परसा राम	100
266	टेक चंद	225

267	लाजपत	100
268	प्रेम चंद	100
269	खेम चंद	126
270	नथूराम	100
271	चरण	100
272	लोक नाथ	100
273	तारा चंद	100
274	कृश्ण देवी	100
275	राम कृश्ण	100
276	महेंद्र कुमार	100
277	दौलत राम	83
278	भगवान दास	83
279	धर्म चंद	83
280	चन्द्रभान	207
281	दिता राम	83

282	मिलावा राम	83
283	हरभन	322
284	भगवान दास	227
285	महेंद्र कुमार	200
286	कृश्ण चंद	200
287	निर्मला देवी	200
288	कादमा वाली	100
289	हुकम चंद	100
290	चमेली देवी	136
291	नयाज अली	80
292	मोहम्मद भारीफ	125
293	र ाीद अहमद	125
294	बाबू	148
295	महावीर प्रसाद	104
296	राम लाल	83

297	मूल चंद	150
298	कृश्ण चंद	150
299	वधवा राम	200
300	र ाीद अहमद	200
301	खु ाीद	100
302	ब ाीर अहमद	100
303	बलदेव कुमार	100
304	अर्जुन देव	100
305	राम कि ान	200
306	पूर्ण मल	343
307	ज्ञान चंद	145
308	चरंजी लाल	332
309	अमीर चंद	257
310	फकीर चंद	195
311	राम बाई	147

312	मदन लाल	93
313	ओम प्रका ा	74
314	अमी लाल	79
315	लाल	79
316	अवतार सिंह	158
317	सोना देवी	48
318	सेवा राम	200
319	भगत प्रसान	200
320	खु र्शिद	100
321	रहीम दीन	100
322	भौकत अली	100
323	ई वर सिंह	100
324	माया देवी	100
325	कमला देवी	67
326	चन्द्र भान	100

327	पूर्ण मल	100
328	जगधीर मल	95
329	महन्ती	95
330	गंगा दउस	268
331	रत्तीया	268
332	चन्द्र भान	124
333	ज्याति प्रसाद	124
334	कृपा राम	145
335	ओम प्रका ा	165
336	बनवारी लाल	246
337	भयाम लाल	248
338	नथू राम	277
339	रामकौर	115
340	गिलो	107
341	बनी सिंह	125

342	बेनती	125
343	श्री चंद	128
344	ईलम सिंह	63
345	मुं ी राम	63
346	प्रभा	25
347	किताब सिंह	30
348	पालेराम	30
349	रूप चंद	125
350	घीसू	94
351	रघू नाथ	77
352	गोपी राम	125
353	मखीन	125
354	पत राम	125
355	राम किसन	62
356	खमेडू	62

357	हुकम चंद	125
358	पाले राम	125
359	श्री राम	125
360	मकसूद	62
361	सत्य नारायण	125
362	भाम्भू	125
363	जय नारायण	125
364	कां ी राम	125
365	अनारदेवी	125
366	अमृत	125
367	जगदी ा	125
368	हरि सिंह	125
369	रघुवीर	125
370	प्रभु	125
371	कन्हैया लाल	125

372	जग लाल	125
373	राम नारायण	125
374	कां ी राम	125
375	गणपत राम	125
376	मांगे राम	125
377	कली राम	125
378	राम	125
379	बनारसी	125
380	नफे सिंह	125
381	रामधन	125
382	रामकि ान	140
383	रण सिंह	172
384	गणपत राम	205
385	रवि प्रका ा	305
386	राम दिया	150

387	हरि चंद	150
388	मंगल	150
389	वेद प्रका ा	300
390	ठका	150
391	रणधीर	150
392	प्रेम सिंह	133
393	ओम प्रका ा	133
394	दरयाऊ राम	133
395	हजारी	133
396	रसाल सिंह	133
397	प्रका ा	67
398	दलीप सिंह	68
399	भाम्भू दयाल	133
400	पूर्ण मल	233
401	रामेहर	115

402	हरि सिंह	100
403	भगी ा राम	910
404	दीवान सिंह	975
405	रणधीर सिंह	150
406	अलाबेंदा	150
407	चन्द्र भान	150
408	चन्द्र	132
409	साधू	99
410	दीप चंद	98
411	राम कि ान	99
412	दया राम	92
413	भगवानी दास	400
414	रामवती	403
415	जय भगवान	115
416	अमर सिंह	128

417	जगलाल	136
418	बलजीत	150
419	खजाना सिंह	140
420	भगवान दास	140
421	भीम सिंह	128
422	संत राम	140
423	धर्मा	165
424	रत्न	101
425	रघुवीर	444
426	गोविन्द राम	192
427	रामचंद	192
428	मेहर सिंह	144
429	दीप चंद	200
430	अमेद सिंह	200
431	रामफल	100

432	दया नंद	150
433	फुला देवी	55
434	चेतन लाल	81
435	नंदी बाई	50
436	दरयाउ सिंह	50
437	रूप राम	125
438	रती राम	125
439	भयाम लाल	200
440	राम चंद	327
441	मनोहर लाल	327
442	लखी राम	107
443	बाल कृश्ण	166
444	तेजा सिंह	167
445	अभय राम	167
446	गंगा राम	104

447	सूरज भान	56
448	सुरेन्द्र भान	61
449	अमर सिंह	350
450	ओम प्रका ा	16
खेती भूमि 1982–83		
क्रम सं0	नाम	कनाल– मरले
451	श्री ि ाव नाथ सुपुत्र टेक चंद	56.4
452	श्री साभू राम	57.1
भाग 2 **व्यक्तियों के नाम जिन्हें भूमि निर्धारित दरों पर बेची गई**		
क्र0सं0	नाम	वर्ग गज
453	श्री रामे वर दास	161
454	श्री भाांति स्वरूप	139
455	श्री जगत प्रसाद	171
456	श्री जमन दास	148

457	श्रीमती धारिया बाई	86
458	श्री मदन लाल	55
459	श्री कृश्ण चंद	92
460	श्री नारायण दास	113
461	श्रीमती पूनी बाई	54
462	श्री भयाम लाल	61
463	श्री खेम चंद	56
464	श्री न्यामत राम	100
465	श्री धर्मपाल	262
466	श्रीमती कैला ावती	163
467	श्री केसू राम	168
468	श्री राम लाल	106
469	श्री मदन लाल	77
470	श्री मेघ राज	174
471	श्री नानक चंद	170

472	श्री आसानंद	120
473	श्री ई वर दास	59
474	श्री जैसू राम	15
475	श्री जमना राम	50
476	श्री मोहन लाल	86
477	श्री टाकम दास	86
478	श्रीमती सीता बाई	28
479	श्री दयाल सिंह	22
480	श्री मनोहर लाल	107
481	श्री राम चंद	107
482	श्री आत्म प्रका ा	102
483	श्री घन याम दास	161
484	श्री खेम चंद	55
485	श्री गंगा देवी	286
486	श्री बलबीर सिंह	210

487	श्री चन्द्र	114
488	श्री सत्यवीर सिंह	100
489	श्री प्यारा	115
490	श्री मुं ाी राम	60
491	श्री रत्न लाल	300
492	श्री सुरे ा कुमार	64
493	श्री न्यामत राम	39
494	श्री होवना राम	34
495	श्री गुंगु राम	20
496	श्री गोबिन्द दास	70
497	श्री भयाम सुन्द्र	201
498	श्री कुडे राम	97
499	श्री चेला राम	45
500	श्री छबील दास	45
501	श्री राम चंद	61

502	श्री गणपत राय	112
503	श्री कंवर भान	112
504	श्री गोविंद लाल	74
505	श्रीमती बची बाई	64
506	श्री नीतन दास	87
507	श्री राम लाल	21
508	श्रीमती ई ार देवी	29
509	श्री प्रका ा	28
510	श्री कंवल नयन	39
511	श्री पुरूशोत्तम लाल	45
512	श्रीमती भाांति देवी	65
513	श्री मामन लाल	45
514	श्रीमती कैला ा बाई	11
515	श्री मूल चंद	11
516	श्री वि ाना राम	42

517	श्री तखतू राम	28
518	श्री हरि चंद	57
519	श्री जीवन दास	34
520	श्रीमती भाांति बाई	36
521	श्री ठाकुर दास	57
522	श्री सत्यपाल	66
523	श्री ऋशि लाल	34
524	श्री राम लाल	21
525	श्री जसवंत लाल	29
526	श्री घन याम दास	26
527	श्री दुर्गा दास	81
528	श्री भगवान दास	53
529	श्री गोपाल दास	76
530	श्री सुंदर दास	127
531	श्री ई वर सिंह	200

532	श्री राम कंवार	200
533	श्री गोपी राम	400
534	सुन्दर	200
535	खेम चंद	200
536	दुली चंद	200
537	चमेली देवी	200
538	सूबे सिंह	300
539	ओम प्रका ा	50
540	राधे भयाम	297
541	ओम प्रका ा	302
542	विद्यावती	290
543	धनपत	233
544	गोविंद लाल	116
545	भाांति देवी	200
546	ब्रह्म प्रका ा	200

547	जीत सिंह	200
548	महावीर सिंह	226
549	सावित्री देवी	200
550	ठाकुर दास	264
551	ठाकुर दास	288
552	कन्हैया लाल	377
553	खेम चंद	42
554	ओम प्रका ा	196
555	भगवान दास	474
556	महेन्द्र सिंह	382
557	भगवान दास	500
558	सरूप सिंह	678
559	तुलसी राम	75
560	वासदेव	33
561	हरि चंद	45

562	चेतन दास	50
563	प्यारी बाई	59
564	राम चंद	80
565	लाल चंद	167
566	खेमा राम	86
567	मेघा राम	111
568	गणे ा दास	32
569	गोकुल चंद	159
570	मोजा राम	54
571	द्वारका दास	80
572	उत्तमी बाई	109
573	जय भगवान	200
574	ि ाव कुमार	400
575	नेमता राम	560
576	ि ावदित्ता मल	110

577	भगवान दास	200
578	नानू राम	589
व्यक्ति जिनके नाम रजिस्ट्री हो चुकी है।		
579	ि ावा ि ाक्षा सदन, देव नगर	4000 वर्ग गज
580	मालवीय ि ाक्षा सदन, गोहाना रोड	10000 वर्ग गज
581	मै0 बैकसन	4582 वर्ग गज
582	मै0 पाले राम, औम प्रका ा	2790 वर्गमज
583	छन्नी देवी	392 वर्ग गज

भाग–3

व्याक्तियों के नाम जिन्हें खुली बोली पर भूमि बेची गई

क्र0सं0	नाम	एरिया वर्ग गजों में	दर प्रति वर्ग गज (रूपयों में)
584	नारायण दास	100	42
585	कृश्ण	72	49
586	राज बाला	170	36
587	जय भगवान	188	50

588	जय भगवान	188	40
589	ए0डी0 अंसारी	212	46
590	भयाम लाल	112	45
591	बासदेव	53	53
592	नानक चंद	143	35
593	कौ ाल्या देवी	144	36
594	नरे ा चंद	143	34
595	गोविन्द राम	143	35
596	नरे ा चंद	143	52
597	जिले सिंह	143	36
598	सत्य प्रका ा	143	28
599	नरे ा चंद	143	32
600	श्री राम	143	38
601	सफाई कर्मचारी	143	15
602	कृश्ण कुमार	185	55

603	राज बाला	224	48
604	सुखबीर सिंह	193	45
605	भीम सिंह	193	42
606	हंस राज	187	45
607	वीरेन्द्र कुमार	187	45
608	ओम प्रका ा	187	26
609	टी.आर0 बंसल	187	28
610	जगदी ा	187	40
611	जगदी ा	187	62
612	वीरेन्द्र	700	27
613	अनिल कुमार	287	29
614	जगदी ा	630	31
615	तिलक राम	106	105
616	कृश्ण लाल	106	112
617	रामे वर दास	106	105

618	मनोहर लाल	106	91
619	हंस राज	106	101
620	राधे भयाम	106	94
621	सुरे ा कुमार	106	113

जहां तक स्टेटमैंट से वर्णित प्रति एक व्यक्ति के कब्जे में भूमि की ठीक लोके ान का संबंध है। सूचना देने में निहित समय और परिश्रम की तुलना में इससे प्राप्त लाभ कम हो।

Survey for Sinking Tubewells in Rajaund Constituency

***224. Sh. Daya Nand Sharma:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-whether any survey for sinking tubewells in the Rajaund Constituency has ever been conducted by the State MITC; if so, the names of the villages where the said survey was conducted alongwith the action taken for sinking the tubewells ?

Irrigation and Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala): No survey has been conducted by the State MITC for sinking of tubewells in Rajaund Constituency.

Metalled Roads in Khadar Areas of Karnal and Sonepat Districts

***239. Sh. Fateh Chand Vij:** Will the Minister for State for Public (B&R) be pleased to state-

(a) the Constituency number of villages in Khadar areas of Karnal and Sonepat Districts not connected by any metalled road so far; and

(b) whether there is any scheme to construct such roads as mentioned in part (a) with cement concrete slabs; if so, the number of such type of roads Constructed in the said areas during the year 1982-83 (to-date) ?

लोक निर्माण राज्य मंत्री (चौधरी गोवर्धन दास चौहान):

(क) (1) जिला करनाल

इन्द्री विधान सभा = 6 गावं

घरौंडा विधान सभा क्षेत्र = 7 गावं

समालखा विधान सभा क्षेत्र = 3 गांव

(2) जिला सोनीपत

राई विधान सभा क्षेत्र = भून्य

कल्याण विधान सभा क्षेत्र = भून्य

(ख) जी नहीं।

Allotment of Custodian Land to Landless Harijans

***244. Smt. Kartar Devi:** Will the Minister for Rehabilitation be pleased to state-

(a) the number of lanless Harijans to whom the custodian land has been allotted during the period from 1964 to date together with the total area on land in there actual possession alongwith the area of land which stands transferred from them; and

(b) the steps if any taken by the Government to check the said transfers ?

राजस्व मंत्री (चौधरी फूल चन्द):

(ए) तथा (बी) भूमिहीन हरिजनों को कस्टोडियन की भूमि अलाट करने की सरकार की कोई पालिसी नहीं हे तथापि फालतू मतरूका भूमि जो राज्य सरकार द्वारा भारत सरकार से पेकेज डील में खरीदी गई थी, का निपटान का ता काबिजों को जो कि ऐसी भूमि पर खरीफ 1975 से काबिज है। अन्तरण द्वारा किया जाता है। भोश भूमि हरिजनों को सीमित नीलामी द्वारा बेची जाती है। कुल 26191 स्टैंण्र्ड एकड का ता भूमि, 13832 साधारण एकड बंजर भूमि 4128 साधारण एकड गैर मुमकिन भूमि, 20958 हरिजन परिवारों को बेची/अन्तरण की गई।

इस समय यह भार्त लागू है कि कोई अन्तरणी/क्रेता भूमि को 10 वर्श की अवधि तक बेच नहीं सकता। वह रकबा जो कि उन द्वारा अन्तरण किया गया है, उसका उल्लेख करना सम्भव नहीं है।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Rape Cases in the State

***22. Prof. Sampat Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) District wise and monthwise number of cases or rape, registered in Haryana from July, 1977 to January 31, 1983.

(b) the number of cases out of those referred to in part (a) above in which the culprits have been punished and number out of them still untraced ?

Chief Minister (Ch. Bhajan Lal):

(a) & (b) A Statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(a) Denotes no. of rape cases registered

(b) (i) deontoes No. of cases out of those referred to in para (a) in which culpits have been punished.

(ii) denotes No. of cases out of those referred to in part (a) which are still untreed.

District	July			August			September			October			November			December			Total		
	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)
		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)
Ambala	2	1																	2	1	
KKR				2	1		2	1											4	2	1
Karnal				1						1									2	1	

Jind	1						1												2		
Hissar				1			1						2			2			7		
Narnaul																					
Bhiwani	1			2												1			4		1
Sirsa	2			1															4		
Gurgaon	1	1					1												2	1	
Faridabad				2			2	1		1			1			1			6	2	
Rohtak				1			1	1											4	2	
Sonepat																					
Total	8	3		10	1		8	3		2			4			4			37	9	2
1978																					
Distt.	Jan.			Feb.			March			April			May			June					

	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)			
		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)			
Ambala	1	1																			
KKR	1	1		1						1	1		1	1							
Karnal	2			3						1			1	1		2					
Jind																					
Hissar	1			1			1														
Narnaul				2			1														
Bhiwani							2	2		1	1		1	1							
Sirsa													1								
Gurgaon	1	1		1						1											

Faridabad							2			1						1	1				
Rohtak										1											
Sonepat				1			2	1													
Total	6	3		9			8	3		6	2		4	3		3	1				

1978																					
Distt.	July			August			September			October			November			December			Total		
	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)
		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)
Ambala							1												2	1	
KKR							2	1	1	1									7	4	1

Karnal				1												1	1		11	2	
Jind				2	2					1						1			4	2	
Hissar	1			1						1						2			8		
Narnaul																			3		
Bhiwani	1	1		2	1		1									1			9	6	
Sirsa				1															2		
Gurgaon																			3	1	
Faridabad	2						1												7	1	
Rohtak							1	1					1	1		1			4	2	
Sonepat	1															1			5	1	
Total	5	1		7	3		6	2	1	3			1	1		7	1		65	20	1

1979																				
Distt.	Jan.			Feb.			March			April			May			June					
	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)
		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)
Ambala							1									1					
KKR	1			1									1			1					
Karnal							1			1						1					
Jind	2										2										
Hissar	2	1		1			1				2	1									
Narnaul											1										
Bhiwani																1	1				

Sirsa											1		1	1							
Gurgaon							1						1								
Faridabad	1	1		1			2			1			1				1	1			
Rohtak				2	1		6	2									1		1		
Sonepat	1			2	1		2				1		1	1							
Total	7	2		7	2		14	2		1	7	1	5	2			6	2	1		
1979																					
Distt.	July			August			September			October			November			December			Total		
	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)
		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)

Ambala				1			1			3			1						8		
KKR				1		1				1	1								6	1	1
Karnal	2			5	2	1													11	2	1
Jind				1	1		2												5	1	
Hissar				1			1		1	1									9	2	2
Narnaul	1																		2		
Bhiwani	1																		2	1	
Sirsa							1			1	1								4	2	
Gurgaon							1	1					1	1		1			5	2	
Faridabad																			6	2	1
Rohtak				1		1	1	1					1	1		1			13	5	2
Sonepat						1	1												8	3	

Total	4			11	4	3	7	2	1	6	2		3	2		2			79	21	7
1980																					
Distt.	Jan.			Feb.			March			April			May			June					
	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)
		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)
Ambala	1						1	1		1	1		1	1		1					
KKR										2			1			1	1				
Karnal	1			3			2			1			1			1					
Jind													1								
Hissar				1			3			2	1		3								

Narnaul													1								
Bhiwani																1	1				
Sirsa	1	1					3	1					1	1		2	1				
Gurgaon							2			1	1										
Faridabad										1											
Rohtak				1			2														
Sonepat							1	1					1			2	1				
Total	3	1		5			14	3		8	3		10	2		8	4				
1980																					
Distt.	July			August			September			October			November			December			Total		
	(a		(b)	(a		(b)	(a		(b)	(a		(b)	(a		(b)	(a		(b)	(a)		(b)

	)			)			)			)			)			)					
		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)
Ambala	1	1					3	1	1	1			1	1		2	1		13	7	1
KKR				4		1				2	2		1			2	1	1	13	4	2
Karnal				1	1		3						1						14	1	
Jind				1															2		
Hissar							1			2	1								12	2	
Narnaul	1	1		3			1	1		1									7	2	1
Bhiwani	1	1					1												3	2	
Sirsa	1	1					3									1			12	5	
Gurgaon				1															4	1	
Faridaba				1	1		2						2	1					6	2	

d																					
Rohtak																1			4		
Sonepat				1			2	1		1	1								8	4	
Total	4	4		12	2		16	3		7	4		5	2		6	2	1	98	30	4
1981																					
Distt.	Jan.			Feb.			March			April			May			June					
	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)
		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)
Ambala				2			1									1					
KKR				2			2	1					2		1	1					

Karnal										1	1		1								
Jind							1														
Hissar																1					
Narnaul	1	1		1	1					1	1										
Bhiwani				1						1											
Sirsa							3	2													
Gurgaon	2	1					1	1					2								
Faridabad	1			2	1		1			1	1		2	1		2	1				
Rohtak				1	1		1						2								
Sonepat																					
Total	4	2		9	3		10	4		4	3		9	1	1	5	1				
1981																					

Distt.	July			August			September			October			November			December			Total		
	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)
		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)
Ambala	1	1		1						1	1		2						9	2	
KKR	1			1			2			1			2			1		1	15	1	2
Karnal	1			1	1		1												5	2	
Jind				2	1														3	1	
Hissar				1									1						3		1
Narnaul				2	1											1			6	4	
Bhiwani				1	1								1		1				4	1	1

Sirsa				1			1			1									6	2	
Gurgaon																1			6	2	
Faridabad	2						1			1	1					3			16	5	
Rohtak							1												5	1	
Sonepat	1			1	1					1									3	1	
Total	6	1		11	5		6			5	2		6		1	6		1	81	22	4
1982																					
Distt.	Jan.			Feb.			March			April			May			June					
	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)
		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)

Ambala	2			1			1									4					
KKR	1			1	1					2			2								
Karnal	1	1		1			1	1					1								
Jind	1			2			1														
Hissar																					
Narnaul										1	1		1								
Bhiwani				1									1	1		1					
Sirsa							1	1		1	1		1								
Gurgaon	1			1			1						1			1					
Faridabad	1			1									5			1					
Rohtak																					
Sonepat							1														

Total	7	1		8	1		6	2		4	2		12			7					
1982																					
Distt.	July			August			Septembe r			October			November			December			Total		
	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)	(a)		(b)
		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)		(i)	(ii)
Ambala	2			1			1			2			1			2			16		
KKR	2			2		1	2			2			2			1			17		2
Karnal	2	1		2			3									1			12	4	
Jind				2						1						1			7		
Hissar	1									1									4		

Narnaul	1						1												4	1	
Bhiwani							1						2						5	1	
Sirsa				1			1												6	2	
Gurgaon																			4		
Faridabad	2						4			1			1						16		
Rohtak	1												2						4		
Sonepat				2			1						1			1			6		
Total	11	1		10		1	14			7			9			6			101	8	2
January 1983																					
Distt.	January			Total																	
	(a		(b)	(a		(b)															

	)			)																	
		(i)	(ii)		(i)	(ii)															
Ambala	1			1																	
KKR	1			1																	
Karnal																					
Jind	1			1																	
Hissar	3			3																	
Narnaul	1			1																	
Bhiwani	1			1																	
Sirsa																					
Gurgaon																					
Faridaba																					

d																					
Rohtak	1			1																	
Sonepat	2			2																	
Total	11			11																	

Bus Stand at Sirsa

23. Prof. Sampat Singh: Will the Minister for Tranport be pleased to state-the purpose for which the land at present being used as bus stand at Sirsa, is likely to be utilized after the bus stand at the new site is completed ?

Transport Minister (Col. Rao Ram Singh): No decision has been taken so far.

Recrutiment of Constable in Hissar District

24. Prof. Sampat Singh: Will the Chief Minister be pleased to state-whether it is a fact that as per notification of the Government the recrutiment of Constables in Hissar District was to be made on 26-8-82 but it was actually done on 20-8-82; if so, the reasons therefore ?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): यह गलत है कि सिर्फ हिसार जिले की ही सिपाहियों की भर्ती की तिथि 26.8.82 से 20. 8.82 तबदील की गई थी। वास्तव में सभी जिला मुख्यालयों पर सिपाहियों की भर्ती की तिथि 26/27 अगस्त नियत की गई थी जो कि सभी जिलों के लिए 20/21 अगस्त 1982 के लिए प्र ाासकीय कारणों से बदली दी गई थी।

Adhoc Teachers and Master Shiv Prashad:

25. Prof. Sampat Singh: Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) the number of school Teachers and master working on adhoc basis in Haryana at present; and

(b) the time by which the services of the teachers and masters referred to in part (a) above are likely to be regularised ?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):

(क) हरियाणा ि ाक्षा विभाग के विद्यालयों में तदर्थ आधार पर कार्यरत अध्यापकों तथा मास्टरों की 31.1.83 की स्थिति अनुसार कुल संख्या 7824 है।

(ख) इस समय सरकार के सम्मुख ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

(1) बिजली के बिलों को बढा चढाकर चार्ज करने संबंधी

श्री वीरेन्द्र सिहः स्पीकर साहब, मैंने 28 तारीख को एक काल अटैन ान मो ान का नोटिस दिया था। मेरा नोटिस यह था कि गांव बाद ााहपुर, बास अकबरपुर, बास अजाम ााहपुर, बासखुर्द, बढछप्पर, मोहला, पुटठी तथा बडाला गांवों के बिजली के बिल इन फ्लेटिड आए हैं। मैंने अपने काल अटैन ान मो ान

के नोटिस के साथ तीन चार बिजली के बिल भी टैग किए हैं। पिछले महीने तक थ्रू आउट ईयर 15 रूपये का बिल बिजली का बिल आता रहा है लेकिन इस बार 15 रूपये की बजाये 1100 रूपये का बिल बिजली बोर्ड ने भेजा है। लोगों की ि ाकायत पर उन गांवों में जब बिजली बोर्ड का विजीलैंस आफिसर गया तो वहां का एस0डी0ओ0 बहुत नाराज हो गया और नाराज होकर उसने सारे गांव के लोगों के बिजली के कनैक ान काट दिए। अब यदि कोइ एक रूपया भी बिल का देता है वह सैटिसफाई हो जाता है और कनैक ान दे देता है। आपने मेरा यह काल अटैन ान मो ान का नोटिस एडमिट किया है या नहीं ?

श्री अध्यक्षः वह मेरे अंडर कंसिड्रेसन है। मैं उस पर अपना फैसला करके आपके पास जवाब भेज दूंगा।

(2) गांव मुणसर के समीप ट्रैक्टर के जलेन से अन्र्ग्रस्त घटना संबंधी

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैंने भी एक काल अटैन ान मो ान का नोटिस दिया था कि चौधरी हुकम सिंह एम0एल0ए0 के भाई ने अपने रि तेदार राम चंद्र जो कि ग्राम ढाणी फोगाट का रहने वाला है। उसका ट्रैक्टर जला दिया। राम चंद्र ग्राम ढाणी फोगाट 3 या 4 तारीख के बीच मातणहेल गांव में अपनी रि तेदारी में गया हुआ था और वह वहां से अपने रि तेदारों का गंवार अपने ट्रैक्टर में लाद कर कौसली मण्डी में

बेचने के लिए जा रहा था लेकिन चौधरी हुकम सिंह एम0एल0ए0 का भाई रिवाल्वर की नोक पर वह सारा गवार अपने ट्रक में लाद कर ले गया और उसका ट्रैक्टर वहीं जला दिया। इन्होंने वहां पर बहुत ..... मचा रखी है। (ोम भोम की आवाजें) इस बारे में वहां पर 62 गांवों की पंचायत भी हुई है। आपने मेरा वह नोटिस एडमिट किया है या नहीं ? (ाोर)

श्री अध्यक्षः गुण्डागर्दी भाब्द अनपार्लियामैंटरी है यह एक्सपंज कर दिया जाएं

बहन जी वह आपने मेरे आफिस में दिया होगा। अभी तक मेरे पास नहीं पहुंचा हे। जब भी मेरे पास आ जाएगा मैं उस पर अपना फैसला करके आपके पास जवाब भिजवा दूंगा।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैंने अपनी काल अटैन ान मो ान का नोटिस आपके आफिस में समय पर दे दिया था।

श्री अध्यक्षः आपने समय पर दे दिया होगा और वह एग्जामिन हो रहा होगा, अभी तक मेरे पास नहीं पहुंचा है। जिस समय मेरे पास आ जाएगा मैं उस बारे में फैसला करके आपके पास जवाब भिजवा दूंगां।

चौधरी हुकम सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। बहन चन्द्रावती ने जो 62 गांवों की पंचायत के बारे में कहा है। मैं इस बारे में यह कहना चाहता हूं कि सालहावास मेरा

हल्का है वहां पर कहीं भी 62 गांवों की पंचायत नहीं हुई और न ही किसी प्रकार को कोई वाका हुआ है। बहन जी ने जो यह कहा है कि वहां पर चौधरी हुकम सिंह के भाई ने ट्रैक्टर जला दिया और सारा गंवार लेकर चले गऐ, ऐसी कोई बात नहीं हुई है।

(3) महिला आश्रम करनाल में रह रहे बंगला दे ा के भारणार्थियों की

मांगों संबंधी

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, करनाल में एक महिला आश्रम है जिसमें बंगला दे ा की भारणार्थी महिलाएं रहती हैं। उन्होंने करनाल डी0सी0 की कोठी के सामने धरना दिया हुआ हैं और वे कहती हैं कि हमें पहले 50 रूपये माहवार मिलते थे। इस रा ि ा को बढा कर 100 रूपया किया जाए। इसके अलावा स्पीकर साहब, जिस आश्रम में वे रहती हैं उस आश्रम के कमरे बारि ा में टनकते हैं। वे महिलाएं आपसे भी मिली होंगी। स्पीकर साहब, उनके साथ बहुत ज्यादती हा रही है। मैंने इस बारे में एक काल अटै न ान मो ान का नोटिस दिया हुआ है। आपने उस पर क्या फैसला दिया है ?

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, आपका नोटिस मेरे पास अभी तक पहुंचा नहीं हैं जब मेरे पास आ जाएगा मैं उस पर अपना फैसला दूंगा।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, मेरा भी एक काल अटैन्शन मोशन का नोटिस था। सारे हरियाणा में खास कर भिवानी जिले में बहुत भारी ओलावृश्टि हुई है, आपने उस नोटिस पर क्या फैसला किया है ?

श्री अध्यक्ष: वह मैं कंसीडर कर रहा हूं। आपके पास जवाब भेज दिया जाएगा।

श्री साहब सिंह सैनी: स्पीकर साहब, मैंने भी एक काल अटैन्शन मोशन का नोटिस दिया था क्या आपने वह एडमिट कर लिया है ?

श्री अध्यक्ष: वह मेरे अंडर कंसीड्रेशन है।

(4) नहरों पर लगे मोघों के साइज संबंधी

प्रो0 सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, मैंने भी एक काल अटैन्शन मोशन का नोटिस दिया था। जो नहरे पक्की की गई हैं और उन पर जो मोघे लगाए गए हैं। या तो उनका साइज बहुत छोटा कर दिया गया है या बहुत ऊंचाई पर लगा दिए गए हैं जिसके कारण किसानों को पहले की बजाये तीसरे हिस्से का भी पानी नहीं मिलता है। क्या आपने मेरा काल अटैन्शन मोशन का नोटिस एडमिट कर लिया है ?

श्री अध्यक्ष: वह मैंने डिस अलाऊ कर दिया है और उसका जवाब आपके पास भेज दिया है।

ध्यानाकर्शण सूचना–

सूखे तथा ओलावृश्टि के कारण हुई हानि के लिए मुआवजा देने संबंधी।

श्री रामबिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मैंने भी एक काल अटैन्न ान मो ान का नोटिस दिया था। महेन्द्रगढ़ जिले में और उसके आस पास बहुत भारी ओलावृश्टि हुई है उसके बारे में आपने क्या फैसला लिया है ?

स्पीकर साहब, आप उसे एडमिट करने की कृपा करें ताकि वहां के लोगों को राहत मिल सके।

श्री अध्यक्ष: आप बैठिए, मैं उन्हीं पर आ रहा हूं। आनरेबल मैम्बर साहब निहाल सिंह, श्री हीरा नन्द आर्य और श्री रामबिलास भार्मा एम0एल0एज0 की ओर से तीन काल अटैन्न ान मो ान के नोटिसिज प्राप्त हुए हैं। मैं इन्हें मंजूर करता हूं। राव निहाल सिंह अपना नोटिस पढ दें और मंत्री जी अगर इसका जवाब देना चाहें तो दे दें।

Sh. Nihal Singh: I want to bring to the notice of this August House a very urgent and public importance matter that in the villages of Nangal Chaudhary Block. Teh. Narnaul, District Mohindergarh on due to heave hail torms. Due to short supply of electricity and unfavourable weather the crops were not already in good form. In spite of this calamity the

land Revenues have not been remitted till now. There is great re entment in the people of whole Narnaul Tehsisl. The Comensation should be given to the affected farmers immediately.

I, therefore, call the attention of this August House towards this matter of urgent public importance and request the Chief Ministter to give compensation to the affected farmers and land Revenue be remitted.

Sh. Hira Nand Arya: I want to draw the attention of this August House towards the matter of public importance that the people are passing through the critical conditions on account of continuous drought in the various parts of the State. The situation in the drought in the various part of the State. The situation in the drought affected District of Bhiwani and Mohindergarh and in other sandy areas has become more critical and the lives of the people have become difficult. It has become impossible to have cattle whihch is the main sourd of the livelihood of such areas. therefore, in such circumstances, Government may take immediate steps to chek the hunger, unemployment among the people and information this House about the action taken and relief given in this regard.

Sh. Hira Nand Arya: I want to draw the attention of this House towards it is matter of public importance that the corps of farmers have been damaged in various part os the State including various villages of District Bhiwani i.e. village Alampur, Kural etc. due to hailstorms. therefore, the Government may inform the House immediately after taking steps in this regard.

Sh. Ram Bilas Sharma: Mr. Speaker, Sir, through this calling attention Motion. I want to draw the attention of the Government towa4ds a matter of urgent public importance and welfare. On 24.1.1983 in District Mohindergarh and adjoining areas farmers have seffered great loss due to hailstorems. Parts of Sehlang, Akoda, Nautana, Pota Syana and Basai and Kheri Talvana of Mohindergarh Tehsil are badly effected. For the last four years on account of being foodgain. No relief work has been started there so far. The people are worried. I request the Govt. to make a statement and clarify its position and make an announcement for providing relief work and compensation in this area. For the protection of cattle particular arrangements for fodder be made.

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, इसका जवाब कल दें देंगें।

प्वायंट आफ आर्डर –

(1) सीटिंग अरैंजमैंट को बदलने संबंधी

श्री कंवल सिहः स्पीकर साहब, हमने अपनी हमारी पार्टी के सीटिंग अरैंजमैंट के कारे में आपको लिख कर निवेदन किया था। आज तीसरा दिन है। अभी तक इसका फैसला नहीं हुआ है।

श्री अध्यक्षः आज मैं उस पर अपना फैसला दे दूंगा।

श्री निहाल सिंहः स्पीकर साहब, सीटिंगब अरैंजमैंट के बारे में मैं भी आपसे एक अर्ज करना चाहता हूं। स्पीकर साहब, वैसे तो मेरी सीट फस्ट रो में है लेकिन इस सीट की पोजि ान पांचवी रो से भी पीछे है।। इसलिए मेरी आपसे दरख्वास्त है कि मुझे कोई दूसरी सीट आगे की तरफ दी जाए। स्पीकर साहब, इन सभी मैम्बर्ज में चौधरी देवी लाल जी के बाद सीनियर्टी में मेरा दूसरा नम्बर है। इसलिए मेरी सीट यहां से बदल कर आगे अलाट की जाये।

श्री अध्यक्षः राव साहब मैं इस को एग्जामिन करूंगा।

(2) ऐंटी डिफैंक ान (हरियाणा) बिल के अस्वीकार करने संबंधी

श्रीमती चन्द्रावतीः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, मैंने ऐन्टी डिपैक ान हरियाणा बिल का एज ए प्राइवैट मैंम्बर नोटिस दिया था। मैंने वह बिल 29.12.1982 को दिया था और उसके बारेम में मुझे जवाब भी कनवे किया गया है कि वह एडमिट नहीं हुआ है। लेकिन मेरे पास जो जवाब आा है उसमें बिल देने की जो तारीखी लिखी गई हैं वह 29.2.1983 लिखी हुई है जब कि मैंने वह बिल आपके आफिस में 29.12.1982 को भेज दिया था।

श्री अध्यक्षः बहन जी उसमें कोई कलैरिकल मिस्टेक हो गई होगी वैसे भी फरवरी का महीना 29 दिन का नहीं था

बल्कि 28 दिन का था। लेकिन इसमें कलैरीकल मिस्टेक हुई है, वह मैं मानता हूं कि गलती हुई है।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, वह बिल मैंने ही दिया था ओर उस पर मेरे ही साइन थे। वह बलि मैंने आपके आपिफस में 29.12.82 को दे दिया था। इतने दिन पहले देने के बाद आज मुझे उस बारे में इतलाह दी गई है कि वह बिल एडमिट नहीं किया गया है। स्पीकर साहब, वह बिल तो आपके एडमिट करना चाहिए था। आज हरियाणा को एम0एल0एज0 ऐसे हैं जो कभी किसी पार्टी में चले जाते हैं कभी किसी पार्टी में चले जाते हैं। ऐसे बिल को तो आप एडमिट करते। (ाोर)

श्री अध्यक्षः बहन जी मैंने वह डि अलाऊ कर दिया है और विदन रीजन्स आपके पास उसका जवाब भेज दिया हैं यह असैम्बली की जुरि ाडिक ान में नहीं आता। डिफैक ान का बिल तो पार्लियामैंट की जुरि ाडिक ान में आता है। इसके अलावा उसके साथ रीप्रजैटे ान आफ पीपल्ज एक्ट भी जुडा है। इस बिल को पास करने से रीप्रैजेन्टे ान आफ पीपल्ज एक्ट को भी चेंज करना पडेगा।

Shrimati Chandravati: Witthou changig the Representation of Peoples Act, we can pass an anti-defection Bill here in the Assembly.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरी एक सबमि ान है कि पब्लिक लाईफ को प्यौर रखने के लिए और पालिटिक्स को

कलीन रखने के लिए हम चाहते हैं कि इस हाउस में एक रैजोल्यू ान पास किया जा सकता है और वह रैजोल्यू ान गवर्नमैंट आफ इंडिया को रिकमैंड किया जा सकता है। यह ऐन्टी डिफैक ान बिल गवर्नमैंट आफ इंडिया को रिकमैंड किया जा सकता है। आप जम्मू एंड क मीर में देखें उन्होंने अपने यहां एक्ट बनाया हुआ है और इसी प्रकार से तामिलनाडु में भी एक्ट बना हुआ है। स्पीकर साहब, जम्मू एंड क मीर और तमिलनाडु भी हिन्दुस्तान का ही हिस्सा हें और हरियाणा भी उन जैसी स्टेट है। इसलिए मेरी आपसे सबमि ान है कि आप इस बारे में अपनी रूलिग दें ताकि हम इस बिल को गवर्नमैंट आफ इंडिया को रिकमैंड कर सकें

श्री वीरेन्द्र सिहः स्पीकर साहब, मेरी आपसे गुजारि ा है कि बे ाक आप अलग अलग पार्टियों के ग्रुप नेताओं को अपने चैम्बर में बुला लें और डिसकस कर लें पार्टी के नेताओं को अपने चैम्बर में बुलाने तक इस संबंध में आप अपनी रूलिंग रिजर्व रख लें।

We can advance very elucidative arguments in favour of this Bill.

श्री अध्यक्षः ठीक है।

मेज पर रखे गए/पुनः रखे गये कागज पत्र

श्री अध्यक्षः अब एक मिनिस्टर साहब हाउस की टेबल पर कागज पत्र रखेंगे/पुनः रखेंगे।

Irrigation & Power Minister (Ch. Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to lay on the Table the Annual Report on the working of the Haryana Public Service Commission for the year 1979-80, as required under Article 323(2) of the Constitution of India.

Sirs, I also beg to relay on the Table-

(i) The General Administration Department (General Services) Haryana Notification No. G.S.R. 42/Const./Art. 320/Amd (1)/82, dated the 18th March, 1982 ragarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) First Amendment Regulation 1982 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

(ii) The Genearl AAdminisstration Department (General Services) Haryana, Notification No. G.S.R. 50/Const./Art. 320/Amd(2)/82, dated the 5th April, 1982 regarding the Haryana Public Service Commission (Limitatation of Functions) Second Amendment Regulations, 1982, as required under Article 320(5) of the Constitution of Inida.

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। हमारे एक एम0एल0ए0 को पीटा गया था। हमने उस संबंध में प्रिवीलेज मो ान के लिए रिकवैस्ट की हुई है। (ाोर) यदि ऐसा ही होता रहा तो उन लोगों की और हिम्मत बढेंगी।

कल तो इन्होंने एक विधायक को भाामली छोडा है। यदि ये इसी तरह करते रहे तो कल को किसी विधायक को तमिलनाडु छोड आयेंगे। आप हमारे मो ान को प्रिवलेज कमेटी के पास भेज दें। जिन अफसरों की गलती है या जिनके इ ाारे पर ऐसा किया गया है, उनको सजा मिलनी चाहिए। (ाोर)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, जब आपने एक बार रूलिंग दे दी है तो फिर वे उस पर दुबारा कैसे बोल सकते हैं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप पेपर ले करना जारी रखें।

Ch. Shamsher Singh Surjewal: Sir, I also beg to relay on the Taboe th Genral Administration Department (General Services) Haryana Notification No. G.S.R. 72/Const./Art. 320/Amd. (3)/82, dated the 15th June, 1982 regarding the Haryana Public Service Commission (Limiatation of Functions) Third Amandement Regulation, 1982 as required under Article 320 (5) of the Constitution of India.

सरकारी संकल्प –

नई दिल्ली में हो रहें सातवें गुट निरपेक्ष सम्मेलन संबंधी

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, मैं प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं– कि यह सदन नई दिल्ली मे ंहो रहे

सातवें गुट निरपेक्ष सम्मेलन में 101 माननीय राश्ट्राध्यक्षों और अन्य गणमान्य प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत और अभिनन्दन करता है।

यह दे ा के लिये गर्व की बात है कि हमारी प्रधान मंत्री, श्रीमती इंदिरा गांधी को सर्व सम्मति से इस गुट निरपेक्ष सम्मेलन का अध्यक्ष चुना गया है। हर भारतीय को इस सम्मान पर गर्व है। यह सदन श्रीमती इन्दिरा गांधी को हार्दिक बधाई देता है।

हमारे ऐतिहासिक दे ा की भाान्ति और सदभाव की महान परम्परा रही है। हम ने सदा भाान्ति, समृद्धि और प्रेम का रास्ता अपनाया है। हमारे जीवन काल में ही महात्मा गांधी भाांति के मसीहा बन कर आये। स्वतंत्र भार के पहले प्रधान मंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जन्मदाताओं में से एक थे। इसलिए ऐसे उच्चकोटि के सम्मेलन का नई दिल्ली में आयोजन उपयुक्त है।

यह सदन वि वास व्यक्त करता है कि इस गुट निरपेक्ष सम्मेलन में भाग ले रहे राश्ट्रों के बीच भाति तथा आपसी आर्थिक सहयोग का नया युग प्रारम्भ होगां

Mr. Speaker: Motion moved-

That this House extends its heartiest welcome and most warm greeeting ..... (Interruption

श्री मंगल सैनः पहले आप हमारी बात तो सुन लें। (ाोर)

श्री बलबीर सिंह ग्रेवालः .....

श्री अध्यक्षः मेरी इजाजत के बगैर जो बोला जा रहा है वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, पहले आप हमारी बात को ध्यान से सुन लें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः पहले मुझे इस रोज्यालू ान को मूव कर लेने दीजिये।

Motion moved-

This House extends its hearties welcome and most warm greetings to the galaxy of distinguished Heads of States and other esteemed delegates from 101 countires whor are participating in the Seventh Non aligned Meet at New Delhi.

It is a matter of great honour for the country that our Prime Minister, Smt. Indira Gandhi has been unanimously chosen as the Chairman of the Non aligned Meet. Every Indian has reason to feel pourd at htis great honour which has been bestowed on our country. This House conveys its heartiest congrutulations to Smt. Indira Gandhi.

Our ancient land has a great tradition of peace and amity. We have constantly followed a path of peace, prospertiy and goodwill for all. In our own times, Mahatma Gandhi was one of the greatest apostles of peace. Independent India's first Prime Minister, Pt. Jawaharlal Nehru was one of the founding

fathers of the Non-aligned Movement. It is only befitting that this great assembly ashould take place in New Delhi.

It is the fervent hope of this House that the Non aligned Meet will usher an era of peace and greater economic cooperation amongst the participating countries.

Hon. Member I have recieved notices of amendments to this resolution, from Sarvshri Mangal Sein and Ram Bilas Sharma, which will be deemed to have been read and moved together with but will be put to vote separetaly; at the conclusion of the discussion.

1. Sh. Mangal Sein: That the last sentence of paragraph 2 of the resolution namely. "this House conveys its heartiest congrutulations to Smt. India Gandh" be deleted.

2. Sh. Ram Bilas Sharma: That the last sentence of paragraph 2 of the resolution namely. "this House conveys its heartiest congrutulations to Smt. India Gandh" be substituted by "This House conveys its hearties congratulations to the people of India."

श्रीमती चन्द्रावती (बाढडा): स्पीकर साहब, मुझे बडा ताज्जुक हो रहा है कि अभी सातवां गुट निरपेक्ष सम्मेलन खत्म भी नहीं हुआ है और उससे पहले ही मुख्य मंत्री अपने नंबर बनाने के लिए उनका स्वागत कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष: आप सब माननीय सदस्यों से मेरी रिकवैस्अ है कि आप इस मो ान पर ठीक ढंग से विचार खें। यह किसी एक पार्टी का मामला नहीं है। यह मामला सारे दे ा का है।

सारे दे ा को ध्यान में रखते हुए ही आप अपनी बात कहें ताकि कल को हम यह महसूस न करें कि हम क्या कर रहे थे। यह सारे दे ा का मामला है। आप तो वैसे भी बहुत सयाने हैं। (व्यवधान)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, बहुत अच्छा होता यदि आप इस बारे में सबसे राय ले लेते। यह कोई तरीका नहीं है। कि हमें अपनी बात कहने का अधिकार न इहो। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैं आपसे रिकवैस्ट करूंगा कि आप सब भाांत हो जाएं।

श्री **हरि चन्द हुड्डाः** ये तो यहां पर अपने लीडर की बात कर रहे हैं। दे ा की बात तो कर ही नहीं रहे। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः हुडडा साहब आप बैठ जाएं।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, चाहे हम बे ाक विरोधी पार्टी के हों लेकिन हमें भी खु ाी होती है जब हमारे दे ा के प्रधान मंत्री की सारे संसार में प्र ांसा होती है। ऐसी बात पर हम सभी को बहुत खु ाी होती। मैं एक बात और बताना चाहती हूं कि पिछले दिनों एि ायन गेम्ज पर अरबों रूपया खर्च कया गया है जबकि हमारे यहां लागों को पीने के पानी की भी सुविधा नहीं है। लाखों नौजवान रोजगार न मिलने की वजह से आत्म हत्या कर रहे हैं। असम के अंदर क्या हो रहा है। घर की समस्या तो सुलझाई नहीं जाती। इसी प्रकार से पंजाब में और नागालैंड में भी स्थिति ठीक नहीं है। वहां पर भी रोजाना झगडे

हो रहे हैं वहां समस्याओं को सुलझाया नहीं जाता। स्पीकर साहब, गांवों में कहा जाता है – 'घर छा तो बाहर भी छा'। अगर घर में छाछ होगी तो बाहर भी छाछ मिलेगी, अगर घर में छाछ नहीं होगी तो बाहर कोई न्हीं पूछेगा। आज हमारा विदे ाों में कोई पोटें ि ायल नहीं हैं हम हर जगह बैंगिंग बाउल बने फिर रहे हैं। हमने कोई बैक नहीं छोडा, कोई संस्था नहीं छोडी जिससे हमने कर्जा न लिया हो। लोग बाहर कहते हैं कि हिन्दुस्तान के गरीब लोग हैं, उनके लिए पैसा भेजो, उनको मदद करो। आज कोई भी इन्टरनै ानल और अन्तर्दे ाीय बैंक और संस्था नहीं है। जिससे हिन्दुस्तान ने कर्जा न लिया हो, सबसिडी न ली हो। जहां ऐसी स्थिति हो वहां ये किस बात की भाान मारते हैं कि हमने नान अलाईन्ड मीटिंग की है। हिन्दुस्तान किसी चीज की अगुआई करता है, किस चीज के लिए करता है, क्या भाांति के लिए ? आज योरूप, अमेरीका, रूस में इस बात की गहरी चिन्ता है कि ये भयानक हथियार बना रहे हैं। इन हथियारों की ट्रायल एि ायाइ दे ाों में की जाती है। चाहे वीयतनाम हो, चाहे हिन्दुस्तान हो पाकिस्तान का आपी युद्ध हो, इन लडाइयों में भी इन्हीं ताकों का हाथ था और अब भी इन हथियारों एक्सपैंरिमैंट करने का इरादा रखते हैं। ईरान और ईराक में भी इन्हीं हथियारों का इस्तेमाल हो रहा है। आप देखें, अफगानिस्तान किसी जमाने में हिन्दुस्तान का अंग था लेकिन वहां आज भी रूस के हथियारों का एक्सपैरीमैंट हो रहा है। मैं आपसे पूछना चाहती हूं कि क्या इन्हीं बातों को देखते हुए इन लोगों को हिन्दुस्तान में आने का निमन्त्राण दिया है

? इसमे कुद उन लोगों को भी निमन्त्राण दिया है जिनका इससे कोई संबंध नहीं है। यह इंटरनै ानल चीज है इसको पार्लियामैंट हाउस में डिस्कस किया जा सकता था लेकिन हरियाणा की असैम्बली इसके लिए प्रौपर फौरम नहीं हे। अगर आपने प्रधान मंत्री की कांग्रेचुलेट करना ही था तो पार्टी मीटिंग में कांग्रेचुलेट कर देते, असैम्बली का फोरम इस काम के लिए नहीं है, यह आपने गलत फोरम चुना है, इस बात को कहने के लिए मैं बाध्य हूं। जब आप अपने घर की भाान्ति नहीं रख सकते तो सारी दुनियां की भाान्ति कैसे रख सकते हो ? आप देखें आसाम में क्या हो रहा है, बडौदा और मेरठ में क्या हो रहा है, जहां ऐसी स्थिति हो तो भाान्ति की बात आप कैसे कर सकते हैं ? जो आदमी अपने घर में लीडर नहीं बन सकता वह दूसरे मुल्क मकें कैसे बन सकता है ? दूसरे मुल्क तो इज्जत ही नहीं करते, अगर हम एि ायाड का इतना बडा तमा ाा न करते तो हम सोच लेते कि नाम अलाईनमैंट की कोई बात नहीं। एि ायाड में एक एक होटल को रैनोवेट करने में लिए, री डैकोरेट करने के लिए लाखों रूपया खर्चा गया। आज हम गरीब लोगों की भलाई की बात करते हैं लेकिन इसके दूसरी तरफ हमासरे बडे आदमी इतने हाई स्टैंडर्ड से रहते हैं जितने अमीर से अमीर दे ा के लोग भी नहीं रहते। हमारे ब्यूरोक्रैटस और मिनिस्टर्ज इतने पैसे खर्च करते हैं जो किसी भी अमीर मुलक के हुकमरात और ब्यरोक्रैटस खर्च नहीं कर पाते। मैं समझती हूं कि हमें ऐसी बात आगे बढाकर नहीं कहनी चाहिए लेकिन इस फजूलखर्ची की निन्दा करते हैं। जिस पैसे से आप देश

में बांध बना सकते थे जिससे नौजवानों को रोजगार दिया जा सकता है जिससे सडकें बन सकती थी जिससे बढिया कोटर्स बन सकती हैं उसको इस तरह से खर्च नहीं करना चाहिए। ऐसी कोई बात नहीं हुई है हम यह कि तमा ो लोगों के सामने रखने हैं लोगों के कंस्ट्रक्टिव काम नहीं करने हैं। चाहे एि ायाड तमा ाा हो चाहे नान अलाईनमैंट का तमा ाा हो। इन्हीं तमा ाों पर खर्च करना है और कुछ नहीं करना। हम इस मो ान के खिलाफ हैं, मैं इसका विरोध करती हूं।

श्री मंगल सैन (रोहतक): अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी नम्बर बनाने में तेज हैं लेकिन इनसे आगे श्री दरबारा सिंह जी निकल गये। गुट निरपेक्ष राश्ट्रों का सम्मेलन होने जा रहा है इन्होंने सोचा कि दरबारा सिंह जी नम्बर बनाने वालों में आगे होंगे और ये पीछे आखिरी लाईन में होंगें। हम रात को ही आ ाा कर रहे थे कि सुबह यह प्रस्ताव आने वाला है और वह आ गया लेकिन हरियाणा विधान सभा इसके लिए प्रौपर फौरम नहीं है और यह भी स्पश्अ है कि हम भी इसके लिए तैयार नहीं हैं इस प्रस्ताव के लिए यह प्रौपर फौरम नहीं है जहां पर इन सारी बातों की चर्चा की जा सके। गुट निरपेक्ष राश्ट्रों का जो सम्मेलन होने जा रहा है, क्या यह निरपेक्ष है, तटस्थ है या न्यूटल है। अगर गहराई से सोचा जाए तो यही पता लगता है कि यह एक तमा ाा है जैसा कि मेरी बहिन जी ने कहा है। यह वाकई ही एक सीरियस बात हैं। संसार में हमें किसी भी दे ा के साथ उसका पिछलग्गू

नहीं बनना चाहि। न अमेरिका का बनना चाहिए और न रूस का बनना चाहिए। इन दोनों दे ाों का सिस्टम आफ लाईफ हम से बिल्कुल अलग है। दोनों ही विस्तारवादी हैं। अमेरिका आर्थिक विस्तार के आधार पर दूसरे राश्ट्रों को काबू कर रहा है उपनिवे ा बनाता है और कालोनियां बनाता है और एि ाया पर अग्रैसिव होकर उसको अग्रैस कर रहा है। इसके लिए अफगानिस्तान का उदाहरण आपके सामने है। अफगानिस्तान के प्राईम मिनिस्टर को जो कि गुट निरपेक्ष राश्ट्र है, इस सम्मेलन में बुलाया गया है, इससे बढकर मजाक और क्या हो सकता हैं यह भी एक न्यूटल कंट्री है जारे रूस की दया पर रहता है। वास्तव में यह गुट निरपेक्ष राश्ट्र नहीं है। इस सम्मेलन में रूसवादी राश्ट्र इकटठे हो रहे हैं। यह ठीक बात है कि भारत भाान्तिप्रिय दे ा है। भारत के पहले प्रधान मंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू भाान्तिप्रिय व्यक्ति थे। इन्होंने चीन के प्रधान मंत्री श्री च्युएन लाई के साथ सफेद रंग के कबूतर भी उडाये थे लेकिन चीन ने जब चाहा, हमारी धरती को दबोच लिया। हमारे ऊपर आक्रमण करके हमारी धरती छीन ली और वह जमीन आज तक खाली नहीं की। हम बडे वावले थे कहते थे हिन्दी चीनी भाई भाई लेकिन चीन ने अपने भाई के पेट में छुरा घोंप दिया। इसी चीन ने मैंने ता ा की एजेंसी में मोटे अक्षरों में लिखा हुआ पढा। भारत सरकार को गुट निरपेक्ष राश्ट्रों का सम्मेलन में निमंत्राण देने के लिए बधाई दी है। और सराहना की गई है। श्री जवाहर लाल नेहरू ने उस वक्त रूस में कहा था कि मैंने भाईचारे का हाथ बढाया था लेकिन उसने मेरी पीठ पर

छुरा घोंपा है, मेरे साथ दगा किया है। उस वक्त रि ाया ने कहा था कि मैं मजबूर हूं, मैं कोई सहायता नहीं कर सकता क्योंकि तुम मेरे दोस्तो हो और वह मेरा भाई है इसलिए मैं तुम्हारी सहायता नहीं कर सकता। यह उसने पुलिटिकल आइडियोलौजी के कारण किया और भारत की मदद नहीं कीं। भारत की मदद पर और राश्ट्र आये थे लेकिन रि ाया नहीं आया था। यह ठीक है अन्तर्राश्ट्रीय सम्मेलन में भारत के प्रतिनिधि को सम्मेलन का अध्यक्ष बनाया गया है, यह सम्मान की बात है,एक इज्जत की बात है लेकिन यह देखना चाहिए कि सम्मेलन में जो राश्ट्र इकटठे हो रहे हैं वे सीरियस हैं या नहीं। मैं इसमें भांका करता हूं। इसके अतिरिक्त इसमें प्राईम मिनिस्टर को बधाई देने वाली कोई बात ही नहीं। वह तो भारत की प्रधान मंत्री हैं और by virtue of Prime Minister of the Country she has been made the Chairman of this conference, Sir. चौधरी भजन लाल जी स्वयं मिलकर उसकी खु ाामद कर लें आपकी पार्टी लीडर हैं लेकिन हम को इसमें भाामिल न करें क्योंकि हमारा इनसे आईडियालौजिकल डिफ्रैंस हे। वे सारे दे ा की प्रधान मंत्री हैं लेकिन जहां तक सियासत का ताल्लुक है दे ा को चलाने का ताल्लुक है उस पर हम डीपली डिफर करते हैं और लोकतंत्र में डिफर किया भी जा सकता है। इसलिए स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि इस प्रस्ताव को लोने की कोई जरूरत नहीं थी। खाहमखाह ही इस प्रस्ताव को यहां पर लाये हैं हिन्दी का एक लफज है चाटुकारितां यह तो चाटुकारिता करने वाली बात है, खु ाामद

करने वाली बात है। हमारी प्रधान मंत्री को इस प्रस्ताव की क्या जरूरत है ? वे तो खुद ही बहुत बडी हैं, 68 करोड लोगों की प्रधान मंत्री हैं। विधान सभा में प्रस्ताव पास होने से कोई खास बात होने वाली नहीं है। मुझे तो ऐसा लगता है कि सारे दे ा में सोचने का ढंग बिल्कुल गडबडा गया है, लोगों ने अपने दिमाग का तवाजन खो दिया है और इसकी कोई मर्यादा होनी चाहिए।

स्पीकर साहब, बिलकुल सीरियसली कहना चाहता हूं कि बडे आदमियों द्वारा डाली गई प्रथाओं की हमें इज्जत करनी चाहिए मगर हमें उन सीमओां तक जाना चाहिए जिन तक आने वाली पीढियों ने अमल करना है। कहीं वे यह न सोचें कि हमारे बुजुर्गों ने गलत काम किया है। मैंने अमैंडमैंट दी है, पैरा दो के अंत में ये जो वाक्य लिखा है कि "सदन श्रीमती इंदिरा गांधी को हार्दिक बधाई देता है", को प्रस्ताव से हटाया जाये। बाकी ठीक है हमारा दे ा भाान्तिप्रिय है, भाान्ति में हम वि वास रखते हैं। हमारे दे ा के नेता महात्मा गांधी भाान्तिप्रिय और अहिंसावादी व्यक्ति थे। आपको पता होगा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू को चीन के हमले से बडा भारी सदमा लगा था और आखिरी आयु में तो उन्हें पैरेलिसिज भी हो गया था।

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौंद): स्पीकर साहब, डा0 मंगल सैन जी ने बहुत ठीक फरमाया है कि इस रैज्योलू ान को लाने का कोई औचित्य नहीं है। मैं इस बात का समर्थन करता हूं कि यह रैज्योलू ान आना ही नाहीं चाहिए। रैज्योलू ान के बारे में

हमारे रूल्ज आफ प्रोसीजर की किताब में रूल 171 की प्रोवाइजी बडी साफ है, जिस पर लिखा है–

"Provided that the Speaker, with the consent of the Minister to whose department the reolution relatesm may allow to be entered on the list of business with shorter notice than fifteen days."

रूल यह है कि पन्द्रह दिन का कलियर कट नोटिस रैज्योलू ान का होना चाहिए लेनि उसे भी स्पीकर साहब, अलाऊ कर सकते हैं। गवर्नमैंट की तरफ से जो रैज्योलू ान आये that must be entered on the list of business of the day. मैंने सारी बिजनैस को पढा है लेकिन इस रैज्योलू ान के बारे में कहीं भी नहीं लिखा है और न ही यह रैज्योलू ान बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में आया है। बिजनैस एडवाइजरी कमेटी के मैम्बरों को भी नहीं बुलाया गया कि हम ऐसा रैज्योलू ान लाना चाहते हैं। आज इस रैज्योलू ान पर एक या डेढ घंटा लगेगा और यह वैस्टेज आफ टाईम है। हमारा जो टाईम लगेगा उसकी पूर्ति किस प्रकार से होगी। जब गवर्नर एड्रैस पर बहस हो रही हो तो कोई भी रैज्योलू ान नहीं आ सकता।

इस रैज्योलू ान के बारे में बहिन चन्द्रावती और डा0 मंगल नै ने ठीक कहा है कि कल पंजाब वालों ने जब इस किस्म का रैज्योलू ान पास करवा दिया तो हमारे मुख्य मंत्री जी को रात को नींद नहीं आयी कि पंजाब वाले ने तो पास करवा दिया और

हम रह गये। पंजाब वालों को देख कर ये भी रैज्योलू ान ले आये। वैसे तो इनके पास बडा भारी नुक्सा है जिसके कारण ये काबू में आने वाले नहीं है। स्पीकर साहब, हम इस रैज्योलू ान में भागीदार नहीं बनना चाहते। हम केवल इस हद तक भागीदार बनना चाहते हैं कि हमारे दे ा में जो मेहमान आये हैं उनका आदर करें। हमारी यह पुरानी संस्कृति है कि आये हुए मेहमानों का आदर और सम्मान करें लेकिन ये लोग तो समझते हैं कि इन्दिरा गांधी ने सम्मेलन करके बडा भारी मोर्चा मारा है। इस सम्मेलन पर सौ करोड यपया खर्च करना पडेगा। स्पीकर साहब, कोई भी दे ा इतना बडा खर्च उठाने के लिए तैयार नहीं है। जो आये हुए डैलीगेटस को रहने के लिए बढिया सूटस दिये गयेह हैं, उनमें कई किस्म की विस्की सप्लाई की गई हैं। उन लोगों के लिए विस्की के कमरे भरे पडे हैं। थोडी सी भी बोतल कम हो जाती है तो दूसरी सप्लाई कर दी जाती है। इतना बे इन्ताह खर्च किया जा रहा है जिसे हम बरदास्त नहीं कर सकते। अभी पिछले दिनों मैं पर चांस राज्य सभा की गैलरी में बैठा हुआ था। राज्य सभा में प्रणव मुकर्जी ने माना है कि पचास परसैंट लोग बिली पावर्टी लाहन रह रहे हैं। आज के दिन हिन्दुस्तान में पचास परसैंट लोग भूखे पेट सोते हैं। और जहां ऐसे हालात हों वहां इस किस्म की फिजूलखर्ची भाोभा नहीं देती। डा0 मंगल सैन जी ने जो अमैंडमैंट मूब की हे, मैं उसका ताइद करता हूं और जो अमैंडमैंट दी है उसे पास करके इस रैज्योलू ान को भेजा जाये।

प्राईम मिनिस्टिर को जो फतवा दिया जा रहा है, उसे डिलीट किया जाये और बाकी रैज्योलू ान को पास किया जाये।

स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (श्री ए0सी0 चौधरी): स्पीकर साहब, बहन चन्द्रावती ने कोई रैफरैंस दिया था कि फौरन पावर यानि जो बिग पावर्ज हैं, वे अपने बैपंज का एक्सपैंरीमैंट करने के लिए एि ाया में और खासकर हमारे दे ा भारत और पाकिस्तान में देते हैं। उन्हौंने पाकिस्तान और भारत के युद्ध का हवाला देते हुए ये लफज कहें। मेरा ख्याल है कि वे कहना नहीं चाहती थी कि हिन्दुस्तान और पाकिस्तान में दोनों लडाइयों में बिग पावर्ज ने अपने एक्सपैंरीमैंट किए हैं। (ाोर) मैं जो भी कह रहा हूं उसमें यही है कि आप यह कह कर हिन्दुस्तान का अपमान कर रहे हैं कि हिन्दुस्तान में भी उनके हथियारों का इस्तेमाल हुआ। वह गलत बात है। हिन्दुस्तान की बजाये पाकिस्तान के दोनों अटैकों का जिक्र किया जाये तो अच्छा है। वहां पर बाहर के हथियार इस्तेमाल हुए हैं। इन लफजों को कुरैक्ट करने के लिए मैं खडा हुआ था।

श्रीमती चन्द्रावती: इसमें तो कोई ऐसी बात नहीं थी। हम दूसरे दे ाों से हथियार खरीदते हैं।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, मुझे माननीय सदस्य, के भाशण को सुन कर इतनी हैरानी हुई है और अफसोस होता है कि इन्हें अपने दे ा से कोई प्रेम और हमदर्दी नहीं है।

आप जानते हैं यह दे ा के लिए कोई छोटी बात नहीं हुई है। अध्यक्ष महोदय, आज से पंद्रह बीस साल पहले बाहर के मुल्क हिन्दुस्तान को कितना पिछडा हुआ समझते थे और आज कितना एडवांस समझते हैं। यह हमारे लिए फख्र की बात है। आज के दिन बाहर के मुल्कों की हिन्दुस्तान में बडी भारी श्रद्धा हैं अध्यक्ष महोदय, इस सम्मेलन से हिन्दुस्तान की मान मर्यादा सारे संसाद में बढी है। इस बात का अन्दाजा लगाना अपोजी ान के बस की बात नहीं है। इन्होंने कह दिया कि अगर इस सम्मेलन पर सौ करोड रूपया खर्च होगा तो गरीबों का क्या हाल होगा। इन्हें पता होना चाहिए कि इस सम्मेलन का मकसद की यह है कि जो आपस की लडाई है जो हथियारौं की होड लगी हुई हैं। उस होड को खत्म किया जाये और लोगों में सदभावना पैदा की जाये। सारे संसाद में ऐसा वातावरण पैदा किया जाये जिसे आपसी तनाव कम हो आपस में दे ाों के झगडे कम हो ताकि संसार भाान्ति की लहर में चल सके। इस बात को ध्यान में रखते हुए बाहर के दे ाों का सम्मेलन बुलाने का फैसला किया गया। सभी 101 दे ाों ने हमारे राश्ट्र की प्रधान मंत्री को अध्यक्ष चुन कर हिन्दुस्तान का नाम ऊंचा किया जिसकी कहीं भी मिसाल नहीं मिल सकती।

आज सभी साथियों को यह चाहिए था कि सर्व सम्मति से इस बात की ताईद करते बजाये इस बात के कि आलोचना करें। क्या यह कोई आलोचना करने की बात है ? यह हिन्दुस्तान के लिए फख्र की बात हुई है, इस बात को हरेक भारतवासी

महसूस करता है और हरेक दे ावासी जानता है। कम से कम आप इस बात को महसूस करने और समझने की कोि ा ा करें। अगर थोडा सा गहराई में जाएंगें तो आप खुद महसूस करेगे कि हिन्दुस्तान का इससे कितना बडा नाम ऊंचा हुआ है। इस नान एलांइड मीट के ऊपर आपके नेता श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने भी खुद कहा है कि हिन्दुस्तान एक बहुत महान दे ाा है। लोक दल के श्री एस0एन0 मिश्रा जी ने और दूसरे सब लोगौं ने इस बात की भारी ताईद की है। हमारे काफी मैम्बर्ज पुराने हैं। बहन चन्द्रावती तो हमारे से भी पुरानी हैं और सीनियर मैम्बर रही हैं। अगर कोई नया मैम्बर ऐसी बात कह दे फिर तो बात समझ में आ सकती है लेकिन अगर डाक्टर मंगल सैन जी भी वहीं कहें जो बहुत पुराने आदमी हैं, तो बात समझ में नहीं आती। (व्यवधान एव भाोर) एक गांव का कोई आदमी सरपंच भी बन जाये उसको भी मुबारिकवाद देते हैं, और यहां पर तो 101राश्ट्रों ने किसी एक को प्रधान चुना हैं यह कोई छोटा मोटा प्र न नहीं हैं 101 राश्ट्रों का अध्यक्ष चुना जाना कोई मामूली बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, अभी इन्होंने एि ायाड की बात कह दी कि साहब एि ायाड में बहुत भारी खर्च हो गया। अध्यक्ष महोदय, अब आपको मैं क्या बताऊ। एि ायाड के जो खेल हुए हैं, इससे हिन्दुस्तान का दुनिया में कितना ऊंचा नाम हुआ, यह तो आने वाला वक्त ही बतायेगा। दुनिया के लोग हिन्दुस्तान को कुछ ताकतवर समझने लगे हैं, अगर हिन्दुस्तान कुछ करना चाहें तो कर सकता है।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, हम इंदिरा गांधी को जिसे नान एलाइंड मीट का चेयरमैन चुना गया है। उसे मुबारिकवाद देने के लिये तैयार हैं ब ार्ते कि हमारी जो लाखों एकड जमीन चीन के कब्जे में है और आधा क मीर पाकिस्तान में है, उसको वे हासिल कर लें।

Mr. Speaker: This is no point of order.

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, बहन चन्द्रावती जी ने एक बात और कही। वह तो लीडर आफ दी अपोजी ान हैं, कम से कम उनको तो बडा सोच समझ कर कहना चाहिये था। उन्होंने यह कहा कि आज हिन्दुस्तान का रैपुटे ान नहीं हैं क्या हिन्दुस्तान का रैपुटे ान नहीं है ? इन्होंने यह भी कहा कि कर्जा लेकर काम चलाते हैं। आप हमें बतायें कि कौन सा ऐसा कंट्री है जो लोन नहीं लेतार, कौन सी ऐसी संस्था है जो लोन नहीं लेती ? चाहे वह छोटी से छोटी संस्था हो, व्यापारी हो या बडे से बडा बिजनैसमैन हो, कोई छोटे से छोटा कंट्री हो या बडे से बडा कंट्री हो। सभी लोन लेते हैं। कहने का मतलब यह है कि कोई न कोई और किसी न किसी तरह साधन तो जुटाने ही पडते हैं। यह कह देना कि लोन लेकर काम चलाते हैं यह कहां तक ठीक है, यह आप खुद ही देख लीजिये। लोन के बगैर तो एक घर भी नहीं चल सकता। एक घर को चलाने के लिए भी कई बार लोन लेना पडता है। इसलिये मैं इनसे यह कहूंगा कि जो भी कहें, बडी गहराई से सोच समझ कहें। एक बात इन्होंने और कहीं कि इंदिरा

गांधी अपने घर में भी लीडर नहीं हैं। जो आदमी अपने घर में लीडर न हो, वह बाहर क्या लीडर बनेगा। क्या इंदिरा गांधी जैसा कोई दूसरा व्यक्ति भी सारे वि व में लीडर है ?

श्रीमती चन्द्रावतीः मैंने यह कहा था कि घर छा बाहर छा। कहने का मतलब यह है कि हिन्दुस्तान के लोग तो भूख कर रहे हैं और आप पैसे को लापरवाही से खर्च करते जा रहो हो, इसलिए प्रधान मंत्री जी की इज्जत कैसे होगी। जिस के घर में लोग भूख मर रहे हों, वह इस प्रकार से खर्च करें यह ठीक नहीं है। (व्यवधान एव भाोर)

चौधरी भजन लालः आज हिन्दुस्तान में कोई भी भूखा नहीं मर रहा है। अब मैं किसी का नाम लेकर कोई बात कहूंगा तो आप लोग बर्दा त नहीं करेंगे और न अच्छा ही लगता है। चौधरी चरण सिंह तो लीडर हैं लेकिन इंदिरा गांधी भी वि व की महान नेता हैं। (व्यवधान एव भाोर) चौधरी चरण सिंह एक दफा बाहर गये थे। (व्यवधान एव भाोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः चौधरी चरण सिंह का नाम लेने की कोई जरूरत नहीं है। (व्यवधान एव भाोर)

चौधरी हरि चन्द हुड्डाः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि चीफ मिनिस्टर साहब ने तो यह कह दिया कि यह तो अपोजी ान पार्टी वाले हैं। इन्होंने दे ा के खिलाफ कहा हैं यह गलत बात है। हम

इस दे ा को बहुत महान मानते हैं। इस दे ा की संस्कृति को महान मानते हैं इस दे ा के लोग महान हैं ऐसा हम समझते हैं। इसमे विरोधी विचाराधारा की कोई बात ही नहीं है। हमने तो सिर्फ एक बात कही है कि यह दे ा महान है लेकिन जो लीडर हैं, वह इतने महान नहीं हैं जितना कि यह दे ा महान हैं ऐसा क्यों है ? उसकी वजह यह है कि जब चाईना का एग्रे ान हुआ तो हमारे दे ा के कम से कम 10 लाख के करीब आदमी मारे गये। हमारे दे ा के लीडर महान नहीं हो सकते।

श्री कंवल सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, मैं आपका ध्यान कौल एण्ड भाकधर की किताब के पेजन 559 की ओर दिलाना चाहता हूं। इसमें यह लिखा हुआ है –

"Govt. resolutions are subject to the same rules as private members resolutions ....."

बगैर नोटिस के कोई भी रैजोल्यू ान मूव कर ही नहीं सकते। यह रूल्ज के विरूद्ध है।

श्री अध्यक्षः आप इनीि ायल स्टेज पर यह बात कहते फिर तो हम विचार कर सकते थे, लेकिन अब तो कुछ नहीं हो सकता। (व्यवधान एव भाोर)

श्री कंवल सिंहः सर, आप मेरे प्वायंट आफ आर्डर पर रूलिंग दीजिए। (व्यवधान)

Mr. Speaker: You have raised the point very late. That stage has passed. (व्यवधान एव भाोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः सर रूल्ज तो किसी वक्त भी एप्लाई हो सकते हैं।

श्री अध्यक्षः अब नहीं।

चौधरी भजन लालः इन महानुभावों को कम से कम इस बात पर सोचना चाहिए और विचार करना चाहिए। इसके साथ साथ इन्होंने असम के बारे में भी बात कही कि वहां पर यह हो गया, वहां पर वह हो गया। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि वहां पर दंगे किसने करवायें हैं ?(व्यवधान एव भाोर) इन लोगों ने पहले पार्लियामैंट में यह कह दिया कि असम में इलैक ान करवाने चाहियें। प्रधान मंत्री ने वहां पर इलैक ान करवाने का फैसला कर लिया तब इन्होंने सोचा कि वहां पर तो इनका कुछ बनने वाला नहीं है फिर बाइकाट करने लगे।

अध्यक्ष महोदय, अगर इन्होंने इलैक ान लडा होता तो बात ठीक मानी जा सकती थी। वहां पर अटल बिहारी वाजपाई ने लोगों को भडकाया हैं इससे बुरी बात और क्या हो सकती है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, अगर आपने आसाम के बारे में डिबेट करवानी हैं तो आप उस पर हमें भी बोलने की इजाजत दे दें। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, वोट मांगने के लिये जाएं तो बात ठीक है लेकिन लोगों को भडकाने के लिए जाएं तो इससे बुरी बात और क्या हो सकती है ? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैं आपसे एक बात कहना चाहता हूं। जब भी अपोजी ान के लीडर बोलते हैं मैं ट्रैजरी बैंचिज के किसी भी मैम्बर को बीच में बोलने की इजाजत नहीं देता। आज भी आपने यह बात महसूस की होगी कि मैंने चौधरी लाल सिंह को कहा कि थोडा इज्जत से बोलें। यह बहुत बुरी बात है कि लीडर आफ दी हाउ बोल रहे हैं और आप बीच में खडे होकर बोलना भाुरू कर देते हैं मैं आपको बोलने के लिए पूरा टाईम देता हूं। या तो आप यह बताएं कि आपको टाईम नहीं मिलता। जितना भी आप टाईम चाहते हैं मैं आपको देता हूं। इसलिए आप थोडा सा कोआपरेट करने की कोि ा ा करें।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, सदन में जो विशय विचाराधीन है वह गुट निरपेक्ष दे ाों के बारे में है और बाहकर से जो मेहमान आए हैं उनको सम्मान देने के बारे में है। चौधरी भजन लाल जी आसामे के बारे में चर्चा कर रहे हैं यह कहां तक ठीक है ? कल आपने हमें रोका था तो उसी समय हम रूक गए थे इसलिए इनको भी आप रोकिये।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं सदन का ज्यादा समय नहीं लूंगा। मैं आपसे रिकवेस्ट करना चाहता हूं .... (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आपके लिए यह भाोभा की बात नहीं है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं सदन का ज्यादा समय नहीं लूंगां यह जो रैज्योलू ान रखा गया है इसमें सारे सदन की और दे ा की इज्जत का सवाल है और यह प्रस्ताव हाउस को सर्वसम्मति से पास करना चाहिए। इन्हीं भाब्दों के साथ मैं आपना स्थान लेता हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 भीम सिंह दहिया (रोहट): अध्यक्ष महोदय, मैं दो मिनट लेना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, यह जो प्रस्ताव आया है यह नौन अलाइंड कंट्रीज की जो कांफ्रैंस हो रही है उसके बारे में हैं जैसा कि डा0 मंगल सैन ने कहा कि अगर इन्होंने हमें इस प्रस्ताव में भाामिल करना था तो पहले ही इस बारे में बातचीत हो जानी चाहिए थी। दूसरी बात यह है कि हमारे दे ा के लिए यह फख्र की बात है कि यह कांफ्रैंस यहां हो रही है और हम इसके लिए भारत सरकार को धन्यवाद दे सकते थे लेकिन किसी एक व्यक्ति को इतना बढाया चढाया जा रहा है, हम उसे खिलाफ हैं। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री ने कहा है कि पिछले पंद्रह सासल से जब से कि श्रीमती इंदिरा गांधी प्रधान मंत्री बनी हैं दे ा बहुत ऊंचा उठा

है। मैं पूछना चाहता हूं कि जब जवाहर लाल नेहरू प्रधान मंत्री थे उस समय क्या यह दे ा ऊंचा था या नीचा था ? इतना फैन फेयर किया जाता है हम उसके खिलाफ हैं पहले भी कांफ्रैंसिंज होती थी लेकिन कोई ऐसी बात नहीं होती थी। अध्यक्ष महोदय,जहां तक मुझे पता चला है जो सरकारी होटल हैं जिसका नाम अ ाोका होटल है, उसकी रैजोवे ान पर बहुत भारी खर्चा किया गया है। उसकी तो कोई बात नहीं, वह तो सरकार का है। लेकिन जो प्राईवेट होटल्ज पर एक करोड रूपया खर्च किया गया, यह क्योंकि किया गया ? (ाोर एवं व्यवधान)

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, इस संबंध में मुख्य मंत्री महोदय, ने एक रैजोल्यू ान मूव किया। लीडर आफ दी अपोजी ान बोल चुके हैं। और उसका जवाब मुख्य मंत्री ने दे दिया है और उसके बाद भी अपोजी ान के मैमबर्ज बोल रहे हैं ? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, ये तो आपकी अथोरिटी का चैलेंज कर रहे हैं। यह अच्छी बात नहीं है।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मैंने इस प्रस्ताव पर एक सं ाोधन भेजा है इसलिए मैं इस पर दो मिनट बोलना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः जब लीडर आफ दि हाउस बोल चुके हों और उसके बाद मैम्बर्ज बोलेध यह प्रोसीजरल गलत बात है लेकिन यह देखकर कि इन्होंने दो मिनट बोलना है इनको बोलने की इजाजत दे दी। मैं महसूस करता हूं कि मैंने गलत प्रोसीजर एडोप्ट किया है। अब मैं महसूस कर रहा हू कि लीडर आफ दि हाउस के बोलने के बाद मुझे इनको टाईम नहीं देना चाहिए था। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री हीरा नन्द आर्यः क्या मुख्य मंत्री उसी प्रधान मंत्री के बारे में रैजोल्यू ान लाए हैं जिनके बारे इन्होंने बयान दिया था कि वह दुनिया की सब `स झूठी औरत है ? (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः मैंने कभी ऐसा नहीं कहा। (व्यवधान)

Mr. Speaker: Now I will put the Amendment by Shri Mangal Sein to the vote of the House.

Question is –

That that last sentence of paragraph 2 of the resolution namely "This House conveys its heartiest congratulations to Sm.t India Gandhi" be deleted.

The motion was lost.

Mr. Speaker: Now I will put the Amendment by Shri Ram Bilas Sharma to the vote of the House.

Question is –

That that last sentence of paragraph 2 of the resolution namely "This House conveys its heartiest congratulations to Sm.t India Gandhi" be substituted by "This House conveys its heartiest congratulations to the people of India."

The motion was lost.

Mr. Speaker: Now I will put the main motion to the vote of the House.

Question is-

This House extendits heartiest welcome and most greetings to the galaxy of distinguished Heads of State and other esteemed delegates from countries who are participating in the Seventh Non Aligned Meet at New Delhi.

It is a matter of great honour for the country that our Prime Minister, Smt. Indiar Gandhi has been unanimously chosen as the Chairmand of the Non aligned Meet. Every Indian has reason to feel proud at this great honour which has been bestowed on our country. This House convey its heartiest congratulations to Smt. Indira Gandhi.

Our ancient land has a great tradition of peace and anity. We have constantly followed a parth of peace, prosperity and goodwill for all. In our own times. Mahatma Gandhi was one of the greatest apostles of peace. Independent India's first Prime Minister Pt. Jawahar Lal Nehru was one ot the founding fathers of the Non aligned Movement. It is only befitting that this great assemly should take place in New Delhi.

It is the fervent hope of this House that the Non-aligned Meet will usher an eara of peace and greater economic cooperation amongst the participating countries.

After ascertaining the votes of the Members by voices. Mr. Speraker announced that 'Ayes' have it. This opinion was challednged and division was claimed. Mr. Speaker, after calling upon those Members who were for 'Aye' and those who were for 'No' , respectively to rise in their places and on a count having been taken declared that the motion was carried.

The motion was carried.

स्पश्टीकरण–

मुख्य मंत्री द्वारा –एस0एस0एस0 बोर्ड आदि के फार्मों संबंधी

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात आपके नोटिस में लाना चाहता हूं। कल माननीय सदस्यों ने तारांकित क्वै चन नं0 82 पर डिस्क ान के दौरान एम0एस0एस0 बोर्ड व पब्लिक सर्विस कमी ान के फार्मों से संबंधित बातें की थी, उस बारे में मैं कुछ बताना चाहता हूं। बगैर समझे यहां पर माननीय सदस्यों ने कुछ बातें कह दीं जो कि नहीं कहनी चाहिए थी। मेरे पास ये दोनो फामर्ज हैं अगर कोई माननीय सदस्य, उनको देखना व पढना चाहें तो पढ सकते हैं। लेकिन बिना किसी सूचना के या सोचे समझें कोई बात कह देना उचित नहीं है। हाउस में इनके पीछे यह लिखा हुआ है कि या तो हाउस में

प्रवे ा न करो और गरग प्रवे ा करो तो ठीक और सच्ची बाते कहो। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, इसमें लिखा हुआ है कि अगर आप हरियाणा के अनुसूचित जाति कबीले या पिछडे वर्ग के सदस्य हैं, यदि ऐसा हो तो आप किसी एम0पी0, एम0एल0ए0 या राजपत्रित अधिकारी या ओथ कमि नर से निर्धारित फार्म पर प्रमाण पत्र दें जो कि फस्ट्र क्लास मैजिस्ट्रेट या जी0ए0 टू डी0सी0 से प्रमाणित करवाया हुआ हो।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह फार्म तो मुख्य मंत्री महोदय, ले आये लेकिन उस मरे हुए हैड मास्टर को तो ले आओ। (व्यवधान)

प्वायंट आफ आर्डर–

श्री किताब सिंह, एम0एल0ए0 की कथित अवैध गिरफ्तारी के मामले को प्रिविलिज कमेटी को रैफर न करने संबंधी

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। हमने यहा ंपर किताब सिंह जी के बारे में पुलिस की ज्यादतियों का जिकर किया कि पुलिस उसको पकड कर ले गयी और भाामली छोड आई लेकिन इस बारे में सरकार ने कोई जवाब नहीं दिया। आप एम0एल0एज0 की लाईफ के और प्रोपट्री के गार्डीयन हैं। इसलिए आप से हम प्रोटैक ान चाहते हैं और आपसे

हमारी यह रिक्वैस्ट है कि आप इस मामले को प्रिविलिज कमेटी को सौंप दें।

श्री अध्यक्षः बहन जी, मैंने इस मामले पर कल अपनी रूलिंग दे दी थी और आप लोगों ने वाक आउट भी किया था, फिंर भी मैंने दोबारा इस मामले को रि कंसिडर किया लेकिन कुछ बात बनती नजर नहीं आई।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आपने अभी फरमाया कि आपने इस मामले को रि कंसिडर किया और इसमें कोई ऐसी बात नहीं बनती।

श्री अध्यक्षः चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी, आप लोगों ने कल कहा कि हम आपके चैम्बर में आ जाएंगे। मैं इस बात को भी मान गया था। यह बात भी हम साथ ही कर लेंगे आप मेरे चैम्बर में त ारीफ ले आईये।

श्री वीरेन्द्र सिंहः ठीक है जी।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Now the House will resume discussion on the Governor's Address.

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, आज इन बातों में जो इतना समय चला गया है और गवर्नर साहब के ऐड्रैस पर मेरी

पार्टी के केवल दो मैम्बर ही बोले। इसलिए मेरी पार्टी के मैम्बरों को बोलने के लिए आप को और टाइम देना होगा। चाहे आपको सै ान का समय बढाना पडे।

मास्टर ि ाव प्र ाादः स्पीकर साहब, मुझे भी बोलने के लिए समय दिया जाना चाहियें कल मुझे काफी थोडा समय, लगभग 10 मिनट ही बोलने के लिए दिये थे।

श्री अध्यक्षः नहीं, मास्टर जी, 15 मिनट आपको बोलने के लिए दिए गये थे।

मास्टर ि ाव प्र ाादः नहीं जी। केवल 10 मिनट दिए थे।

श्री अध्यक्षः मास्टर जी, मुझे बडे दु:ख के साथ कहना पडता है कि मास्टर ि ाव प्रसाद जैसे आदमी अगर ऐसी बात करें तो दूसरों का क्या होगा ? मैंने अभी अभी रिकार्ड से कंफर्म किया है। मास्टर जी को कल 16 मिनट का समय बोलने के लिए दिया गया था।

मास्टर ि ाव प्र ाादः स्पीकर साहब, केवल दो मिनट ही बोलने के लिए दे दीजियेगां

श्री अध्यक्षः नहीं मास्टर जी, आप बैठिये। अब श्री जगदी ा नेहरा बोलेंगे।

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): अध्यक्ष महोदय, मैं आदरणीय गवर्नर साहब के ऐड्रैस के संबंध में, जो कि यहां पर 7 मार्च 1983 को गवर्नर साहब ने पे ा किया था, वह बोलने के लिये खडा हुआ हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं क्या मंत्री महोदय, केवल अपने विभाग से संबंधित स्पश्टीकरण देंगे या सारे बजट पर ही बोलने के लिए खडे हुए हैं ?

श्री अध्यक्ष: जनरल डिस्क ान पर बोलेंगे।

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, नर्मली तो मैम्बर साहेबान, ही डिस्क ान में हिस्सा लेते हैं

श्री अध्यक्ष: अगर कोई मिनिस्टर बोलना चाहै तो इनके बोलने पर पाबंदी नहीं हैं वे भी अपने विचार रख सकते हैं।

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, पाबंदी की बात नहीं है। लेकिन यह एक प्रैंसीडेंट का सवाल है।

श्री अध्यक्ष: आप बैठ जाइए। श्री नेहरा अपनी स्पीच जारी रखें।

श्री **जगदी ा नेहरा:** अध्यक्ष महोदय, आदरणीय गवर्नर साहब ने जो एडरैस दिया मैं उसके हक में बोलने के लिए खडा हुआ हूं। इस एडैरस में हरियाणा सरकार की नीतियों के बारे में तथा आगे के कार्यक्रमों के बारे में काफी विस्तार से बताया गया

है। इस पर विरोधी पक्ष और कांग्रेस पक्ष के काफी माननीय सदस्य, बोले। विरोधी सदस्यों ने इस एडैरस के बारे में और जो इनके टाइम का एडरैस था उसके बारे में कोई भी बात नहीं कहीं। माननीय डा0 मंगल सैन जी और चन्द्रावती जी ने इस तरह की बातें कहीं जिनको इस एडरेस से कोई संबंध नहीं था। अगर मैं इस समय के गवर्नर एडरैस और जनता पार्टी के समय के गवर्नर एडरेस का कम्पेरिजन करूं तो पता चलता है कि इस समय के गवर्नर एडरेस से हरियाणा सरकार की नीतियों के बारे में और खर्च के लिये बताया गया है। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य चौधरी ई वर सिंह पदासीन हुए।) आप चाहे ि ाक्षा के बारे में ले लीजिये, चाहे सडकों के बारे ले लीजिये चाहे अस्पातलों के बारे ले लीजिये या किसी भी विभाग के बारे में ले लीजिये, अगर आप उसको 1977–78 और 1978–79 के एडरेस से कम्पयेर करें तो उससे पता चलेगा कि जो अब गर्वनर साहब ने हरियाणा सरकार की नीतियां बताई वह काफी उत्साह वर्धक हैं। आप 27 फरवरी 1978 को गवर्नर साहब द्वारा दिये गये एडरेस के पेज 20 पर आखिरी पैरा पढें। उसमें भ्रश्टाचार बंद और पानी के प्रबंध के बारे में बडी एलोबोरे ान दी गई हैं उस समय की जनता सरकार ने किसी तरह से पानी का प्रबंध किया और किस तरह से भ्रश्टाचार बंद किया, इस बारे में सब को पता है। उस समय भ्रश्टाचार की बात इतनी हाइट पर थी जिसका कोई हिसाब नहीं था। आज विपक्ष के सभी भाई हर बार यही कहते हैं कि भ्रश्टाचार बहुत है लेकिन ये उस जमाने को याद नहीं करते जब इनकी

सरकार थी। उस समय इनका नारा था कि भ्रश्टाचार बंद करेंगे। आपको मालूम है कि उस समय किस प्रकार से भ्रश्टाचार बंद हुआ था। उस समय मुख्य मंत्री जी के लडके भ्रश्टाचार में पकडे गये थे। यह हकीकत है कि वे दिल्ली एयर पोर्ट पर पकडे गये थे। अगर मुख्य मंत्री का लडका भ्रश्टाचार और चोरी के मामले में पकडा जाए तो आप अंदाजा लगायें कि उस समय की सरकार की कैसी हालत होगी ? कल भी विरोधी पक्ष के सदस्यों ने बडा भारी इल्जाम लगाया लेकिन वे अपनी हकीकत को भूल गये कि किस तरह से उनके राज में भ्रश्टाचार की हालत थी। (विघ्न) ये भाई अपने राज में लगातार भ्रश्टाचार को बढावा देते रहे। उस समय के मुख्यमंत्री के कार्यकलापों के बारे में जब उनके लडकें से किसी ने पूछा कि आप उनके काम में हस्तक्षेप क्यों करते हैं तो उन्हौंने कहा कि हस्तक्षेप मैं नहीं करता बल्कि मेरे पिता जी मुख्य मंत्री है, वे करते हैं। ऐसे हालात होते हुए भी यह लोग इस सरकार को खराब कहते हैं। जब जनता पार्टी का राज था या लोक दल (च) (छ) या (ज) का राज था उस वक्त भ्रश्टाचार पूरी हाइट पर था। जहां तक पानी के प्रबंध का सवाल है अगर उस समय और आज के समय का मुकाबिला किया जाए तो पता चलेगा कि आज पानी के प्रबंध के लिये पैसे का बहुत ज्यादा प्रोवीजन किया गया है। हमारे विरोधी भाइयों ने लगातार यह बात कही कि ये दल बदल गये और इन्होंने पार्टी बदल ली हालांकि यह बात इस का मौज नहीं थी। मैं विरोधी भाइयों को बताना चाहता हूं कि उन्हौंने कम से कम बीस तक तो लीडर बदले हैं और तीन तक पार्टिया बदली

हैं। (विघ्न) डा0 मंगल सैन जी ने इस बारे में जिक्र किया था कि सारे विरोधी सरकार की तरफ बैठे हैं। और फलां ने पार्टी बदली और फलां ने ऐसा किया। (विघ्न)

चौधरी भाग मलः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। क्या ये बताएंगे कि किस किस ने कौन कौन सी पार्टी बदली है ?

श्री सभापतिः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

श्री जगदी ा नेहराः चेयरमैन साहब, मेरे माननीय सदस्य, ने बात पूछी है तो मैं उन्हें बता ही देता हूं। डा0 मंगल सैन जी की पहले जनसंघ पार्टी थी। ये बडे समझदार हैं और नीति के मुताबिक पार्टी में रहते हैं। (विघ्न) पहले तो इनकी जनसंघ पार्टी थी फिर जनता पार्टी में चले गये और जनता पार्टी से भारतीय जनता पार्टी में हैं। इन्होंने लगतार तीन पार्टियां बदली हैं। अब यह नहीं कह सकते कि ये भारतीय जनता पार्टी में रहेंगे क्योंकि भारतीय जनता पार्टी का भाायद जनता पार्टी में फिर विलय हो जाए। (विघ्न) कौन से संविधान के मुताबिक इन्होंन पार्टियां बदली, इसका इनके पास कोई जवाब नहीं हैं। विरोधी पक्ष के भाई लांछन बडे आराम से लगा देते हैं लेकिन अपने गिरेबान में मुंह डालकर देखें कि इन्होंन क्या क्या ..... नहीं किए हैं अभी भाई हीरा ननद जी कह रहे थे कि पार्टी बदल ली। वे 1967–68 का समय भूल गये जब इस हरियाणा को इन्होंने आया राम और

गया राम से बदनाम किया था। चेयरमैन साहब, 1968 में इन्होंने एक दिन में तीन बार पार्टी बदली थी। वही आदमी कहे कि इसने पार्टी बदल ली तो बडे ताज्जुब की बात हैं। आप जितने भी इस साइड मैं विरोधी भाई बैठे हैं ..... (ाोर)

श्री राम बिलास भार्मा: चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। नेहरा साहब बडी सूझबूझ वाले आदमी हैं। इन्होंने अभी ..... भाब्द का प्रयोग किया है जिसका गवर्नर साहब के एडरेस से कोई ताल्लुक नहीं है। He is blaming our leaders and I will request you to please expunge this word ---------- and the blames.

श्री सभापति: 'कुकर्म' भाब्द कार्यवाही से एक्सपंज कर दिया जाये।

श्री **जगदी ा नेहरा:** चेयरमैन साहब, यदि ऐसी बात है तो मैं इस बात के लिए माफी चाहता हूं लेकिन जब भी विरोधी भाई बोलते हैं मैं कभी भी बीच में इन्ट्रप्ट नहीं करता। चेयरमैन साहब, गवर्नमैंट के एड्रैस पर जितने भी विरोधी पक्ष के भाई बोले हैं, उन्होंने जो गवर्नर साहब के एड्रैस में आंकडे दिए हैं, उनके बारे में कोई बात नहीं कही है। गवर्नर साहब कै अभिभाशण में सरकार की नीति के बारे में विकास के कार्यों के बारे में और योजनाओं के बारे में जितने भी आंकडें दिए गए हैं उनके बारे में मेरे विरोधी पक्ष के भाईयौं ने कोई स्पीच नहीं दी। इन्हौंने इस अभिभाशण पर जितनी भी स्पीच दी है वह ला एंड आर्डर के बारे

में दी है और यह कहा है कि जो गवर्नर अपनी खुद की हिफाजत नहीं कर सकता, वह सरकार की क्या हिफाजत करेगा। चेयरमैन साहब, इन्हें इधर उधर की बातों के सिवाये और कुछ भी नहीं कहना है। मेरे विरोधी पक्ष के भाईयौं ने यह नहीं देखा कि गवर्नर साहब के एड्रैस में किसानों की राहत के कार्यों के लिए वाटर वर्कस की स्कीमों केलिए और दूसरी योजनाओं के लिए कितना पैसा रखा है। चेयरमैन साहब, जो इस साल की योजनाएं हैं उनके लिए 406 करोड 59 लाख रूपये रखे गए हैं यह हरियाणा की उन्नति के लिए काफी बडी बात होगी। हरियाणा सरकार ने कृशि के उत्पादन के लिए काफी ज्यादा लक्ष्य रखा है और इसके लिये सैंट्रल पूल से भी पिछले साल की बजाय इस साल काफी पैसा दिया जायेगा। चेयरमैन साहब, गवर्नर साहब के अभिभाशण में मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड के बारे में, सिंचाई के बारे में औद्योगिक उत्पादन के बारे में और बिजली के कनैक ान दनै के बारे में बताया गया है। इस साल बिजली के 17 हजार कनैक ान देने का प्रोवीजन है जबकि 1977–78 में सिर्फ 12 हजार कनैक ान देने का प्रोविजन था। इसके अलावा बिजली के उत्पादन को भी काफी बढावा दिया गया है। चेयरमैन साहब, इसी तरह से गवर्नर साहब के एड्रैस में रोजगार के बारे में और ि ाक्षा के बारे मैं भी जिक्र किया गया हैं ि ाक्षा के बारे में मैं एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि 20 सूत्री प्रोग्राम के तहत यह नीति बनाई है कि अगले साल 6 से 11 साल के बच्चों को प्राइमरी ि ाक्षा देने के लिए वि ोश यप से जोर दिया जाएगा ताकि ि ाक्षा के क्षेत्र में जो बच्चे पिछले हुए

रह जाते हैं, उनको ि ाक्षित किया जा सके। इसी तरह से लडकियों का ि ाक्षित होना भी बहुत जरूरी है। जैसे एक परिवार में एक लडका पढेगा तो वह एक ही पढेगा लेकिन यदि किसी परिवार की एक लडकी ि ाक्षित हो जाए तो वह सारे परिवार को ि ाक्षित परिवार बना देती है। इसलिए अगले साल के लिए सरकार की यह नीति है कि ज्यादा से ज्यादा लडकियों की पढाया जाए और जो प्राइवरी ि ाक्षा है उसे मजबूत किया जाए। चेयरमैन साहब, मेरे विरोधी पक्ष के भाई जब भी बालेते हैं तो ये 20 सूत्री प्रोग्राम का विरोध करते हैं यह 20 सूत्री कार्यक्रम गरीब लोगों की भलाई के लिए और जो बिलों दि पावर्टी लाइन लोग हैं, उनकी भलाई के लिये बडी भारी स्कीम है। इस 20 सूत्री कार्यक्रम के तहत राज्य सरकारों को केन्द्रीय सरकार की तरफ से भी काफी सहायता दी जाती है। चेयरमैन साहब, जब भी हमारी तरफ से 20 सूत्री कार्यक्रम का जिक्र किया जाता है तो मेरे विरोधी पक्ष के भाई सिर्फ यह कहते हैं कि आप इन 20 सूत्रों में सै तीन सूत्रों के ही नाम बता दें, इस बात के सिवाय इनके पास और कोई बात नहीं हैं यह 20 सूत्री कार्यक्रम सारे दे ा के लिए है किसी इनडिविजुअल के लिए नहीं है। हमारे दे ा की प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी हैं इसलिए उन्होंने यह प्रोग्राम सारे दे ा के लिए दिया है, किसी इनडिविजुअल के लिएि नहीं दिया। चेयरमैन साहब, मेरे विरोधी पक्षा के भाईयों का तो एक ही सूत्र है और वह यह है कि एक पार्टी छोड दी और दूसरी पार्टी में चले गये और कभी कोई पार्टी छोड दी दूसरी पार्टी में चले गए, इस सूत्र के सिवाय

इनके पास कोई दूसरा सूत्र नहीं है। चेयरमैन साहब, मैं आपके द्वारा विरोधी पक्ष के भाईयों से प्रार्थना करना चाहता हूं कि उनका इस तरह के आक्षेप नहीं लगाने चाहिए। इन भाब्दों के साथ मैं गवर्नर साहब के एड्रैस पर धन्यवाद के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं। धन्यवाद।

डा0 भीम सिंह दहिया (रोहट): चेयरमैन साहब, मैं राज्यपाल के अभिभाशण पर दिये गये धन्यवाद के प्रस्ताव पर उस समय बोलना चाहता था जिस समय हाउस में सारे मिनिस्टर और मैम्बर हाजिर होते जिनके विभागों के बारे में मैंने कुछ बातें कहनी थी लेकिन नेहरा साहब ने कुछ बातें ऐसी कह दी इसलिए मैं इसी समय आपने विचार प्रकट करना चाहता हूं। चेयरमैन साहब, राज्यपाल के अभिभाशण पर बहन करतार देवी की तरफ से जो धन्यवाद प्रस्ताव पे ा किया गया है, मैं उसके विरोध में बोलना चाहता हूं। इस अभिभाशण में हो कुछ आंकडें दिए गए हैं, उनमें ज्यादातर खोखली बातें हैं और खोखली इसलिए कह रहा हूं क्योंकि इस अभिभाशण के हर पैरा में या तो एस्टीमेट दिया गया है या यह बताया गया है कि ये ये योजनाएं हैं, लेकिन यह कहीं नहीं कहा गया कि फलां योजना के लिए इस साल इतना एस्टीमैंट था। चेयरमैन साहब, मैंने इस अभिभाशण पर हर मैम्बर की स्पीच सुनी है और मैंने खुद इस अभिभाशण के हर पैरा को पढा है इसलिए पैरावाइज टिप्पणी करना तो बडा मु कल है लेकिन मैं एक बात कहना चाहता हूं कि हम विरोधी पक्ष के लागे जब बोलते

हैं तो सरकारी बैंचाों की तरफ से बडा गिला किया जाता है। लेकिन मैं इनकसे कहना चाहता हूं कि आपको हमीर बातों का गिला नहीं करना चाहिए क्यौंकि हम लोग पब्लिक के सम्पर्क में रहते हैं इसलिए हमारे तक जो बातें पहुंचती है, भाायद वे बातें आप तक नहीं पहुंचती होंगी। जितने भी घपले होते हैं उनके बारे में जितना हम लोगों को पता लगता है उतना भाायद आप लोगौं को पता नहीं लगता। इसलिए जब हम कोई बात कहते हैं तो आप लोगों को उसको बुरा नहीं मानना चाहिए। हम जो भी बात कहते हैं वह सही कहते हैं। चेयरमैन साहब, मैं आपके द्वारा ट्रेजरी बैंचिज के भाईयों से कहना चाहता हूं कि प्रैस एक मीडिया है, आप उकसी बात का भी बुरा मानते हैं। पिछले दिनों मुख्य मंत्री जी ने कहा कि जो फारेस्ट डिवैल्पमैंट बोर्ड बनाया गया है उसके बारे में कहीं से कोई चिट्ठी नहीं आई लेकिन अगले ही दिन वह चिटठी अखबार में छपी। जब ऐसा था तो इनको ऐसा कहना की क्या जरूरत थी ? जब वह चिटठी अखकार में छप गई तो इन्होंने पत्रकारों को बहुत बुरा माना और उनको धमकी दी कि मैं यह कर दूंगा, वह कर दूंगा। (ाोर एवं विघ्न) जब इनकी अपनी वीकनैस जाहिर होती है तो उसको बुरा नहीं मानता चाहिए। चेयरमैन साहब, जो भी गलती होती है उसमें प्रैस का भी फर्ज बनता है कि वह उसको अखबारों में छापे। इनको उनकी बातों को भी सन लेना चाहिए। चेयरमैन साहब, गवर्नर साहब के अभिभाशण के पत जीन पर एक पैरा एग्रीकल्चरल मार्किटिंग बोर्ड के बारे में है। उसमें लिखा है:— The State Agricultural Marketing Board has

prepared a master plan." इसमें यह कही नहीं कहा गया कि इस साल में इस मार्किटिंग बार्ड ने क्या काम किया है। उन्होंने एक मास्टर प्लान तैयार की थी, उस मास्टर प्लान का पता नहीं क्या बना ? उसके तहत मार्किटिंग बार्ड ने मंडीज बनाने के लिए बहुत सारे प्रोजैक्टस टेक अप किए थे, वे प्रोजैक्ट आज तक पूरे नहीं हो सके हैं क्योंकि उनमें विजीलैंस की पचासों इनक्वारियों चल रही हैं, केस चल रहे हैं। अभी पिछले दिनों अखबार में भी यह खबर छपी थी कि मंडियों के लिए जो तिरपाल खरीदे गए थे उसमें बहुत भारी घोटाला होने के कारण मार्किटिंग बार्ड के लगभग 33 अधिकारी/कर्मचारी सस्पैंड हुए हैं। इस बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि इस मामले की उचित जांच करवाई जाये। जहां तक मुझे पता लगा है इसमें एग्रीकल्चरल मार्किटिंग बार्ड के उच्च अधिकारी इनवाल्वड हैं, इसलिए इस मामले की उचित जांच करवाई जाये।

इसके अलावा चेयरमैन साहब, इस अभिभाशण के पेज 6 पर एच0एस0ई0बी0 का जिक्र किया गया है और कहा गया है कि यमुनानगर थर्मल प्रोजैक्ट इतने मैगावाट का बन रहा है। चेयरमैन साहब, हमने इस प्रोजैक्ट के बारे में में बहुत सुना है परन्तु क्या योजना के मुताकिब यह बन गया है ? यह अच्छी बात है कि बिजली ज्यादा मिले और कनैक ान ज्यादा दिये जोयें लेकिन जहां पर कनैक ान हैं उनमें करंट ही नहीं है। टयूबवैल्ज के लिऐ, घरों के लिए और कुछ लोगौं को अपने काम के लिए

बिजली जरूर मिलती है। एच0एस0ई0बी0 के जो अधिकारी हैं उनको फार्म के लिए और उनके टयूबवैल्ज के लिए जरूर उन्हें बिजली मिलती है। उनके फार्मों पर 24 घंटे बिजली रहती है। इस बारे में मैं सरकार से प्रार्थना करूंगा कि इसकी जांच करवाई जानी चाहिए। जो गरीब लोग हैं, किसान हैं उनको बिजली नहीं मिलती। इनकी तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए। दूसरे कई इण्डस्ट्रीज वालों को सीधे ही बिजली की सप्लाई होती हैं। हिसार के अंदर भानू की की कोई इण्डस्ट्री है। उसको भी बिजली सीधी मिली हुई है।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): स्पै ाल मीटर और स्पै ाल लाईन किसी के लिए नहीं है।

120.00 बजे।

डा0 भीम सिंह दहिया: एच0एस0ई0बी0 के अंदर बहुत स्कैंडल हो रहा है। इस संबंध में कुछ कागज पत्र मेरे पास हैं। उनको आप भी ले लैं और रिकार्ड के लिए वे रिपोर्टर भी ले लें इस संबंध में मेरी गुजारि ा है कि इस स्कैंडल की जांच होनी चाहिए। Further at page 9 it has been mentioned, "The amount has been sanctioned for units in Backward Areas." पैसा या कोई चीज सैक ान तो होती है लेकिन कोइ काम हो नहीं पाता। एच0एस0आई0डी0सी0 के अंदर भी ठीक प्रकार से काम नहीं

होता। कुछ लोगों को सारे रूल्ज रेगुले ान को एक तरफ रख कर पैसा दिया जाता है जबकि कुछ को सारी भार्ते पूरी करने के बाद भी नहीं दिया जातां

चेयरमैन साहब, अब मैं ि ाक्षा के बारे में कुछ कहना चाहूंगा। ि ाक्षा के बारे में इस अभिभाशण में लिखा हुआ है –

"15. Education is the best social investment. My Government has been conscious of this and has given due priority to this sphere particularly at the primary level. Enrolment of children in 6-11 age group, particularly among females..... "

इसमें लिखा है कि एनरोलमैंट हुई है। अच्छी बात है, एनरोलमैंट होनी भी चाहिए लेकिन यह एनरोलमैंट अकेले रजिस्टर में ही रह जाती है। आप देखेंगे कि 1947 के बाद से आज तक इस मामले में लिट्रेसी की परसैंटेज वहीं की वहीं है। इसके लिए हर साल पैसा बढा दिया जाता है लेकिन हो कुछ नहीं पाता। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि सरकार इस तरफ वि ोश ध्यान दें। गांव के जो स्कूल हैं, उनकी बिल्डिंगों की द ाा बहुत ही खरब हैं मैं अपने हल्के के एक गांव के अंदर गया था। वहां जा कर देखा कि उस स्कूल की बिल्डिंग के तीन कमरे काफी समय से गिरे हुए थे। यह तो ठीक रहा कि उनकी छत रात के समय में गिरी। यदि दिन के समय में ऐसी घटना हो जाती तो काफी नुकसान हो जाता। वहां के बच्चे इन छतों के गिरने से तीन साल से स्कूल के अहाते में कीकर के पेड के नीचे बैठकर पढते रहते हैं जब इस

मामले में सरकार के अफसरान को कहा जाता है कि बिल्डिंग की मुरम्मत की जाये तो जवाब दिया जाता है कि पंचायत पैसा इकट्ठा करके खुद ठीक करवा लें। इसके मुत्तालिक मेरा कहना है कि जब बिल्डिंग गवर्नमैंट ने टेक ओवर कर ली तो उसकी मुरम्मत सरकार खुद करे। बलिक मुरम्मत करने की बजाये नई बिल्डिंग बनायी जानी चाहिए। भाहरों के अंदर भी तो आप बिना पैसा इकटठा किए बिल्डिंग बनाते हैं। वहां पर किसी से कोई पैसा नहीं लिया जाता। मैं पूछना चाहता हूं कि देहाती स्कूलों के लिए लोगों को पैसा इकट्ठा करके खुद बिल्डिंग बनाने के लिए क्यों कहा जाता है ? चेयरमैन साहब, मैं आपके जरिए सरकार से कहना चाहता हूं कि देहात में जो स्कूल बने हुए हैं, उनका सर्वे करवाया जाये। इस सर्वे में जिन स्कूलों की बिल्डिंग ठीक नहीं पाई गई है उनको ठीक करवाया जाये। चेयरमैन साहब, टीचरों की बात इन्होंने खुद मानी है कि कई जगहों पर एक एक टीचर हैं। अब वे वहां पर दो दो टीचर करने जा रहे हैं गांवों के अंदर जो टीचर लगे हुए हैं उनके साथ ठीक प्रकार का व्यवहार नहीं किया जातां मेरी इस संबंध में प्रार्थना है कि उनको बराबर का समझा जाना चाहिए। मैं तो यहां तक कहूंगा कि इन की तरफ ज्यादा तवज्जों दी जानी चाहिए। गांव के अंदर जो विद्यार्थी हैण्डीकेप्टस हैं, उनकी तरफ भी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत हैं। जबकि सरकार इस ओर कतई ध्यान नहीं दे रही हैं खेलों के मुत्तालिक यहां पर कहा गया है कि हमने बहुत अचीवमैंटस की हैं। यह भी कहा गया है कि 9वें एि ायन गेम्ज में हमारे यहां के खिलाडियों ने काफी

अच्छा काम किया है और हरियाणा के कई खिलाडी मैडल जीत कर लाए हैं। मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि इनमें से दो तीन तो रेलवे में काम करते हैं। बाकी दूसरी सरकारी सेवाओं में हैं। चण्डीगढ़ के कपिल देव का नाम अच्छे खिलाडियों में लिया गया हैं इस संबंध ये खिलाडी सिर्फ हरियाणा के अंदर जन्म ही हैं। यहां की सरकार ने इनके खेल की तरफ ध्यान नहीं दिया है। मैं पूछना चाहता हूं कि अपने खिलाड़ियों को ऊपर उठाने के लिए कितना पैसा स्कूलों में खर्च किया है, कितना कालिजिज के अंदर खर्च किया है और अब तक कितने खिलाडी तैयार किए गए हैं ? इनका कोई ब्यौरा इस अभिभाशण में नहीं दिया है। हरियाणा सरकार का इन चार पांच खिलाडियों को एि ायन गेम्ज के लिए तैयार करने में कोई योगदान नहीं है। यदि योगदान है तो या तो रेलवे विभाग का है या क्रिकेट कन्ट्रोल बोर्ड का है। हरियाणा में तो ये सिर्फ पैदा ही हुए हैं, सरकार ने इनके लिए कुछ नहीं किया।

चेयरमैन साहब, इसी प्रकार से डिवैल्पमैंट के संबंध में पेज 14 आइटम नं0 22 में लिखा हुआ है–

"..... In order to accelerate the tempo of planned urban development in the state, ambitious estimates for the year 1982-83 amounting to Rs. 92.10 crores have been prepared by Haryana Urban Development Authority, against the previous year's budget of Rs. 26.53 crores."

इसके मुत्तालिक मेरा कहना यह है कि योजनाएं दी गई हैं, एस्टिमेटस बनाये गये हैं लेकिन असलियत में कुछ नहीं किया गया। जो कुछ अभिभाशण में जिक्र किया हैं यह सारे का सारा वेग है भौलों और इवेसीव एड्रैस है, इसलिए मैं इसका विरोध करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

चौधरी ओम प्रका ा (बेरी): चेयरमैन साहब, राज्यपाल महोदय के लिए जो धन्यवाद का प्रस्ताव हाउस में आया है। मैं उसका विरोध करने के लिए खडा हुआ हूं। राज्यपाल महोदय का अभिभाशण आने वाले वित्त वर्श के लिए सरकार की तरफ से एक पालिसी स्टेटमैंट होता है। राज्यपाल महोदय के अभिभाशण को पढने के बाद मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि इसमें पालिसी नाम की कोई चीज है ही नहीं और न ही किसानों की भलाई के लिए कोई वि ोश प्रावधान किए गए हैं। चेयरमैन साहब, आज हरियाणा प्रदे ा भ्रश्टाचार का अड्डा बन चुका हैं भ्रश्टाचार के उन्मूलन के लिए इस बजट में कोई प्रावधान नहीं है और न ही कोई नीति निर्धारित की गई हैं। भ्रश्टाचार की जडें कितनी गहराइ तक जा चुकी हैं। उसका उदाहरण मैं आपको देता हूं। चेयरमैन साहब, झझर में रामकि ान सपुत्र श्री बंसी लाल कुम्हार से बनवारी लाल सपुत्र श्री खु ाीराम ने, ने ानल परमिट दिलाने के नाम से 10 हजार रूपये ले लिए। उसने यह कह कर रूपये लिए कि मैंने चौधरी भजन लाल की पत्नी को ये 10 हजार रूपये देने हैं।

उनको ये 10 हजार रूपये देने के बाद ही आपको नै ानल परमिट मिल सकता हैं

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः जो व्यक्ति इस हाउस से संबंध न रखता हो उसका नाम यहां पर नहीं लिया जाना चाहिए।

चौधरी ओम प्रका ाः चेयरमैन साहब, सी0एम0 साहब 10.1.1982 को झझर गए थे। उस समय भी वहां के लोगों ने उनके खुले दरबार में यह बात कही थी और ि ाकायत की थी कि इस केस की जांच की जानी चाहिए। मुख्य मंत्री महोदय, ने एस0पी0 रोहतक को हुकम दिया था कि इसकी जांच करें, लेकिन आज तक उसकी जांच के लिए किसी को नियुक्त नहीं किया और न ही कोई पूछताछ के लिए आज तक कोई आया है। यह बडा गम्भीर मामला है, इसमु मुख्य मंत्री की धर्मपत्नी भाामिल है, इसलिए इस केस की जांच होनी चाहिए। जिस व्यक्ति ने पैस लिए उसका लडका भी बहादुरगढ म्युनिसिपल कमेटी में, लीगल एडवाईजर के पद पर लगा दिया है। इसलिए मेरी इस बारे में पुनः प्रार्थना है कि केस की जांच अव य होनी चाहिए। चेयरमैन साहब, इसी प्रकार एच0एस0ई0बी0 के अंदर परचैजिज के मामले में धांधली मची हुई है। बडे बडे अफसरों की बडे बडे ठेकेदारों से मिली भगत है। यह बात मुख्य मंत्री के नोटिस में भी आई हुई हैं। मैं सरकार से प्रार्थना करता हूं और बिजली एवं सिंचाइ मंत्री से

रिकवैस्ट करता हूं कि इस मामले की वे अव य जांच करवाएं सरकार को भ्रश्टाचार को बढावा नहीं देना चाहिए।

चेयरमैन साहब, बिजली मंत्री महोदय, ने कहा है कि बंजर एरिया में भी लगातार 10–12 घंटे बिजली दी जाती रही है। इस संबंध में मैं आपको बताना चाहूंगा कि बंजर एरिया में 3–4 घंटे से ज्यादा बिजली नहीं दी जाती। इस संबंध में एल0डी0 कटारिया साहब का एक लैटर एस0ई0 रोहतक और एडी ानल चीफ इंजीनियर दिल्ली को लिखा हुआ है, जिसमें इन्होंने लिखा है कि बंजर एरिया में 3–4 घण्टे से ज्यादा बिजली न दी जाये। यह बात मैं दावे के साथ कहता हूं कि ऐसा लैटर उनको लिखा गया है। बंजर एरिया के साथ बिजली के मामले में भेदभाव बरता जा रहा है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि रोहतक जिला जो बंजर एरिया है, उसको बंजर डिकलेयर करके बिजली अधिक मात्रा में कम से कम 12 घंटे प्रति दिन सप्लाई की जाये।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः आप उस लैटर की कापी मुझे दिखा दें

चौधरी ओम प्रका ाः चेयरमैन साहब, मैं सरकार की किसान विरोधी नीति का एक उदाहरण आपके सामने रखना चाहता हूं। हमारे इलाके में जवाहर लाल नेहरू कैनाल चलती है लेकिन इस नहर से हमें कोई फायदा नहीं है। इस नहर के पानी से गोछी, बेरी, विसान, दुबलधन, वाकरा, अछैज, पहाडीपुर,

मातनहेडा और अकैडी, मदनपुर गांवों का पांच छः हजार एकड का रकबा सीपेज से बरबाद हो गया हैं जब मुख्य मंत्री जी दौरे पर गये थे तो उनके नोटिस में यह बात लाई गई थी। सीपेज से पिछले पांच छः सालों से इस जमीन पर का त नहीं की जा रही। इस नुकसान से लोगों को राहत देना तो दूर रहा, उल्टा वाटर टैक्स वसूल करके उनको हैरास किया जा रहा है। कितनी हैरान की बात है कि उन से वाटर टैक्स लिया जा रहा है। वाटर टैक्स लेने की बजाये उनको राहत देनी चाहिएं मैं सरकार से दुर्खास्त करूंगा कि इस तरफ ध्यान देकर किसानों की सीपेज वाली समस्या को खत्म किया जाए और जब तक सीपेज स्थाई रूप से खत्म नहीं हो जाती तब तक किसानों का जो नुकसान हो रहा है, मुआवजा दिया जाए।

अब मैं ि ाक्षा नीति के बारे में थोडा सा अर्ज करना चाहता हूं। मंत्री जी को मालूम है कि गांवों में ि ाक्षा का स्तर गिरता जा रहा है। गांवों में ि ाक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए सरकार ने कोई वि ोश नीति निर्धारित नहीं की है। इसके बारे में मैं मंत्री जी को दो सुझाव देना चाहता हूं। आज देहातों में बसने वाले बच्चों के साथ भेदभाव बरता जा रहा है। जिस प्रकार का स्कूल राई में है वैसे ही स्कूल सारे हरियाणा मैं होने चाहिए। राई के स्पोर्टस स्कूल में बडे बडे आफिसर्ज के बच्चे दाखिला ले जाते हैं और कम्पीटिटिव एग्जामिने ान में देहातों के बच्चों के मुकाबले में बहुत ऊपर आ जाते हैं। देहातों के बच्चे उनका

मुकाबला नहीं कर सकते। मेरा सरकार को सुझाव है कि इस तरह के स्कूल राज्य के हर ब्लाक पर खोले जाएं ताकि गरीब आदमियों के बच्चे भी इस ि ाक्षा का फायदा उठा सकें और कम्पीटीटिव एग्जामिने ान में उनके बराबर आ सकें।

इसके अतिरिक्त आज प्राईमरी ि ाक्षा का स्तर दिन व दिन गिरता जा रहा है। इसलिए मेरा सरकार से सुझाव है कि ि ाक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए हर प्राईमरी स्कूल में एक एक एस0एस0 मास्टर की पोस्ट क्रिएट की जाए ताकि कुछ हद तक देहाती स्कूलों में ि ाक्षा का स्तर ऊंचा हो सके और 1970 से जो नौजवान बच्चें बी0ए0बी0एड0 किये हुए खाली बैठे हैं उनको रोजगार मिल सके।

चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि आज मान्यता प्राप्त स्कूलों के अध्यापकों ने हडताल कर रखी है। इनकी मुख्य डिमांड यह है कि इनका वेतनमान ट्रैजरी के द्वारा दिया जाए। इसके इलावा बाकी बहुत छोटी छोटी मांगे हैं, इनको मानने में सरकार को किसी किस्म की हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए।

चेयरमैन साहब, मद नं0 19 में सरकार ने यह कलेम किया है कि हरियाणा प्रदे ा के हर गांव को सडक से जोड दिया गया है लेकिन यह बिल्कुल गलत बात हैं मेरे क्षेत्र में मदानाखुर्द नाम का एक गांव है जिसको किसी सडक से नहीं जोडा गया और

न ही कोई सर्वे हुआ है। इस गांव में सडक बनाने के आसार नजर नहीं आते हैं। मदाना खुर्द की तरह हरियाणा में और भी गांव होंगे जहां कोई सडक नहीं बनाई गई होगी। एक और गांव है बाकड़ा इसमें सडक तो बनाई गई है लेकिन उस सडक में से ड्रेन नं0 8 गुजरती है। लोगों को इस ड्रैन में से गुजरना पडता है क्योंकि इस पर कोई पुल नहीं बनाया गया। इस गांव का एक टुकडा एक तरफ है और दूसरा टुकडा दूसरी तरफ है। बरसात के दिनों में लोगों को नंग होकर इस ड्रेन में से गुजरना पडता है। मेरी सरकार से निवेदन है कि ड्रेन नं0 8 पर पुल बनाया जाए ताकि लोगों की इस दिक्कत हो दूर किया जा सके। इसी प्रकार गौछी की सडक है। यह सडक रोहतक से दादरी वाया बेरी होती हुई गौछी गांव से गुजरती है। इस सडक में पांच पांच फुट गहरे खडडे पडे हुए हैं। 5–6 साल में सडक खराब पडी है जब कि इस सडक पर से रोजाना चार सौ पांच सौ वहीकल्ज गुजरने है। इसलिए मेरी सरकार से दुर्खास्त है कि इस सडक को बनाया जाए और लोगों की इस दिक्कत को दूर किया जाए।

इसके अतिरिक्त किसानों को कम्पेंसे ान देने के मामले मैं भी सरकार को लिबरल पालिसी अखितयार करनी चाहिए। सरकार ने ओला वृश्टि के लिए मुआवजा मुकर्रर किया है लेकिन यह मुआवजा बहुत थोडा है। जिस तरह से सरकार किसी जमीन को एक्वायर करती है और मार्किट रेट के हिसाब से मुआवजा देती है, इसी प्रकार ओलों से किसान का जितना नुकसान हुआ हो,

उसक मुताबिक कम्पसे ान देना चाहिएं आप जानते हैं बीज महंगे हैं, खाद महंगी हैं, वाटर रेटस बढ गये हैं यानी किसान के इस्तेमाल करने की हर चीज के रेटस बढ गये हैं एक किल्ला जमीन पर किसान का 1500 रूपया का कम्पेंसै ान देने से हिचकिचाना नहीं चाहिए। अगर नैचुरल क्लैमिटी के कारण पाला, ओला, गर्म हवा, सर्द हवा और टिडडी के कारण, डिपार्टमैंट के कर्मचारियों की नैगलीजैंस के कारण अगर किसान की फसल का नुकसान हो जाता है तो सरकार को कम्पंसे ान देने के मामले में उदार नीति अपनानी चाहिए। अगर इस किस्म की नीति अपनाई जाएगी तभी किसान का भला हो सकता है। किसान के आंसू पूंछने वाली बात न करें।

अब मैं ला एंड आर्डर की सिचुए ान के बारे में कहना चाहता हूं। सरकार कहती है कि ला एंड आर्डर में सुधार हो रहा है। मैं आपको अपने क्षेत्र की आप बीती सुनाता हूं। मेरे हलके में मुहमपुर माजरा एक गांव है। इस गांव में एक बच्चे को कत्ल करके कुएं में डाल दिया गया लेकिन आज तक इसके मुजरिमों को सरकार पकड नहीं सकी हैं ए0एस0आई0 दूसरे लोगों को धमका कर पैसे ऐंठतहा है और असली मुजरिमों को पकडने में टालमटोल कर रहा है। जहां इस प्रकार का वातावरण हो, वहां सरकार कैसे कह सकती है कि ला एंड आर्डर ठीक है।

चेयरमैन साहब, सरकार हैल्थ डिपार्टमैंट द्वारा किये गये कार्यों की भी सराहना करती है। मेरे हलके में चीमनी गांव में

एक डिस्पैंसरी है। इस डिस्पैंसरी की बिल्डिंग डिलैपिडेटिड कंडी ान में है। मेरी सरकार से दुर्खास्त है कि इस बिल्डिंग की मुरम्मत करवाई जाए।

इसके इलावा में सरकार से यह कहना चाहूंगा कि रोहतक जिले के साथ जो आज भेदभाव का सलूक बरता जा रहा है इसकौ दूर किया जाए। रोहतक हरियाणा प्रांत का सबसे बडा भाहर है लेकिन इसमें को मिनी सैक्रेटेरिएट नहीं है और न ही कोई डिफैंस कालोनी बनाई गई हैं 1955–56 में डिफैंस मिनिस्टर, श्री वी0के0 कृश्णामेमन, ने झज्जर में एक सैनिक स्कूल का पत्थर रखा था लेकिन वह स्कूल अब गांव कुंजपुरा में चल रहा है। मेरी सरकार से दुर्खास्त है कि झज्जर में एक सैनिक स्कूल खुलना चाहिए क्योंकि झज्जर तहसील से सबसे ज्यादा आदमी फौज में जाते हैं। मैंने पिछले दिनों अखबारों में पढा था कि हरियाणा में कोई और दूसरा सैनिक स्कूल खुलने जा रहा है। मेरी सरकार से दुर्खास्त है कि इस स्कूल को झज्जर में खोला जाए। इन भाब्दों के साथ मैं धन्यवाद प्रस्ताव का विरोध करता हुआ अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

चौधरी मांगे राम (बहादुरगढ): चेयरमैन साहब, कल रूलिंग पार्टी के सदस्यों ने कहा कि विपक्ष के लोग गवर्नर के अभिभाशण को भली प्रकार से पढ कर नहीं आते। मैंने इस एड्रैस को ए से जैड तक पढा है लेकिन इसमें कोई सच्चाई नहीं हैं। चेयरमैन साहब, गवर्नर महोदय ने अपने अभिभाशण में यह कहा है

कि हरियाणा सरकार बीस सूत्री कार्यक्रम के अनुसार भाहरों को सुन्दर बनाने जा रही है लेकिन इसके विपरीत बहादुरगढ भाहर में जगह जगह गंदगी के ढेर पडे हैं। लाइटों का कोई इन्तजाम नहीं है। नालियों का यह हाल है कि उनमें मच्छर और कीडे पलते हैं और सीवर बंद पडे हैं। महीनों तक कोई सफाई नहीं होती। सफाई कर्मचारी प्र ाासक के घर पर काम करने में लगे रहते हैं। चूंगी की यह हालत है कि सारी की सारी चुंगी चोरी में चली जाती है जिससे नगरपालिका दिवालिया हो गई हैं।

चेयरमैन साहब, गवर्नर साहब ने अपने अभिभाशण में यह भी कहा है कि बीस सूत्री कार्यक्रम के अंदर पीने का पानी सप्लाई करना मेरी सरकार का पहला कर्त्तव्य है लेकिन हालत यह है कि बहादुरगढ हलके में पायी, बराही, बरोणा, जाखौदा, मांडोठी, मुकन्दपुर गांव में चार पांच साल से डिगियौं का काम चालू है। यह सरकार उन वाटर वर्कस के कामों को पूरा नहीं करा सकी जो काफी समय से पैंडिंग पडे हैं। चेयरमैन साहब, इन गांवों के कुओं का पानी भी खारी हैं लोग दो तीन मील से पानी लाते हैं चेयरमैन साहब, जो सरकार किसानों को बिजली और पानी नहीं दे सकती उसके लिए बडी लज्जा की बात है। इन भाब्दों के साथ मैं इस अभिभाशण का विरोध करता हूं।

श्रीमती बसन्ती देवी (हसनगढ): चेयरमैन साहब, मैंने गवर्नर एड्रैस को पढा। इस एड्रैस में गांवों के विकास के बारे में लिखा हुआ है लेकिन मैं तो यही सोचती हूं कि ग्राम विकास के

विशय में केवल लिखा ही जाता है परन्तु विकास को कोई भी कार्य नहीं किया जाता। मैं तो यहां तक कहने के लिए तैयार हूं कि ग्रामों के रहने वाले व्यक्तियों को मनुश्य ही नहीं समझा जाता। मुख्यमंत्री जी यहां पर नहीं बैठे हैं लेकिन वे सुन जरूर होंगे। मुख्य मंत्री जी को मालूम होना चाहिए कि गांव में रहने वाले व्यक्तियों को सैकिंड रेट सीटिजन समझा जाता है। गांवों में रहने वालों को सैकिंड रेट सीटिजन क्यों समझा जाता है ? क्या कांस्टीच्यू ान में लिखा हुआ है कि भाहर में रहने वालों को जो हक हासिल है, वह गांवों में रहने वाले को नही है ? कांस्टीच्यू ान में तो दोनों को बराबर के हक दिये हैं लेकिन वास्तव में गांवों के लोगों को सैकिंड रेट सीटिजन समझा जाता है। हरियाणा सरकार कोई कानून बनाती है तो सब पर लागू होते हैं परन्तु भाहर के लोगों को गांवों के लोगों की अपेक्षा अधिक सहूलियतें प्रदान की जा रही हैं।

अब आप ि ाक्षा को लीजिए। ि ाक्षा के क्षेत्र में सब को बराबर हक मिलना चाहिए परन्तु जब सरकार भाहरों में स्कूल खोलती है तो बिल्डिंग खुद बना कर देती है और इसके दूसरी तरफ गांव वालों को कहा जाता है कि जमीन दो फिर बिल्डिंग बनवा कर दो, तब स्कूल खोला जायेगा। स्पश्ट है कि गांव वालों के लिए सरकार के पास पैसा नहीं है परन्तु भाहर वालों के लिए पैसा है। गांवों के लोग एक एक दो दो रूपया चंदा जमा करके भवन खडा करते हैं तब जाकर स्कूल चालू किया जाता है। अगर

वहां पर 60 मास्टरों की आव यकता है तो बीस मास्टर्ज भेजे जाते हैं। भाहरों के अंदर जितने टीचर्ज की आव यकता होती है उतने ही भेजे जाते हैं। भाहरों के बच्चे मेज और कुर्सी पर बैठते हैं जबकि गांव के बचचे टाट पर बैठते हैं और बहुत से स्कूलों में तो टाट भी उपलबध नहीं होते । सरकार समझती है कि उनके मैले कपडे होते हैं इसलिए उन्हें कुर्सी और मेज की आव यकता नहीं है। सरकार भाहरों के अंदर फर्स्ट कलास भवन बनवाती है, खेलने के मेदान हैं, खेलने का सामान है लेकिन दूसरी ओर गांवों में किसी भी प्रकार की सुविधा नहीं हैं भाहर के स्कूलों में लाइब्रेरी है, लाइब्रेरी में लाइब्रेइन हैं। गांवों के स्कूलों में इस प्रकार का कोई प्रबंध नहीं हैं मैं सरकार से पूछना चाहती हूं कि यह भेदभाव क्यों किया जाता है ? गांवों के लोगों को फस्ट क्लास सीटिजन क्यों नहीं समझता जाता ? भाहर के स्कूलौं में साईस के मास्टर्ज की कोई कमी नहीं है परन्तु गांवों में साइंस मास्टर मिलते ही नहीं और न ही वे गांवों में जाना पसंद करते हैं। अगर गांवों के किसी स्कूल में दस मास्टर्ज की आव यकता है तो वहां मु कल से तीन भेजे जाते हैं और एक एक मास्टर के नीचे सौ सौ बच्चे होते हैं जबकि भाहर में एक मास्ट को बहुत कम बच्चे पढाने के लिए दिये जाते हैं। जो मास्टर भाहर में नौकरी करता है उसे भाहरी भत्ता दिया जाता है लेकिन गांवों में नौकरी करने वाले अध्यापकों को कोई भत्ता नहीं दिया जाता। इसके इलावा भाहर में मास्टर को हाउस रेट मिलता है लेकिन गांवों में नहीं दिया जाता। मैं पूछना चाहती हूं कि गांवों के साथ

ऐसा भेदभाव सरकार की ओर से कयों किया जाता है। मास्टरों के साथ भेदभाव किये जाने के कारण ही वे गांवों में जाना पसन्द नहीं करते। अगर आप लोग रेडियों सुनते हैं तो आप को मालूम होगा कि हर रोज रेडियो प्श्र एक एडवरटाइजमैंट आती है कि हरियाणा सरकार ने निर्णय लिया हुआ है कि जिस गांव में पढने वाले बीस बच्चे होंगे वहां पर एकदम स्कूल खोल देंगे। मैं सरकार से जानना चाहती हूं कि यह झूठा प्रोपगन्डा क्यों किया जाता है ? आपने यह भी देखा होगा कि बसों में पोस्टर लगे हुए हैं कि गांवों के विकास के लिए एक रूपये में से 90 पैसे खर्च किये जाते हैं यह बिल्कुल गलत बात है। अगर 90 पैसे खर्च किये जाते हैं तो गांवों की ऐसी हालत न होती। मैं सरकार से कहना चाहती हूं कि इस प्रकार का झूठा प्रोपेगन्डा नहीं करना चाहिए। क्या कारण है कि दस पैसे में भाहर चमकता है और 90 पैसे लगने के बावजूद भी गांव सडता रहता है ?

इसी प्रकार अगर आप मैडीकल फैसेलिटिज देने की दृश्टि से विचार करें तो मालूम होगा कि गांवों की निस्बत भाहरों में हर प्रकार की सुविधायें प्रदान की गई हैं भाहरों में बडे बडे हस्पताल हैं मरीज को यहा ंपर सफेद बिस्तर मिलता है, हर प्रकार की अच्छी से अच्दी दवाई मिलती है, लेटैस्ट सर्जिकल इन्स्ट्रमैंटस अवेलेबल हैं लेकिन गांवों में ऐसा नहीं है भाहरों में डाक्टर भी हाइली क्वालिफायड हैं लैकिन गांव के अंदर आर0एम0पी0 हैं। वे मैट्रिक पास या मैट्रिक फेल होते हैं और इन्हें दवाइयों का कोई

ज्ञान नहीं होता। इनको तो दवाइयों के पूरे नाम भी नहीं आते हैं। हैल्थ मिनिस्टर महोदय यहा ंपर बैठी नहीं है लेकिन मैं आपके द्वारा उनसे रिक्वेस्ट करूंगी कि वे छः महीने अपने बच्चों का या अपना इलाज उन आर0एम0पी0 डाक्टरों से करा कर देखें, तब उन्हें सही पोजी ान का पता लगेगा कि वह किस प्रकार का इलाज करते हैं। गांवों में जब भी कोई मरीज सीरियस हो जाता है तो उस मरीज को भाहर के हस्पताल में ले जाने के लिए दो सौ रूपये लग जाते हैं। जब हस्पताल से मरीज पहुंचता है तो उस मरीज के गन्दे कपडे देख कर डाक्टर भी उसे बिस्तर नहीं देते हैं। उसे जमीन पर ही लिटा देते हैं दवाई देने के बार में भी कोई परवाह नहीं करते परिणास्वरूप तीन चार घंटे बाद वह मर जाता है। अब उस ला ा को गांवों में वापिस ले जाने के लिए 400 रूपये लगते हैं क्योंकि ला ा ले जाने के अधिक पैसे मांगते हैं इस प्रकार से एक मरीज को ले जाने और लाने पर 600 रूपये खर्च होते हैं जबकि भाहर में रहने वालों को केवल एक रूपये खर्च करना पडता है।

मैं सरकार से जानना चाहती हूं कि भाहर में रहने वाले लोगों को मिट्टी का तेल, चावल और चीनी आदि सभी चीजें उपलब्ध हैं लेकिन गांवों में रहने वालों को दस दस मील से मिटटी का तेल लेने के लिए भाहर में आना पडता है। दूसरी ओर बसों में लिखा हुआ है कि मोटर में मिटटी का तेल और पैट्रोल लेकर चलना मना है। अब आप यह बताएं कि जब बस में वह

मिटटी का तेल नहीं ले जा सकता तो वह दस मील पैदल चल कर कैस आएगा ? अगर वह पैदल चला भी जाता है तो भाहर में पहुंचने पर उसे बताया जाता है कि अभी टैंकर नहीं आया। जब वह दूसरे दिन भाहर आता है तो कहा जाता है कि टैंकर आने वाला है, और आने पर केवल दस आदमियों को तेल बांट दिया जाता है। बाद में कह दिया जाता है कि तेल खत्म हो गया। दूसरी ओर भाहर में बसने वालों को हर प्रकार की सुविधा दी जाती हैं लेकिन ऐसी कोई प्रोब्लम नहीं है जो गांवों में न हों। (व्यवधान) आप लोगों को जो इस वक्त उधर बैंचिज पर बैठे हैं, पता नहीं है (व्यवधान व भाोर) जो मिटटी के तेल के डिपो हैं, वे सब अमीर लोगों को मिले हुए हैं। मिटटी का तेल गरीब आदमी के लिए अवेलेबल नहीं है, वह सिर्फ अमीर आदमियों के लिए अवेलेबल हैं। तेल सीधे ही पैट्रोल पम्प के ऊपर चला जात है और वहीं से बिक जाता है। पैट्रोल पम्प वाले मिटटी के तेल में यूज्ड मोबाइल आयल मिलाकर उसका डीजल बनाकर बेचते हैं और फिर वे ट्रैक्टर वालों और म ाीन वालों को दे दिया जाता है। उनको तो सिर्फ अपने पैसे बनाने से मतलब है। उनकों इस बात से कोई सरोकार नहीं है कि किसी का ट्रैक्टर खराब होता है या किसी की म ाीनरी खराब होती है।

इसके अलावा आप पानी की ही बात ले लीजिये। यहां पर मंत्री जी ने बताा कि वाटर वर्क्स बहुत अच्छी तरह से बन रहे हैं लेकिन मैं अपने रोहतक जिले के हसनगढ गांव की बात ही

करती हूं। मैंने तो वहां पर कहीं भी एक नलका लगा हुआ नहीं देखा जो पिछले साल के दौरान लगा हो। हां, सांपला में पानी के लिए लोगों के सिर फूटते जरूर देखे गए हैं। पुलिस स्टे ान में हर रोज उनके मुकद्दमें होते हैं। चेयरमैन साहब, मैं आपसे दरखास्त करूंगी कि जब भी आप गांव के पास की सडक से गुजरे तो अपनी नजर उठाकर जरा बाहर रखें। आप वहां पर देखेंगे कि छोटे छोटे बच्चे और बूढी औरतें अपने सिर पर पानी के घडे उठाकर दो दो, चार चार मील तक ले जाते हैं। हमें आजाद हुए 35 साल हो गए हैं, लेकिन आजादी के 35 साल के बाद भी हमें पानी सिर पर उठाकर चलना पडता है। आज तक कांग्रेस सरकार लोगों को पानी का पानी भी मुहैया नहीं कर पाई। इससे ज्यादा ज्यादती और क्या हो सकती है, इससे ज्यादा इस सरकार से हम उम्मीद भी नहीं कर सकते। मैं तो यह कहूंगी कि इस सरकार से तो भाायद अंग्रेजों का राज ही अच्छा था। हर गांव के अंदर उस समय गोरा हुआ करता था जहां पर गांव की बहु बेटियां सुबह जंगल पानी जाया करती थी। लेकिन आज हालत यह है कि गांव के चारों तरफ पानी फिर जाता है। आप अपने दिल पर हाथ रखकर देखिए। अगर आपकी बहू बेटियों को खुले में टट्टी जाना पडे तो क्या वे जा सकती हैं ? खैर जो औरतें बूढी हो जाती हैं वे तो कहीं पर बैठ जाती हैं। क्योंकि उनको तो भार्म रहती नहीं है लेकिन जो हमारी बहू बेटियां हैं उनको इस वजह से बडी दिक्कत होती हैं। एक बात मुझे याद आयी है। एक दिन मैं दिल्ली से रोहतक बस में आ रही थी। मेरे सामने ही एक गांव का नया

विवाहित जोडा बैठा था और साथ ही 3–4 लडके बैठे हुए थे। जो लडकी थी, वह एक तो नयी ब्याही थी, दूसरे उसने घूंघट काढ रखा था, तीसरे उसे भार्म आ रही थी जिस की वजह से अपने आपको खूब अच्छी तरह से लपेट रखा था। कहने का मतलब यह है कि उसने चारों तरफ से अपने आपको ढक रखा था। लडके जो पास बैठे थे, कहने लगे कि आज तो ऊंगली भी न दिखन दे जब बूढ़ी हो जाएगी तो कुर्ता काढ कर गाल में बैठी रहेगी। (व्यवधान एव भाोर) लछमन सिंह जी मैं तो दिल से बोलती हूं। मुझे हमदर्दी है उन लोगों से इसलिए भायद मेरी बात आपको ठीक लगती हो। (व्यवधान एव भाोर)

एक बात मैं और कहना चाहूंगी किसान जो चावल पैदा करता है, उसको अपना चावल हरियाणा से बाहर ले जाने की इजाजत नहीं है क्योंकि हो सकता है उसे कुछ ज्यादा कीमत मिल जाये। भिवानी में एक मिल है जो कपडा बनाती है लेकिन उसका कपडा सारे दे ा में जाता है। उसके ऊपर कोई रूकावट नहीं है। भिवानी में जो चीज बनती है वह तो सारे दे ा में जा सकती है लेकिन जो चावल यहां पर पेदा होता है, वह नहीं जा सकता। ऐसा क्यों है ? मैं सी0एम0 साहब से यह पूछना चाहती हूं कि गांव के लोगों के साथ सैंकिंड रेट सिटीजन का व्यवहार क्यों किया जा रहा है ? यह नीति भविश्य में छोड दी जाए और भाहरों और गांवों के लोगों को एट पार ट्रीट किया जाए। भाहर के लोगों की तरह ही गांवों को सुविधायें देने की कोि ा ा करनी चाहिए। अब

भाहरों में तो बाकायदा पिक्चर हाल वगैरा एन्टरटेनमैंट के लिए बने हुए हैं, दूसरी चीजें भी हैं लेकिन गांवों में लोगों के लिए एन्टरटेनमैंट के लिए कोई भी चीज नहीं है। मैं एक बात तो यहां पर कम से कम सही कह सकती हूं कि यहां सदन में 90 के 90 मैम्बर बैठे हैं। इनमें कोई राजघराने से ताल्लुक नहीं रखता। सभी गरीब घरों से आए हुए हैं। लेकिन इन कुर्सियों पर बैठकर पता नहीं यह कैसे भूल जाते हैं कि जिन आदमियों ने इनको इस काबिल बनाकर भेजा है, जिन आदमियों ने इनको यहां तक पहुंचाया है, जिन आदमियों के बलबूते पर यहां आए हैं और जिनकी बदौलत हम यहां पर बैठे हैं, उनके लिये कुछ करें। मैं सी0एम0 साहब से रिक्वैस्ट करूंगी वे यहां पर बैठे नहीं हैं, जब वे यहां पर आयें तो उनको यह बात कन्वे कर दी जाए कि गांव के लोगों के साथ यह सैकंड रेट सिटीजन का व्यवहार समाप्त किया जाए। धन्यवाद।

श्री भागी राम (एलनाबाद–अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, गवर्नर साहब से जबरदस्ती किताब पढाई गयी जिसे किसी लोक सम्पर्क विभाग के कर्मचारी ने लिख दिया और गवर्नर साहब ने मजबूर होकर यहां पर खडे होकर थोडा सा पढ दिया और थोडा सा भूल गए। उनको भाायद इस बात का पता नहीं था कि इसके अंदर क्या है ? अब यह प्रस्ताव आया है कि उनको इसके लिए धन्यवाद प्रस्ताव भेजा जाये। मैं इस प्रस्ताव का विरोध करने के लिए खडा हुआ हूं। विरोध इसलिए करने के लिए खडा हुआ

हूं क्योंकि इस किताब में वह सारा कुछ नहीं हैं जो यह सरकार कर रही है। इस किताब में खाली सरकार के कामों के गीत गाये गये हैं उसी तरह से जिस तरह से ढोलक पीटने वाले गीत गाया करते हैं कि यह सरकार यह कर रही है वह कर रही है। लेकिन जो कुछ आज सरकार कर रही है वह असल में बताती नहीं हैं चेयरमैन साहब, मैं हाउस का ज्यादा टाईम नहीं लूंगा। मैं थोडी देर में ही समाप्त कर दूंगा। लेकिन इस दौरान मैं अपने हल्के खासकर सिरसा जिले की बात कहना चाहता हूं वैसे तो सिरसा जिले के और भी 4–5 एम0एल0एज0 हैं उनसे मेरी बात हुई थी लेकिन वे कहने लगे कि हमारी जुबान पर तो पटटी बंधी हुई है हम मजबूर हैं क्योंकि हम तो बंधुआ हैं, इसलिए मैं उनकी तरफ से भी कहूंगा और आ ाा करूंगा कि उनका टाईम भी मुझे ही मिलना चाहिए। सिरसा जिले में एलनाबाद एक कस्बा है। यह मेरा हल्का भी हैं वहां पर वाटर वर्क्स बन रहा था। आज ही मंत्री जी ने जवाब में बताया था कि वहां पर तो जमीन का झगडा है। चेयरमैन साहब, वाटर वर्क्स वहां पर बनने लग रहा था, सारी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं पाईप डालने के लिए पहुंच चुकी थी लेकिन वह पाईप वहां से उठाकर ले गये। नालियां वगैरा सब कुछ बन कर तैयार हो गयीं लेकिन वहां से पाईप वगैरा उठा कर ले गये। यह केवल इसलिए कि वहां के लोगों ने मुझे अपना नुमायन्दा चुना और अपना नेता माना। चेयरमैन साहब, यही नहीं, वह एक सब तहसील है। यहां पर चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी बैठे हुए हैं, इनको पता है कि मैंने हरेक ग्रीवेनसिज कमेटी की मीटिंग में

एलनाबाद के बारे में ि ाकायत की है कि वहां पर गलियों और बाजार में इतना कीचड है कि आम आदमी चल भी नहीं सकता लेकिन इनकी भी मजबूरी है, ये कुछ कर नहीं सकते। चेयरमैन साहब, मेरी आपसे यह गुजारि ा है जिस प्रकार बदले की भावना से यह सरकार काम कर रही है, उससे इसको रोका जाये और इसको आप आदे ा दें कि इस किस्म से गलत काम न करें। यही नहीं, इस किताब में यह भी लिखा हुआ है कि सारे हरियाणा के गांवों को सडकों से जोडा जायेगा। मैंने पिछले दो सै ानों में यह क्व चन दिया था कि मेरे हल्के में एक मौजा खेड़ा गांव है। इस गांव में एक सडक बन रही थी। इनकी सरकार ने आते ही वहां से ईंटे उठवा लीं और दूसरा सामान भी उठवा लिया। यह बात बिल्कुल सही है। मुझे पता नहीं कि यह सरकार उस सामान को आदमपुर ले गई या कहीं और ले गई। चेयरमैन साहब, मेरे यहां ओटू पूल की खुदाई करने के लिए चौधरी देवी लाल के समय पैसा मंजूर हुआ था लेकिन इस सरकार ने उसको भी बंद कर दिया। चेयरमैन साहब, मेरे हलके में एन0जी0सी0 और एस0जी0सी0 नहरों पर मिटटी डालने का काम भुरू किया गया था लेकिन वह बंद कर दिया गया। इसी तरह से अनेकों माइनर्ज जैसे बरवाला माइनर, घोलपालिया माइनर, नकोडा माइनर, कि ानपुरा माइनर बन रहे थे जिस दिन चौधरी भजन लाल की सरकार आई और चौधरी भजन लाल कुर्सी पर बैठे उसी दिन सारा सामान उठवा लिया। चेयरमैन साहब, अखबारों में चर्चा चल रही है कि मार्किट बोर्ड के कुछ सैक्रेटरीज सस्पैंड कर दिए गए हैं। बेचारे

रोते फिर रहे हैं और कह रहे हैं कि हमें ही क्यों सस्पैंड किया गया है हम अकेले ही दोशी नहीं हैं .....

उद्योग मंत्री (श्री लछमण सिंह): चेयरमैन साहब,..... ..... यह रैलवैंट नहीं हैं किसी की कहीं हुई बात हाउस में नहीं कहीं जा सकती। इसलिए इन भाब्दों को ऐक्सपंज करा दिया जाए।

चौधरी भागी रामः यह बात वे सैक्रेटरीज कह रहे हैं जिनको सस्पैंड किया गया है। ..... हम अकेले ही दोशी नहीं हैं। हमने तो वही किया जो सी0ए0 ने आर्डर दिया।

चेयरमैन साहब, मेरे हल्के में गिन्दवड़ा एक गांव है। वहां पर पांच छः मुजारे चालीस चालीस साल से जमीन का त कर रहे थे और सरकार ने उनको पुराना मुजारा मानकर जमीन अलौट कर दी थी। उन लोगों ने सात आठ कि तें भी भर दी लेकिन मि0 नेहरा के एक पर्सनल आदमी जिसका नाम मनीराम मूढ है, ने मुजारों के छप्परों में आग लगवा दी। चेयरमैन साहब, एफ0आई0आर0 दर्ज करवाने के लिए थाने थाने में गए बडी मु ि कल से एफ0आई0आर0 दर्ज करवाई। चोरी का पर्चा दर्ज है लेकिन नेहरा साहब उनकी मदद कर रहे हैं और उस आदमी के खिलाफ कोई ऐक ान नहीं होने दे रहे हैं। चेयरमैन साहब, अनेकों जगह हरिजनों को जमीनों से उजाडा जा रहा है और सरकार हरिजनों की मदद करने में नाकामयाब है।

चेयरमैन साहब, इसी तरह से मेरे हल्के में ला एंड आर्डर की बात है। मेरे हल्के में पोहड का गांव है। वहां पर एक गुरूदेव सिंह नाम का आदमी है जो सरदार है और मेरा स्पोर्टर है। ऊपर से हुकम हुआ कि गुरूदेव सिंह को पकडा जाए। एस0एच0ओ0 गुरदेव सिंह को पकडने के लिए गया। वह दूसरे गुरूदेव सिंह को पकड लाया और बंद कर दिया क्योंकि एस0एच0ओ0 नहीं जानता था कि भागीराम का स्पोर्टर कौन सा गुरूदेव सिंह है। पकडे हुए गुरूदेव सिंह ने कहा कि मैं भागीराम का स्पोर्टर नहीं हूं। एस0एच0ओ0 फिर गांव गया और वहां जाकर पूछा कि भागीराम का स्पोर्टर कौन सा गुरूदेव सिंह है। वह गुरूदेव सिंह गांव में नहीं था। जब एस0एच0ओ0 को गुरूदेव सिंह नहीं मिला तो उसको भतीजे को पिस्तौल के केस में फंसा दिया और उसको गिरफ्तार कर लिया। चेयरमैन साहब, इस तरह की बातें यह सरकार कर रही है।

चेयरमैन साहब, चंद दिन पहले अखबारों में सिविल अस्पताल हिसार के बारे में एक खबर छपी थी जो कि बहुत ही भार्मनाक थी। जिस आदमी ने वह भार्मनाक हरकत की। वह सरकार का निजी आदमी था। वह आदमी अस्पताल में गलत तरीके से दाखिल हो गया। उसको कोई बीमारी नहीं थी। उसको बीमारी यही थी कि छेड़छाड़ की जाए। उस आदमी ने अस्पताल में एक नर्स से छेडछाड की। सारा अस्पताल इकट्ठा हो गया, डाक्टर्ज

और नसें इकटठी हो गई। वहुत जोर लगाया लेनि इस केस के बारे में रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई।

चेयरमैन साहब, मेरे हल्के में एक गांव ठोबरिया है। वहां पर मिरजापुर माइनर है। उस गांव में केवल एक घर है जिसने कांग्रेस को वोट दिया था। उस एक आदमी के कहने पर सरकार ने मोघा बदल दिया और उसको दूसरी जगह कर दियां

श्री सभापतिः आपका टाईम खत्म हो चुका है। अब आप बंद करें

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः किसी प्राईवेअ इडिविजुअल के बारे में कोई बात कहना जिसका कोई प्रुफ न हो, बडी सीरियस बात है। एक मैम्बर पर इस तरह का इलजम नहीं लगाना चाहिए। इस तरह की बात रिकार्ड पर नहीं आनी चाहिए। इसको ऐक्सपंज करा दिया जाये।

श्री भागी रामः चेयरमैन साहब, उस मोघे से तीन सौ चार सौ एकड जमीन की सिंचाई होती थी, लेकिन आज हालत यह है कि सिर्फ चालीस पचास एकड जमीन में पानी लग रहा है। सारे गांव वाले रो रहे हैं। चेयरमैन साहब, सारे सिरसा जिले`क साथ और खासकर मेरे हलके के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं (ाोर एवं व्यवधान) जो वहां के तीन मंत्री हैं वे तो बंधुवा वजीर हैं। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि उनको इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिएं अगर यह सरकार इस तरह से काम करेगी तो

इसका नतीजा ठीक नहीं होगा। (घंटी) चेयरमैन साहब, मैं केवल एक बात कहकर बैठता हूं। सिरसा का जो बस अडडा था चौधरी देवी लाल के वक्त में उसको डिपो बनाया गया था लेकिन बदले की भावना से उसको बंद किया जा रहा हैं चेयरमैन साहब, सिरसा जिले में जितने भी काम हैं वे बंद पडें हैं। अंत में मैं इस ऐड्रैस का विरोध करता हूं।

Mr. Chairman: Remarks by Shri Bhagi Ram, M.L.A. about the C.A. of Marketing Board and Chhana be expunged.

श्रीमती चन्द्रावती: चेयरमैन साहब, किसी रिमार्कस को एक्सपंज/डिलीट करने के लिये भी कोई कानून और कायदे होते हैं। इसके लिये रूल्ज आफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट आफ बिजीनस की एक किताब भी है। अगर कोई गलत काम करेगा तो उसके लिये वैसी ही भाशा का भी इस्तेमाल होगा अगर कोई गलत बात की गई हो तो उसके लिये माफी भी मांगनी होती है। इसलिये इस तरह से आप सभी बातों को डिलीट करवाते जाएंगे तो यह एक गलत रिवायात बन जाएगी।

श्री इन्द्र सिंह नैन (बरवाला): चेयरमैन साहब, 7 मार्च 1983 को राज्यपाल महोदय ने इस हाउस में जो अभिभाशण दिया उसके ऊपर पिछले दो दिनों से चर्चा चल रही है और उस अड्रैस को श्रीमती करतार देवी जी ने विस्तर के साथ सराहा है। मैं भी इस अड्रैस का समर्थन करने के लिये खडा हुआ हूं और पुरजोर समर्थन करता हूं। मेरे से पहले पक्ष और विपक्ष के कुछ विद्वान

मैम्बर इस अड्रैस के बारे में बोल चुके हैं। चेयरमैन साहब, विपक्ष के कुछ भाईयों ने जो कि यहां पर बोले हैं, कहा कि यह राज्यपाल महोदय का अभिभाशण बिल्कुल खोखला है इसके अंदर कुछ नहीं है। मुझे समझ नहीं आता कि उन मैंबरों ने इसको किस नजरियो से देखा है ? रंगदार च मे के साथ पढा है या कि सुपने में पढा है। चेयरमैन साहब, अगर इस अभिभाशण को देखा जाए तो आपको पता लग जाएगा कि हमारी इस सरकार ने कितनी तरक्की के काम किये हैं। इस बारे में मैं आपको एक एक बात बतलाने की कोि ा ा करूंगा। विपक्ष के भाईयों ने यह भी कहा कि इस अभिभाशण में कोई सौलिड बात नहीं कही गयी हैं और न ही सरकार की कोई सौलिड योजना है। मैं यह कहना चाहता हूं कि इस अभिभाशण में बहुत सी सौलिड बातें कहीं गयी हैं जो हमारी सरकार ने की हैं और आगे भी करने जा रही है। सबसे पहले मैं यह कहूंगा कि अगर इसको अच्छी तरह से पढा जाए तो पता चलेगा कि यह अड्रैस हमारी पूजनीय प्रधान मंत्री जी के 20 सूत्री कार्यक्रम के अनुसार ही बनाया गया है उसी पर आधारित है। 20 सूत्री कार्यक्रम के आधार पर 80 प्रति ात पैसा खर्च किया गया है।

चेयरमैन साहब, सबसे पहले इस कार्यक्रम के अनुसार कृशि और उद्योग की ओर ध्यान दिया गया है। इस बारे में अभिभाशण में अच्छी तरह से द ार्शिया गया है लेकिन हमारे विपक्ष के भाई अभी यह कह रहे थे कि यह अभिभाशण खोखला है और

इसमें कोई सौलिड बात नहीं है। सबसे पहले इमसें कृशि और औद्योगित उत्पादन को बढावा देने की बात कही गयी है। चेयरमैन साहब, डाक्टर मंगल सैन जी बडे विद्वान आदमी हैं सुलझे हुए आदमी हैं लायक भी हैं उन्होंने यह भी कह दिया कि यह अभिभाशण खोखला है और सरकार ने कुछ नहीं किया है। चेयरमैन साहब, मैं उनको यह बतलाना चाहता हूं कि सरकदार ने प्रदे ा की तरक्की के लिये बहुत कुछ किया है। राज्य कृशि मार्केटिंग बोर्ड ने वर्तमान 41 मंडियों में अतिरिक्त सुविधाएं जुटाने के साथ साथ 128 अनाज मंडियों तथा 14 फल मंडियों के लिये एक मास्टर प्लान तैयार किया है। यह मंडियां वि व बैंक परियोजना के अधीन विकसित की जाने वाली 26 मंडियों के अलवा हैं। मैं सरकार से यह कहूंगा कि हमारे बरवाला हल्के में बरवाला व उकलाना ये दो बडे टाऊन हैं वहां पर आटोमोबाइल की सुविधाएं प्रदान की जाएं और साथ ही सीवरेज वगैरह की सुविधाएं प्रदान की जाएं क्योंकि ये दोनों बडे भारी टाऊन हैं।

चेयरमैन साहब, इसके इलवा यहां पर सिंचाई के बारे में भी कहा गया है। सिंचाइ और बिजली की कमी को बढावा दिया गया है। ताजेवाला समस्या को हल करने के लिये पानीपत थर्मल प्लांट में 210–210 मैगावाट के दो संयंत्रों वाली यमुनानगर ताप परियोजनाओं के प्रथम चरण को केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण का तकनीकी आर्थिक अनुमोदन प्राप्त हो चुका है। इसके अतिरिक्त दादुपुर तथा खेड़ी बरोटा में दो लघु जल परियोजनाओं की

योजना बनाकर केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण को प्रस्तुत कर दी गई हैं। लेकिन फिर भी अपोजी ान के भाई कहते हैं कि सरकार कुछ नहीं कर रही है। जैसा कि मैंने पहले कहा कि पता नहीं ये लोग किस नजरियो से इस अभिभाशण को देखते हैं इन्होंने तो यह समझ लिया कि सरकार के कामों को हमे ाा ही बुरा कहन है अच्छी बात तो कहनी नही। क्रिटीजिसम जरूर करना है। हमें तो कहते हैं कि अपोजी ान की तरफ से क्रिटीसिजम होना चाहिए लेकिन क्रिटीसिजम भी तो हैल्दी होना चाहिए जिससे सारी स्टेट का भला हो सके और सरकार सतर्क रहे लेकिन जब सरकार पहले ही अपने कामों में हर तरह से निपुण है तो फिर यूं ही बोलने के लिये क्रिटीसिजम करना यह कोई अच्छी बात नहीं है।

इसके इलावा चेयरमैन साहब, बनों के महत्व को ऊंचा करने के लिये एक बोर्ड बनाया गया है जिसके लिए 33 करोड रूपये की रा ि ा वर्ल्ड बैंक से प्राप्त हुई है। इस रा ि ा को वन लगाने के लिए प्रयोग में लाया जाएगा। चेयरमैन साहब, औद्योगिक विकास के लिये हरियाणा वित्तीय निगम, हरियाणा इंडस्ट्रीयल विकास कार्पोरे ान और हैफेड हैं, जो किसानों क हितैशी हैं, मित्र हैं इससे लोगों को काफी सहायता मिलती है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए।)

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने 18 मिलें धान से चावल निकालने की लगाई हैं और इसी तरह की पांच मिलें और लगाने का सरकार का विचार है। इसी तरह से उकलाना मंडी में

धागा मिल, बरवाला में मैदा मिल और भााहबाद व हिसार में कोल्ड स्टोरेज और हिसार में आईस फैक्टरी भी लग रही है। इसके अलावा सबसे बडी बात सरकार ने वीकर सैक ानज के लिए की हैं पहले ही एक हरियाणा हरिजन कल्याण निगम की स्थापना हो चुकी है और दूसरा बैकवर्ड क्लासिज कल्याण निगम बना हुआ है। अब एक और नया गिम सरकार ने बनाया जो कि इक्नामीक्ली वीकर सैक ान्ज के लिए बनाया गया है जो कि गरीब आदमियों को कर्जा देता है। आपने पढा भी होगा कि जगह जगह पर गरीब आदमियों को जिनकी हालत बडी खस्ता है एक्चुअली जो वीकर सैक ानज से ताल्लुक रखते हैं। सरकार इन नियमों द्वारा उनकी काफी मदद की है और कर भी रही है। अध्यक्ष महोदय, इसके इलावा हरियाणा के अंदर पानीपत के एक गांव बहौली के पास एक स्थल इस आ ाय से चुन लिया गया है कि वहां पर तेल भाोधक कारखाने की स्थापना की जाएगी जिस पर 900 करोड रूपये के लगभग खर्चा आएगा और इस से हमारे प्रांत को काफी फायदा होगां इससे लगभग 2000 लोगों को रोजगार मिलने की पूरी पूरी आ ाा है। इस बारे में यहां पर कई भाईयों ने यह भी कह दिया कि इस कारखाने में केवल बाहर के लोगौं को ही नौकरियां मिलेंगी। ऐसी बात नहीं है इसमें हमारे प्रांत का पूरा इंट्रस्ट हैं।

13.00 बजे।

मैं इस बात को मानता हूं कि फर्स्ट प्रैफरैंस या प्रियारिटी स्टेट के आदमियों को देनी चाहिए लेकिन कानूनी पाबंदी नहीं लगा सकते कि कोई बाहर से आदमी नहीं आ सकते। फर्स्ट प्रियारिटी दी जा सकती है और देनी भी चाहिए। इसके अलावा मैं ि ाक्षा की बात करूंगा। यहा ंपर बडी बातें कहीं गई। भागमल जी ने नेहरा साहब का नाम लेते हुए कहा कि ि ाक्षा का स्तर बडा गिरता जा रहा है। ि ाक्षा के बारे में हमारी सरकार ने बडे कदम उठाए हैं। और खेलों को एक कम्पलसरी सब्जैक्ट बना दिया गया है। आपको मालूम है कि हमारे हरियाणा ने दिल्ली के अंदर एि ायन गेम्ज में बडा अच्दा रोल अदा किया है। हमारे खिलाडियों ने बडा अच्छा नाम कमाया है जिससे हरियाणा का नाम सारे दे ा में ऊंचा हुआ है। (घंटी) आपने घंटी बजा दी इसलिए मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा। मैं एक दो बातें और कहना चाहता हूं। हमारे अपोजी ान के भाई कह रहे थे कि सरकार का यह भाशण अच्छा नहीं हें ये अपनी बात नहीं देखते। अभी थोडे दिनों की बात है, ये मेरे हल्के में जलसा कर रहे थे। यह तो मुझे पता नहीं कि वह लोक दल (च) था या (छ) था। अध्यक्ष महोदय, वहां पर हिन्दुस्तान के भूतपूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह आए थे और वहां पर टोटल चार हजार आदमी हाजिर थे। इतनी थोडी हाजिरी देखकर वे इनको कोसने लगे। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, यह मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि कल डा0 मंगल सैन ने कहा था कि वे प्रजातंत्र में वि वास रखते हैं मैं कहता हूं कि ये प्रजातंत्र में वि वास नहीं रखतें

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। यह बात इस एडैरस से रैलेवैंट नहीं है कि हम कहां पर जलसा कर रहे हैं वैसे मैं इनको बता दूं कि यह तो अगले चुनाव में पता लग जाएगा कि चार हजार आदमी थे या 80 हजार थे (ाोर)

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। इन्द्र सिंह जी आप गवर्नर एडरैस पर ही बोलिए।

श्री इन्द्र सिंह नैनः स्पीकर साहब, यह रैलवैंट इसलिए है कि इनकी नीति फेल हो चुकी है। वहां पर जब चौधरी चरण सिंह आधा घंटा बोल लिए तो सारे आदमी चले गये और सिर्फ दरियां उठाने वाले रह गए। (घंटी) मैं ज्यादा न कहते हुए इस प्रस्ताव का पुरजोर समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ): स्पीकर साहब, बहिन करतार देवी ने राज्य पाल महोदय के अभिभाशण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव सदन में रखा है, मैं अपना पावन कर्त्तव्य निभाते हुए इस प्रस्ताव का विरोध करने के लिए खडा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले गवर्नर साहब ने इस अभिभाशण में भाुरूआत इन भाब्दों से की है कि हरियाणा विधान सभा के पहले सत्र के अवसर पर आप सबका स्वागत करते हुए मुझे अंत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आप इनकी प्रसन्नता का अंदाजा लगाएं। जब भी यहां सदन बुलाया जता है तो हमारा स्वागत बन्दूक की नोक से होता

है। पिछली बार भी सदन बुलाया गया तो उस वक्त विधान सभा के बाहर एक जबरदस्त छावनी बना रखी थी। ए ूंदज जव`ंल जींज जीपे `जंजमउमदज वि जीम ळवअमतदवत पे अमतल उनबी बवदजतंकपबंजवतल जव जीम इमींअपवनत वि जीम ळवअमतदउमदजण इस अभिभाशण की भाुरूआत ही कम्ट्राडिक्टरी है। इससे आगे नम्बर दो पर आता हूं। वश्र 1982 में हरियाणा में ओला वृश्टि के किसानों को बहुत नुकसासन हुआ था। उसका भी जिक्र इसमें है। उसके लिए सरकार ने 14.49 करोड रूपये राहत के रूप में हरियाणा के किसानों को देने की बात कही है। अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यक से अपना रोश प्रकट करना चाहता हूं। हरियाणाा की जमीन पर जिन लोगों का ओलों की वजह से नुकसान हुआ था। उस संबंध में मैं प्रान्त के कुछ किसानों से अलग अलग जगहों पर मिला हूं। मुझे मालूम हुआ है कि 50 प्रति ात किसानों को भी वह मुआवजा नहीं मिला। किसानों को इंतजार थी कि इस नुकसान की वजह से कुछ राहत मिलेगी लेनि वह राहत का पैसा सरकार और प्र ाासन के बीच खुर्द बुर्द हो गया। सरकार और प्र ाासन के बची यह पैसा बांटा गया, यह इसमें एक निराधार बात है। तीसरे नम्बर पर इस अभिभाशण में रोजगार के बारे में कहा गया हैं अध्यक्ष जी रोजगार के लिए अवसर जुटाने की बात की इस अभिभाशण में चर्चा है। सरकार रोजगार दे नहीं सकती क्योंकि यह तो अपनी सरकार सन्सर्नज को नहीं बचा सकी। जीम ळवअमतदउमदज `ीवनस ंबबमचज जीम ंिपसनतम जव तनद जीम ळवअमतदउमदज बवदबमतेण मैं आपके

माध्यम से बताना चाहता हूं कि इनकी चार सरकारी कंसर्न थी। एक माचिस का कारखाना, एक चमडा उद्योग का कारखाना, एक स्टील उद्योग था वे सब ही असफल रहे। इनमें करोडों रूपये का घाटा हुआ और बंद हो गये। भ्वू बंद पज इम ंबबमचजमक जींज जीम ळवअमतदउमदज पे जतलपदह जव हपअम मउचसवलउमदज घ जब सरकार अपनी कंसर्न ही नहीं चला सकती तो रोजगार के साधन कैसे जुटा सकती है ? यह खोखली बात इस अभिभाशण में कही गई है। अध्यक्ष जी चौथे स्थान पर बीस सूत्री प्रोग्राम का जिक्र है। भ्मतम प ूवनसक सपाम जव ेल जींज 80ः वि जीम जवजंस इनकहमज पे ंससवबंजमक वित 20 च्वपदज च्तवहतंउउमण इस सदन में इधर के सभी साथियों को होड लगी हुई है कि बीस सूत्री की चर्चा करके अपना नम्बर बना लिया जाये। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि सरकार हरियाणा के लोगों की समस्याओं के प्रति कितनी चिन्तित हे और कितनी ईमानदारी से उनकी समस्याओं को सुलझाने के सरकार सोचती है। मैं ये बातें मुख्य मंत्री जी उपस्थिति में कहना चाहता था लेकिन मुख्य मंत्री जी भाायद बीस सूत्री के समर्थन में दिल्ली चले गए होंगे। यह एक ऐसा गलत प्रोग्राम है जिसकी वजह से सरकार की एनर्जी वेस्ट जा रही है। सरकार को जो बजट है जींज पे इपमदह ेचमदज जव चवचनसंतपेम ं चमतेवदए जव चवचनसंतपेम ं चंतजलण हरियाणा के लोगों का जो खून पसीने का धन है जींज पे इमपदह ेचमदज जव चवचनसंतपेम ं चमतेवदए जव चवचनसंतपेम ं चंतजलण बसी सूत्री प्रोग्राम के माध्यम से उसका दुरूपयोग हो रहा है। इस

अभिभाशण के इन चारों पैराग्राफ्स में जीमत पे दवज उमदजपवद इवनज दल बिजेण इतनी देर से यह बीस सूत्री प्रोग्राम चल रहा है लेकिन इस अभिभाशण में सरकार यह जिक्र नहीं कर सकी कि बीस सूत्री प्रोग्राम के माध्यम से हरियाणा के गरीब का इतना कल्याण हुआ। बजट का 80 प्रति ात पेसा बरबाद हो रहा है आगे भी होगा। सारी सरकार की ताकत इस पर लगी हुई है। इन भाईयों में कई मेरे बड़े अच्छे मित्र हैं, वे भी बीस सूत्री की बातें करते हैं। वे मरे को एक जानकारी नहीं दे पाए कि इस बीस सूत्री प्रोग्राम से हरियाणा में इतने खारी पानी की बजाए इतना मीठा पानी दयिा और इन लोगों को ि ाक्षा दिलाई गई। मैं कहता हूं कि यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो हरियाणा के अहित में है। प्ज पे बवदजतंकपबजवलत जंजमउमदज पद पजेमसण्ि सह अभिभाशण कन्ट्राडिक ान्ज से भरा पडा है। गवर्नर साहब इस अभिभाशण में सरकार का जिक्र कुछ कर गए और यह सरकार कुछ और ही कर रही है। कृशि के संबंध में भी लिखा है कि कृशि का विकास कृशकों की हालत में सुधार लाने के लिए सरकार कोि ा ा कर रही है। अध्यक्ष महोदय, 1982 के साल में हरियाणा के किसान पर प्राकृतिक विपदाओं का जितना असर हुआ है उतना असर भाायद किसी और पड़ा हो। अध्यक्ष महोदय कहीं पर ओला वृश्टि हुई, कहीं पर बाढ का प्रकोप हुआ इन विपदाओं का किसानों पर बहुत बुरा असर पडा हैं इसके साथ ही साथ सरकार ने बिजली की सप्लाइ न करके किसानों को बिल्कुल ही बरबाद कर दिया है। राज्यापाल के अभिभाशण में बिजली की सप्लाई बढाने के बारे में

और ताप बिजली घरों की बिजली का उत्पादन बढाने के बारे में जिक्र किया गया है लेकिन अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से यह बात कहना चाहता हूं कि पिछले साल हरियाणा के किसानों को बिजली बढाने के लिए आमरण अन ान रखना पडां अध्यक्ष महोदय लौहारू में दीप चंद भयोरान नाम का व्यक्ति किसानों को बिजली की सप्लाई न मिलने के कारण आमरण अन ान पर रहा लौहारू बहुत ही पिछडा हुआ क्षेत्र है। उस एरिया में पानी भी 300 फुट की गहराई पर है और रोजाना 4 घंटे भी बिजली नहीं मिल पाती। (घंटी) अध्यक्ष महोदया मैं आपके अनुमति से ही बोलूंगा और आप जितना समय मुझे बोलने के लिए देंगे, उतनी ही देर बोलूंगा। अध्यक्ष महोदय, जख्म बहुत ही गहरा है इसलिए एक भोयर अजै है:—

जख्म इतना गहरा हे, मु ारत पर रिवाजों का सख्त पहरा है,

न जाने यह दिल किस उम्मीद पर ठहरा है,

तेरी आंखों से छलकते इस गम की कमस ऐ दोस्त,

दर्द का रि ता बहुत गहरा है।

अध्यक्ष महोदय, आप किसान हैं इसलिए आप किसानों के दद्र को अच्छी तरह से महसूस करते हैं इस कुर्सी पर आपके होते हुए हम इंसाफ की उम्मीद करते हैं यह दर्द इतना है कि मुझे बोलने के लिए कम से कम 15—20 मिनट का समय दिया जये।

हम यहां पर हरियाणा के लोगों की बात कहने के लिए इस महान सदन में बैठे हैं। वैसे इस सरकार के होते हुए हरियाणा के किसानों को अपनी भलाई की कोई उम्मीद नहीं करनी चाहिये। अब तो किसानों को खुदा से गुजारि ा करनी चाहिए क्योंकि अब खुदा से मांगने की ही बात रह गई हैं अध्यक्ष महोदय, हम लोग जनता के माध्यम से यहां पर चुनकर आए हैं इसलिए जनता के प्रति हमारा जो कर्त्तव्य बनता है, वह हम निभा रहे हैं कृशि के लिए किसानों को बिजली सप्लाई करना इस सरकार का फर्ज बनता है लेकिन अगर इसके लिए लोग आमरण अन ान पर बैठें यह बडे भार्म की बात है। सरकारी बैंचिज के साथियों ने इस अभिभाशण में बिजली के उत्पादन के बारे मैं बातें कही हैं अध्यक्ष महोदय फरीदाबाद थर्मल प्लांट और पानीपत थर्मल प्लांट है इनमे से कोई भी थर्मल प्लांट बिजली उत्पादन में रनिंग टू दि कैपसिटी नहीं है। टाटा, बिडला जैसे प्राइवेट लोग बिजली उत्पादन के लिए आपने प्लांट चला रहे हैं They are running more than 60% to the capacity of their plants. लेकिन हमारो कोई भी प्लांट 40 परसैंट से ज्यादा बिजली पैदा नहीं कर रहा है क्योंकि यह सरकार तो हवाई जहाज खरीदने में लगी हुइ है और 20 सूत्री कार्यक्रम को सफल बनाने में लगी हुई हैं मैं यह कहना चाहता हूं कि हरियाणा के किसानों को बरबाद करने से यह 20 सूत्री कार्यक्रम सफल नहीं होगा। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल के अभिभाशण को तैयार करने वालों के ध्यान में नहीं आई इस अभिभाशण में एक पक्ति यह जौड दी गई है कि स्कूलों के पाठयक्रम मैं नैतिक

ि ाक्षा का जिक्र किया जएगा। वह कौन सी नैतिक ि ाक्षा होगी और उसका कौन सा पाठयक्रम होगा, क्या यह नैतिकता हिन्दुस्तान की रामायण की संस्कृति की होगी ? क्या यह नैतिकता प्राण जाए पर वचन न जाइ होगी ? अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में आज जो आधुनिक नैतिकता बनी हुई है .....

यह कौन सी नैतिकता का पाठयक्रम है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, आपनै घंटी बजा दी। मैं आपकी इजाजत से बोलूंगा अगर आप इजाजत नहीं देंगं तो नहीं बोलूंगा। आप मुझे केवल 5 मिन का समय और दे दें और मुझे अपनी स्पीच कनकल्यूड करने दें। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, एक बहुत ही जरूरी बात है वह कहने से रह जाएगीं यह बात ठीक है कि आज हमारी जुबान पर बंदि ा हैं अध्यक्ष महोदय, राजयपाल के अभिभाशण में क्षेंत्रीय समानता मिटाने की बात कही गइ हें यह क्षेत्रीय समानता मिटाने की जो बात है इस बारे में मैं यह कहना चाहत हूं कि हरियाणा प्रान्त में महन्द्रगढ जिला सबसे ज्यादा पिछडा हुआ क्षेत्र है। यह बात ठीक है कि मेवात में बसने वाले भाईयों के लिए इस संरकार ने मेवात डिवैल्पमैंट बोर्ड बना दिया यह अच्छी बात है कि मेवात का विकास होना चाहिए लेकिन राजनैतिक आधार पर क्षेत्रीय समानता मिटाने की बात गलत है। अध्यक्ष महोदय, महेन्द्रगढ का विकास इसलिए रोक दिया गया है क्योंकि उस महेन्द्रगढ कांस्टीज्युएंसी को मैं रिप्रैजैंअ करता हूं। अध्यक्ष महोदय मैं महेन्द्रगढ के बारे में एक बात और कहना चाहता हूं और वह बात स्वास्थ्य से संबंधित है।

महेन्द्रगढ के अस्पताल के एक डाक्टर की इन्क्वायरी हमारी हैल्थ मिनिस्टिर साहिबा द्वारा की गई थी। इंक्वायरी की वजह से प्रिस्क्रि ान तो चेंज हो गइ है लेकिन लोग मर रहे हैं वहां पर जच्चा, बच्चा की कोई देखभाल नहीं है। जब इंक्वायरी की गई तो उस इंक्वायरी रिपोर्ट में वह डाक्टर दोशी पाया गया लेकिन फिर भी वहां के लोगों के साथ बेइंसाफी और जुल्म हो रहे हैं अध्यक्ष महोदय, हमारी स्वास्थ्य मिनिस्टिर साहिबा यहां पर बैठी हुई है।। मेरी इनसे एक ही गुजारि ा हैं कि ऐसा इन्तजाम कर दें कि वह डाकटर उस इंक्वायरी रिपोर्ट के आधार पर वहां के लोगों के साथ जुल्म न कर सकें। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि इस अभिभाशण में जितनी बातें कही गई हैं। वे सारी की सारी कंट्राडिक्टरी हैं हरियाणा के लोगों पर एक बोझ है और उनके दुखते हुए जख्मों पर नमक छिडकने वाली बातें इस अभिभाशण में कही गई हैं। इन भाब्दों के साथ इसका विरोध करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री ओम प्रका ा महाजन (हिसार): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन में पहली बार बोल रहा हूं। इसलिए सबसे पहले मैं आपको और आपकी इजाजत से सभी माननीय सदस्यों को सादर प्रणाम करता हूं। मेरे अभिवादन को आप सभी स्वीकार करें। अध्यक्ष महोदय राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव पे ा किया गया है, मैं उसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। यह बात ठीक है कि मेरे अपोजीि ान के

भाईयों को यह महसूस हो रहा है कि मैं उनके साथ न बैठ करके इधर क्यों बैठा हूं। इस हाउस में बहुत ही वरिश्ठ लोग हैं जिनका मेरे दिल में बहुत ही आदर है लेकिन इनके बारे में मैं कुछ भी नहीं कहना चाहता अगर कहूंगा तो मर्यादा का अतिक्रमण हो जाएगा। लेकिन जो बात सच्च होती है उसे कहने से चूकना नहीं चाहिए। अध्यक्ष महोदय यदि कोई सरकार अच्छा काम करती है तो उस काम को अच्छा ही गिना जाएगा। चाहे कोई भी सरकार हो यदि वह सरकार कोई भी सरकार हो यदि वह सरकार कोई अच्छा काम करेगी तो उसे अच्छा ही कहा जाएगा। अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से यह बात कहना चाहता हूं कि आज से 2–3 साल पहले जिस राज्यपाल महोदन ये जो अभिभाशण दिया है उस अभिभाशण के साथ यदि इस अभिभाशण की तुलना की जाए तो इस अभिभाशण के भाब्द उस अभिभाशण के बराबर की मेल खाते हैं। मैंने पहले वाले अभिभाशणों की इस अभिभाशण के साथ तुलना की है और पाया है कि दोनों अभिभाशणों में लगभग एक जैसी ही बातें हैं। उस समय जो उधर के बैंचों पर मेरे साथी बैठे हैं उन्होंने उस अभिभाशण की बहुत तारीफ की थी और आज उसी की आलोचना कर रहे हैं यह समझ में आने वाली बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, जो प्रोग्राम उस समय के अभिभाशण में द र्ाए गए थे उसी प्रकार के प्रोग्राम इस अभिभाशण में द र्ाते हैं। उन्हीं प्रोग्रामों की आज आलोचना हो रही है कल उनकी स्तुति हो रही थी। अध्यक्ष महोदय मैं एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि मैं भाहर की कांस्टीच्युएंसी से जीत कर आया हूं।

इस सरकार ने अलग अलग प्रकार की योजनाएं बना कर, भाहर के और देहात के लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए भरसक प्रयत्न किए हैं। लेकिन मेरे विरोधी भाईयों ने इस अभिभाशण पर अपने विचार प्रकट करते हुए आलोचना की और देहातों के बारे में बहुत कुछ कहा है। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने भाहरों के लोगों को भलाई के लिए जो काम किए हैं, उनकी तरफ मैं हाउस का ध्यान दिलाना चाहता हूं।

स्पीकर साहब, भाहर में रहने वाली जनता का नगरपालिका से बहुत वास्ता पडता है। आज नगरपालिका जो जो सुविधाएं दे रही है उनमें बिजली, सडकें, पानी और सिवरेज आदि हैं इसी प्रकार के काम भाहर में रहने वाले लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हुआ करते हैं आजकल ये सभी काम हर भाहर के अंदर बहुत अच्छे टंग से हो रहे हैं मैं बडे अदब के साथ कहना चाहूंगा कि विरोधी पार्टी के भाईयों को हरेक चीज का क्रीटिसिजम नहीं करना चाहिए। उन्हें यह भी देखना चाहिए कि आज हरियाणा के अंदर जो अच्छे काम हो रहे हैं उनकी तारीफ की जाये। हरियाणा के लोगा बाडभ्ज के मिनिस्टिर हरेक भाहर की गली गली के अंदर घूमे हैं। वे ऐसी जगह पर भी गए हैं जहां पर 35 साल में कोई मिनिस्टर नहीं पहुंचा। उन्होंने इस काम को बहुत ही अच्छे ढंग से भाुरू किया है। जहां पर सडकें टूटी हुई हैं उनको ठीक किया जा रहा है। सरकार का यह काम बहुत ही सराहनीय है। (तालियां) जो सच्चाई है मैं वहीं कहना चाहता हूं। फूल हमे ाा चमन ही में नहीं

खिला करते, फूल कीचड में भी खिलते हैं। नगरपालिका के साथ सारी जनता का वास्ता पडता है। आज नगरपालिकाओं में अच्छा काम चल रहा है। यह अलग बात है कि सारी नगरपालिकाओं में काम भाुरू नहीं हुआ है। इस काल के लिए एल0आई0सी0 से दो करोड तैंतीस लाख रूपये लोन मिल चुका है। इस पैसे में पैंडिंग काम जल्दी से जल्दी पूरे होंगे। मैं बहुत लम्बा समय नहीं लूंगा। हरियाणा के अंदर समाज कल्याण विभाग है, उसके माध्यम से हम बेसहारा बच्चों को सुविधा दे रहे हैं। जिन बच्चों का कोई भी नहीं है, उनकी समाज कल्याण विभाग की देखरेख में पूरी देखभाल की जा रही है। और उनके लिए काफी प्रभाव ाली कदम उठाये गये हैं। राई के अंदर इस काम के लिीए एक सैंटर बनाया गया है। इस सैंटर के अंदर 16 कमरे हैं एक कमरे में 8 बच्चे रखें जाते हैं। इन 8 बच्चों की देखभाल के लिए एक महिला होती है जो बच्चों को अच्छी बातें सिखाती है। वहां पर स्नानगृह और लाईब्रेरी आदि की भी सुविधा प्रदान की हुई है। खाने पीने का सामान, कपडे आदि हर चीज मुहैया की जाती है। जब वे इस सैंटर से निकलते हैं तो ऐसे महसूस होते हैं जैसे ये बहुत ही अच्छे और भारीफ घराने के लडके हों। इनका रहन सहन का ढंग अन्य बच्चों के मुकाबले में कम नहीं होता। स्पीकर साहब, इस प्रकार से जो औरतें विधवा हो गई है या जिनके पति अंगहीन हो गए हैं उनके लिए हरियाणा के अंदर फरीदाबाद, करनाल और रोहतक में तीन सैंटर बनाये गये हैं यहां पर ऐसी औरतें अपनी अच्छी जिन्दगी बसर करती है। इनको खाने पीने का सामान भी सप्लाई किया

जाता है। जो हर सरकार का कर्त्तव्य है। सरकार जो काम कर रही है वह किसी पर अहसान नहीं कर रही क्योंकि कोई भी सरकार हो, भलाई के काम करना उसका कर्त्तव्य है। मैं सरकार की प्र ांसा भी इसीलिए कर रहा हूं क्योंकि यह सरकार अच्छे काम कर रही है। जो सरकार काम करेगी वह प्र ांसा के लायक होती ही है। हरियाणा सरकार ने इण्डस्ट्रीज के मामले में भी बहुत ही अच्छा रोल अदा किया है। यहां पर छोटी छोटी इंडस्ट्री को बढावा दिया जा रहा है। इस साल के अंदर 6913 इंडस्ट्रियल यूनिटस नए चालू किएगए जिनसे काफी लोगों को रोजगार मिला है। स्पीकर साहब,इसी प्रकार से भारत सरकार के माध्यम से पानीपत के नजदीक गांव बहौली के पाए एक स्थल कारखाना लगाने के लिए चुन लिया गया है। इस कारखाने की प्रस्तावित क्षमता 60 टन प्रति वर्श होगी। इस पर 800 से 900 करोड रूपये की बीच लागत आने का अनुमान है। आ ाा है इससे लगभग 2000 व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। अंत में स्पीकर साहब, मैं एक भोयर कह कर और अभिभाशण का स्वागत करते हुए अपना स्थान लेता जूं।

हम चिराग की तरह भााम को जल जायेंगे,

भामा जिस आम में जलती है नुमाय ा के लिये,

हम उसी आग में गुमनाम से जल जाएंगे।

चौधरी नर सिंह (पाई): अध्यक्ष महोदय मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाशयण का विरोध करने के लिए खडा हुआ हूं। इस अभिभाशण की जा कांपियां तैयार करके सभी को दी गई है। उसमें 20 सूली कार्मक्रम के बारे में और किसानों के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। इसमें कहा गया है कि 14.49 करोड रूपये की रा ि ा ओला वृश्टि से हुए नुकसान की पूर्ति के लिए किसानों को दी गई है। मैंने पिछले सै ान में भी कहा था कि पाई हलके के अंदर 3–4 गांव ऐसे हैं जहां पर 80–85 लाख रूपये की फसल खराब हुई है। मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि 1981 की खरीफ के लिए हुए नुकसान का जो मुआवजा किसानों को दिया जाना चाहिए था वह आज तक नहीं दिया गया। (ोम भाोम की आवाजें) जो बातें मैं कह रहा हूं यह रिकार्ड की बाते हैं आप बे ाक सरकार दफ्तरों में कागजों के अंदर देख लें। इसी प्रकार अभिभाशण में यह भी लिखा है कि सूखाग्रस्त इलाके में जो फसलें खराब हुई हैं, उनको भी सहातय दी गई है। यह सहायता 11 करोड रूपये की दिखाई गई है। इस संबंध में मेरी सरकार से गुजारि ा है कि इस ओर ध्यान दिया जाये और इस रा ि ा को किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए। इसके साथ ही साथ मेरी सरकार से भी प्राथ्रना है कि जिन किसानों की भीत लहर से और बाढ से जो फसलें खराब होती हैं उनको भी मुआवजा दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही साथ मेरी सरकार से भी प्रार्थना है कि जिन किसानों की भीत लहर से और बाढ से जो फसलें खराब होती हैं उनको भी मुआवजा दिया जाना चाहिए। मैं सरकार से

प्रार्थना करता हूं कि पाई हलको को सूखाग्रस्त इलाका घोशित किया जाये क्योंकि वहां पर आधे से ज्यादा गांव एरिया के हिलाज से सारे हरियाणा के गांवों में सबसे बडा है और उसकी आबादी भी सबसे ज्यादा है। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि उस इलाके में पूरी बिजली नहीं जा पाती और न ही सरकार नहर का पानी उपलब्ध करवा पाती है। वहां पर टयूबवैल्ज भी कामयाब नहीं हैं। इसके साथ ही साथ मैं यह भी आपके ध्यान में लाना चाहूंगा कि सांगल गांव से एक ड्रेन खोदी जा रही है। वहां पर उल्टी गंगा पहाड पर चढा दी है मेरे हल्के के लोगों को ठीक ढंग सेपानी भी नहीं दिया जाता जिस कारण लोग काफी परे ाान हैं। यदि उस इलाके में 15 मिनट के लिए अच्छी बारि ा हो जाती है तो पानी खडा हो जाता है और सारी फसल बर्बाद हो जाती है। इसका भी सरकार को कुछ समाधान करना चाहिए।

इस अभिभाशण में रोजगार के बारे में भी कहा गया है। रोजगार के मुत्तालिक मैं कहना चाहूंगा कि जो रोजगार दिलाए गए हैं वे किसी एक जाति के लिए और एक वर्ग के लिए सुरक्षित रखे गये हैं यह रोजगार यदि दिलाया गया है तो यू0पी0 और राजस्थान के लोगों को दिलाया गया है। यहां पर जो मैथ और साईंस के टीचर थे, उनको रोजगार न देकर यू0पी0 और राजस्थान के टीचरों को रोजगार दिया गया है।

स्पीकर साहब, इस अभिभाशण में जिक्र किया गया है कि एस0वाई0एल0 नहर की खुदाई के लिए पंजाब सरकाचर को

पिछले साल 20 करोड रूपया दिया गया है। मैं आपको बताना चाहूंगा कि इस पैसे को दिए हुए डेढ साल का समय हो गया है लेकिन अभी तक एक किलोमीटर सडक भी नहीं बनाई गई है। इसके साथ ही साथ मेरा सरकाचर से यह अनुरोघ है कि 1970 का एवार्ड और 1981 में जो एग्रीमैंट हुआ है, उसको लागू करवाया जाये। जहां तक किसान की दिक्कत का ताल्लुक है, आज बिजली के बिल किसान के सामने गलत पे ा किये जाते हैं और किसान उन बिलों को दने के लिए मजबूर हैं। जब किसान को बिल दिया जाता है तो किसान को बताया नहीं जाता कि बिल किन कारणों से इतना आया है। जब किसान इस गलत बिल को लेकर दफ्तर में पता करने के लिए जाता है तो उसकी बात सुनी नहीं जाती, वैसे ही वापिस भेज दिया जाता है। कई बार यह कहकर टाल दिया जाता है कि यह संडरी चार्जिज हैं। किसान को पूरा पता नहीं चल पाता कि एक्चुअली बिजली सप्लाई नहीं की गई और बिल इस वजह से गलत है। इसके अतिरिक्त स्पीकर साहब, फरीदाबाद का थर्मल प्लांट बिल्कुल नाकामयाब है क्योंकि यह प्लांट किसानों को पूरी तरह बिजली नहीं दे पाता। जहां तक मैं समझता हूं। इस प्लांट की जो म ाीनरी लगाई गई है यह गलत है। इसकी इंक्वायरी होनी चाहिए। इंक्वायरी करते समय यह देखा जाए कि जितने अमाउंट की यह म ाीनरी खरीदी गई है। उतना काम कर पायेगी या नहीं कर पायेगी। इस प्लांट के बार बार खराब होने से किसानों का बहुत नुक्सान होता है।

इसके इलावा पाई हलके में कोई वाटर वर्क्स नहीं है। इसी तरह माना हलके में भी कोई वाटर वर्क्स नहीं है। पाई हलके की आबादी 19 हजार की है लेकिन पानी का कोई इंतजाम नहीं है। यहां का पानी खारा है।

श्री अध्यक्षः अब हाउस का टाईम खत्म हो रहा है। आप कल बोल लेगन।

The House stands adjouned till 9.30 a.m. tomorrow, the 10th March 1983.

***13.30 बजे।**

(The Sabha then *adjourned till 9.30 a.m. on Thursday, the 10 March, 1983).